{ विश्वास वही रफ्तार नई }

बालाघाट
मंगलवार 03 फरवरी 2026
फाल्गुन कृष्ण 02 विक्रम सम्वत 2082
वर्ष 16, अंक 131
पृष्ठ 12
मूल्य ₹ 7.00

पद्मेश मीडिया समूह का प्रकाशन

बालाघाट एक्सप्रेस

हिन्दी दैनिक

सेंसेक्स - 81,666.46
निफ्टी - 25,088.40
सोना - 1,53,170
चांदी - 3,00,000
डॉलर - 91.49

/padmeshmedia /padmeshmedia epaper.balaghatexpress.in E-mail: balaghatexpress@gmail.com

लोकसभा में राष्ट्रपति के अभिभाषण पर धन्यवाद प्रस्ताव पर चर्चा के दौरान नेता प्रतिपक्ष राहुल गांधी ने पूर्व आर्मी चीफ की किताब कोट की तो राजनाथ-शाह ने टोका

स्पीकर ने माइक बंद कराया, सदन स्थगित

डोकलाम-नरवणे पर सत्तापक्ष-विपक्ष आमने-सामने

नई दिल्ली। संसद के बजट सत्र के दूसरे दिन लोकसभा में राष्ट्रपति के अभिभाषण पर धन्यवाद प्रस्ताव पर चर्चा के दौरान नेता प्रतिपक्ष राहुल गांधी के भाषण के दौरान जोरदार हंगामा हुआ। राहुल ने पूर्व आर्मी चीफ जनरल नरवणे की अनपब्लिश्ड किताब का हवाला देते हुए कहा कि 4 चीनी टैंक लद्दाख सीमा में पहुंच गए थे। राहुल के ऐसा कहते ही पहले रक्षा मंत्री राजनाथ सिंह और फिर गृह मंत्री शाह ने उन्हें टोका। इसके बाद स्पीकर ने नियमों का हवाला देते हुए उन्हें रोका। राहुल करीब 46 मिनट तक अपनी बात कहने की कोशिश करते रहे। इसके बाद स्पीकर ने लोकसभा की कार्यवाही 3 बजे तक के लिए स्थगित कर दी। दोपहर 3 बजे लोकसभा की कार्यवाही शुरू होते ही राहुल ने बोलना शुरू किया। लेकिन हंगामे के चलते महज 9 मिनट बाद ही कार्यवाही शाम 4 बजे तक के लिए स्थगित कर दी गई। शाम 4 बजे भी कार्यवाही शुरू होते ही फिर हंगामा हुआ और 11 मिनट बाद कार्यवाही मंगलवार सुबह 11 बजे तक स्थगित कर दी गई। इस दौरान डोकलाम और नरवणे पर सत्तापक्ष-विपक्ष आमने-सामने आ गए जिसके चलते संदन में जमकर हंगामा हुआ।

लोकसभा में विपक्ष के नेता राहुल गांधी ने आज पूर्व सेनाध्यक्ष जनरल नरवणे की किताब का उल्लेख किया, जिस पर रक्षा मंत्री राजनाथ सिंह और गृह मंत्री अमित शाह ने कड़ी आपत्ति दर्ज कराई। स्पीकर ओम बिरला ने भी सदन की परंपरा और नियमों का उल्लेख करते हुए राहुल को आगाह किया कि लोकसभा में ऐसे किसी भी तथ्य का उल्लेख नहीं किया जा सकता, जिसका प्रकाशन नहीं हुआ है। राहुल राष्ट्रपति द्रौपदी मुर्मू के अभिभाषण पर लाए गए धन्यवाद प्रस्ताव पर चर्चा में हिस्सा ले रहे थे। इस दौरान रक्षा मंत्री राजनाथ सिंह ने लोकसभा में विपक्ष के नेता राहुल गांधी पर आपत्ति जताई और कहा कि राहुल गांधी सदन को गुमराह ना करें। राहुल गांधी ने सदन में एक अप्रकाशित किताब के कोट्स का हवाला दिया, जो सदन के नियमों के खिलाफ है। जिस पर राहुल गांधी ने कहा कि उनका सोर्स भरोसेमंद है और इसमें एक पूर्व आर्मी जनरल के अप्रकाशित संस्मरणों के कोट्स शामिल हैं। इस दौरान स्पीकर ओम बिरला ने राहुल गांधी से नियमों का पालन करने की अपील की। ओम बिरला ने कहा कि नियमों और परंपरा से संसद चलना चाहिए।

राहुल गांधी के बोलते ही संसद में हंगामा

दरअसल, लोकसभा में राष्ट्रपति के अभिभाषण पर धन्यवाद प्रस्ताव पर राहुल गांधी के भाषण के शुरू होते ही हंगामा हो गया। राहुल गांधी ने अपने भाषण की शुरुआत में कहा कि पूर्व आर्मी चीफ एमएम नरवणे की किताब है। आप सब ध्यान से सुनें कि मैं क्या पढ़ रहा हूं? इससे पता चल जाएगा कि कौन देशभक्त है और कौन नहीं। बस इसी के साथ संसद में जोरदार हंगामा शुरू हो गया।

चार चीनी टैंक डोकलाम में भारत की तरफ आ रहे थे

राहुल गांधी ने अपने भाषण में फिर आगे कहा कि चार चीनी टैंक डोकलाम में भारत की धरती पर आ रहे थे। वो 100 मीटर ही दूर थे। राहुल के बस इतना बोलते ही रक्षा मंत्री राजनाथ सिंह ने आपत्ति जताई और अपनी सीट से खड़े होकर हस्तक्षेप किया और बोले कि अप्रकाशित पुस्तक का सदन में जिक्र नहीं किया जाता। उन्होंने अपने बयान में कहा कि राहुल गांधी सदन को गुमराह कर रहे हैं। वहीं गृह मंत्री अमित शाह ने भी आपत्ति जताई और कहा कि किसी भी अप्रकाशित किताब का संसद में हवाला नहीं दिया सकता।

राहुल के समर्थन में आए अखिलेश

लोकसभा में रक्षा मंत्री राजनाथ सिंह ने कहा, मैं चाहता हूं कि लोकसभा में विपक्ष के नेता (राहुल गांधी) वह किताब सदन के सामने पेश करें, जिससे वह कोट कर रहे हैं, क्योंकि जिस किताब का वह जिक्र कर रहे हैं, वह पब्लिश नहीं हुई है। इसके बाद चीन के संदर्भ में बोल रहे राहुल गांधी के समर्थन में बोलते हुए सपा सांसद अखिलेश यादव ने कहा, चीन से जुड़ा मामला बहुत संवेदनशील है। लोकसभा में विपक्ष के नेता को बोलने की अनुमति दी जानी चाहिए। इस बीच लोकसभा में केंद्रीय संसदीय कार्य मंत्री ने कहा, स्पीकर ने फैसला दिया है कि मैगजीन या अखबारों के आर्टिकल को सदन में कोट नहीं किया जा सकता। सदन में बहस कानूनों के हिसाब से होनी चाहिए।

राहुल गांधी को स्पीकर ने टोका, दी नसीहत

इस दौरान सदन में जारी हंगामे के बीच लोकसभा स्पीकर ओम बिरला ने कहा, विपक्ष के नेता के तौर पर आप सदन में आरोप लगा रहे हैं और नियमों का पालन नहीं कर रहे हैं। यह सही नहीं है। जिसके जवाब में राहुल गांधी ने कहा, स्पीकर सर, आप ही बता दीजिए कि मुझे क्या बोलना चाहिए। जिस पर ओम बिरला ने जवाब दिया, मैं आपका सलाहकार नहीं हूं, लेकिन स्पीकर के तौर पर यह मेरी जिम्मेदारी है कि सदन नियमों के अनुसार चले और चर्चा सिर्फ तय विषय पर ही हो।

सरकार किस बात से घबरा रही-राहुल गांधी

इस दौरान रक्षा मंत्री, गृह मंत्री और संसदीय कार्य मंत्री की लगातार आपत्ति के बीच राहुल गांधी ने सरकार को घेरा और कहा कि आखिर सरकार किस बात से घबरा रही है। राहुल गांधी ने अपने बयान में कहा, ये डरे हुए हैं, मुझे बोलने नहीं दे रहे। मुझे समझ नहीं आ रहा कि कहते हैं कि ये आतंकवाद से लड़ते हैं। लेकिन एक कोट से डरते हैं। इसमें ऐसा क्या है जो इतना डर रहे हैं। घबरा रहे हैं। ये डरे नहीं हैं तो मुझे बोलने दें। वे डर क्यों रहे हैं।

राहुल ने कोट किया मैग्जीन का आर्टिकल

राहुल गांधी ने इसके बाद एक मैग्जीन का आर्टिकल कोट करने की बात कही। इस पर भी ट्रेजरी बेंच से हंगामा हुआ। रक्षा मंत्री ने इस पर आपत्ति की और कहा कि ऐसा करने की इजाजत इनको नहीं दी जानी चाहिए। अखिलेश यादव ने चीन के सवाल को सेंसिटिव बताते हुए कहा कि अगर कोई सुझाव देशहित में है, तो विपक्ष के नेता को पढ़ देना चाहिए। अखिलेश ने डॉक्टर लोहिया से लेकर मुलायम सिंह यादव तक का उल्लेख करते हुए कहा कि हमें चीन से सावधान रहना है।इसके बाद संसदीय कार्य मंत्री किरेन रिजिजू ने कहा कि हम सुनने के लिए बैठे हैं। रूलिंग के बाद ये फिर से पढ़ रहे हैं, ऐसे सदन कैसे चलेगा। आज राष्ट्रपति के अभिभाषण पर धन्यवाद प्रस्ताव पर चर्चा हो रही है। विपक्ष के नेता खुद बोलना नहीं चाहते। यहां किसी की मनमानी से सदन नहीं चलेगा। वेणुगोपाल ने रूल 349 पढ़कर सुनाया और दावा किया कि तेजस्वी सूर्या ने कांग्रेस पार्टी पर आरोप लगाए हैं। इस पर अमित शाह ने कहा कि जो सदस्य ने कहा, वह सत्य नहीं है। तेजस्वी सूर्या ने 2004 से 2014 तक के राष्ट्रपति के अभिभाषण को कोट कर कहा है कि ये शब्द मुझे नहीं मिले हैं। ये उसे राष्ट्रपति के अभिभाषण से ही काउंटर कर सकते हैं। इस पर वेणुगोपाल ने बोलना शुरू किया। स्पीकर ने उन्हें हिदायत देते हुए कहा कि विपक्ष के नेता बोलेंगे। सदन में एलओपी एडवोकेट नहीं खड़े करते।

आप ही बता दीजिए मैं क्या बोलूं

राहुल गांधी ने आरोप लगाते हुए कहा कि ये लोग कहते हैं कि हम आतंकवाद से लड़ते हैं और एक तथ्य से डरते हैं। उसमें ऐसा क्या है, जिसे हम पढ़ नहीं सकते। इसमें वह पूरी बात है कि डोकलाम में क्या हुआ था। मैं जो कह रहा हूं, उसकी जिम्मेदारी लेता हूं। इस दौरान सदन में हंगामा चलता रहा।राजनाथ सिंह ने कहा कि नरवणे को अगर लगता था कि रोक गलत लगाई गई है, तो वे कोर्ट जा सकते थे। वह कोर्ट क्यों नहीं गए। बार-बार टोके जाने के बाद राहुल गांधी ने कहा कि स्पीकर सर, आप ही बता दीजिए मैं क्या बोलूं। स्पीकर ने कहा कि आपका सलाहकार नहीं हूं। फिर भी, आप सदन की मर्यादा रखें।

हंगामे के बाद सदन की कार्यवाही स्थगित

राहुल गांधी ने कहा कि आपने किताब कोट करने से मना किया, हमने मैग्जिन कोट करने की बात कही। आपने उसपर भी मना किया, हमने कहा कि भारत-चीन संबंधों पर बोलूंगा। अब आप उससे भी मना कर रहे हैं। स्पीकर ने कहा कि राष्ट्रपति के अभिभाषण में चीन का कोई उल्लेख नहीं है। राहुल गांधी ने कहा कि आपका कहना है कि राष्ट्रपति के संबोधन का इंटरनेशनल रिलेशंस से कोई नाता नहीं है। हम चीन-पाकिस्तान पर नहीं बोल सकते। ये क्या बात है। राहुल गांधी ने कहा कि आप मुझे बोलने तो दीजिए। ये बात चीन-पाकिस्तान के बारे में नहीं है। ये बात आपके प्रधानमंत्री के बारे में है। इस पर स्पीकर ने टोका और कहा कि सदन में बोलना है तो नियम-प्रक्रिया से चलेगा। नहीं बोलना चाहते, तो अगले वक्ता को बुलाऊंगा। इसके बाद राहुल गांधी ने कहा कि इसमें सर प्रधानमंत्री का कैरेक्टर, राजनाथ सिंह... राहुल गांधी ने इतना ही कहा था कि स्पीकर ने अगले वक्ता के रूप में अखिलेश यादव का नाम ले लिया। स्पीकर ने कहा कि नियम से बोलना पड़ेगा। सदन में हंगामा बढने् लगा जिसके बाद कार्यवाही को स्थगित कर दिया गया।

खास खबर

हरि शंकर वर्मा ने रेलवे बोर्ड के सदस्य (ऑपरेशंस एवं व्यवसाय विकास) का कार्यभार संभाला

नई दिल्ली। हरि शंकर वर्मा, 1987 बैच के आईआरटीएस अधिकारी, ने रेलवे बोर्ड के सदस्य (ऑपरेशंस एवं व्यवसाय विकास) और भारत सरकार के पदेन सचिव का पदभार संभाल लिया है। इस पद को संभालने से पहले वे रेलवे बोर्ड में महानिदेशक (सुरक्षा) के रूप में कार्यरत थे। अपने शानदार करियर के दौरान श्री वर्मा ने भारतीय रेलवे में कई महत्वपूर्ण जिम्मेदारियों का सफलतापूर्वक निर्वहन किया है, जिनमें शामिल हैं = अपर मंडल रेलवे प्रबंधक, मध्य रेलवे, मुंबई; मंडल रेलवे प्रबंधक, सलेम डिविजन, दक्षिण रेलवे; मुख्य यात्री यातायात प्रबंधक, मध्य रेलवे, मुंबई; प्रधान मुख्य ऑपरेशंस मैनेजर, हुबली, दक्षिण-पश्चिम रेलवे और महानिदेशक, भारतीय रेलवे परिवहन प्रबंधन संस्थान, लखनऊ। इन सभी पदों पर रहते हुए श्री वर्मा ने कई रिकॉर्ड/उपलब्धियां हासिल कीं।

दलाई लामा को

ग्रैमी अवॉर्ड

धर्मशाला। तिब्बती आध्यात्मिक धर्मगुरु दलाई लामा को प्रतिष्ठित ग्रैमी अवॉर्ड से सम्मानित किया गया है। उन्हें यह सम्मान बेस्ट ऑडियोबुक नरेशन कैटेगरी में उनकी ऑडियोबुक मेडिटेशन्स= द रिफ्लेक्शन्स ऑफ हिज होलीनेस द दलाई लामा के लिए प्रदान किया गया है। इस सम्मान को स्वीकार करते हुए दलाई लामा ने कहा कि यह अवॉर्ड उनका व्यक्तिगत सम्मान नहीं, बल्कि दुनिया में शांति और करुणा के संदेश का सम्मान है। उन्होंने इसे कृतज्ञता और विनम्रता के साथ स्वीकार किया, और इसे किसी व्यक्तिगत उपलब्धि के तौर पर नहीं देखा। दलाई लामा ने जोर देकर कहा कि यह हमारी साझा वैश्विक जिम्मेदारी की पहचान है।

जम्मू कश्मीर में भूकंप के झटके

जम्मू। जम्मू और कश्मीर के बारामूला जिले में सोमवर सुबह 4.6 तीव्रता का भूकंप आया। अधिकारियों ने बताया कि भूकंप सुबह 5.35 बजे आया और इसका केंद्र पट्टन इलाका था। अधिकारियों ने बताया कि भूकंप से अभी तक किसी नुकसान की कोई खबर नहीं है। वहीं, निकोबार द्वीप समूह में भी 4.6 तीव्रता का भूकंप आया। सोमवार को सुबह

कुछ ना कहना

अमेरिका ने भारत पर टैरिफ 25 प्रतिशत से घटाकर 18 प्रतिशत किया

25 प्रतिशत एक्स्ट्रा के साथ अब 43 प्रतिशत टैरिफ, ट्रम्प बोले- मोदी रूसी तेल खरीदना बंद करेंगे

नई दिल्ली। अमेरिका ने भारत पर लगा 25 प्रतिशत टैरिफ घटाकर 18 प्रतिशत कर दिया है। अब भारत पर कुल 43 प्रतिशत ही टैरिफ रहेगा। अमेरिका के राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रम्प ने सोमवार को पीएम मोदी से फोन पर बातचीत के बाद यह ऐलान किया है।

ट्रम्प ने कहा- पीएम मोदी ने रूसी तेल खरीदना बंद करने और अमेरिका से ज्यादा तेल खरीदने पर सहमति जताई है।

अमेरिका ने अगस्त 2025 में भारत पर दो बार टैरिफ लगाया था। पहली बार 1 अगस्त को व्यापार घाटे को लेकर 25त्न टैरिफ लगाया गया। इसके बाद 27 अगस्त को रूस से तेल खरीदने की वजह से 25त्न एक्स्ट्रा टैरिफ लगाया गया। सोमवार को जो टैरिफ कम किया गया है, वह इसी एक्स्ट्रा 25 प्रतिशत पर कम किया गया है।

ट्रम्प ने सोशल मीडिया ट्रुथ सोशल पर लिखा- आज सुबह भारत के प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी से बात करना मेरे लिए सम्मान की बात थी। वह मेरे बहुत अच्छे दोस्त हैं और अपने देश के एक मजबूत और सम्मानित नेता हैं।

हमारी बातचीत कई मुद्दों पर हुई, जिनमें व्यापार और रूस-यूक्रेन युद्ध को खत्म करने का विषय भी शामिल था। उन्होंने रूसी तेल खरीदना बंद करने और अमेरिका से ज्यादा तेल खरीदने पर सहमति जताई है। जरूरत पड़ी तो वे वेनेजुएला से भी तेल खरीदेंगे। इससे यूक्रेन में चल रहे युद्ध को खत्म करने में मदद मिलेगी, जहां हर हफ्ते हजारों लोग मारे जा रहे हैं।

प्रधानमंत्री मोदी के साथ दोस्ती और सम्मान के नाते, और उनके अनुरोध पर, अमेरिका और भारत के बीच तुरंत एक व्यापार समझौता हुआ है। इसके तहत अमेरिका भारत पर लगने वाला रेसिप्रोकल टैरिफ 25त्न से घटाकर 18त्न करेगा। वहीं भारत अमेरिका के खिलाफ अपने टैरिफ और नॉन-टैरिफ बाधाओं को शून्य करने की दिशा में आगे बढ़ेगा।

प्रधानमंत्री मोदी ने "BUY AMERICAN" यानी अमेरिका से ज्यादा खरीदने का भी वादा किया है। इसके अलावा भारत अमेरिका से 500 अरब डॉलर से ज्यादा की ऊर्जा, तकनीक, कृषि, कोयला और अन्य उत्पाद खरीदेगा।

भारत के साथ हमारा रिश्ता आगे और मजबूत होगा। प्रधानमंत्री मोदी और मैं दोनों ऐसे लोग हैं जो काम करके दिखाते हैं। इस विषय पर ध्यान देने के लिए धन्यवाद।

ट्रम्प ने इंडिया गेट और मोदी के साथ फोटो शेयर किया

ट्रम्प ने आज ही अपने सोशल मीडिया 'ट्रुथ सोशल' पर भारत से जुड़ी दो तस्वीरें पोस्ट की थी। एक में उन्होंने इंडिया गेट की फोटो शेयर की थी, जबकि दूसरे में पीएम मोदी के साथ एक मैगजीन का कवर शेयर किया था।

इंडिया गेट खूबसूरत, हमारा सबसे बेहतर होगा

ट्रम्प ने इंडिया गेट की तस्वीर शेयर करते हुए लिखा कि भारत का ट्रायम्फल आर्च (इंडिया गेट) बहुत खूबसूरत है। हमारा वाला इन सबमें सबसे शानदार होगा!

जाति जनगणना 2027 पर सुप्रीम कोर्ट में पीआईएल खारिज

अदालत ने केंद्र से कहा- सुझावों पर करें विचार

नई दिल्ली। सुप्रीम कोर्ट ने 2027 में होने वाली जनगणना के दौरान नागरिकों की जाति दर्ज करने, वर्गीकरण और सत्यापन की प्रक्रिया को चुनौती देने वाली जनहित याचिका (पीआईएल) पर सुनवाई करने से इनकार कर दिया है। हालांकि, शीर्ष अदालत ने केंद्र सरकार और भारत के रजिस्ट्रार जनरल एवं जनगणना आयुक्त के कार्यालय से याचिकाकर्ता द्वारा दिए गए सुझावों पर विचार करने को कहा है।

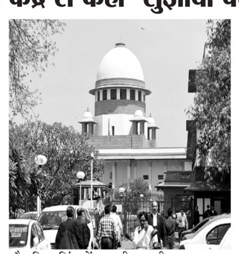

कोर्ट ने क्या कहा

मुख्य न्यायाधीश की अध्यक्षता वाली पीठ ने स्पष्ट किया कि जाति आंकड़ों की पहचान के लिए कोई पूर्व-निर्धारित डेटा मौजूद नहीं है। पीठ ने कहा कि जनगणना की पूरी प्रक्रिया जनगणना अधिनियम, 1958 और उसके तहत बने 1990 के नियमों के अनुसार संचालित होती है, जो संबंधित अधिकारियों को यह तय करने का अधिकार देते हैं कि जनगणना किस तरीके और किन बिंदुओं पर की जाएगी।

अदालत ने जताया भरोसा

सुप्रीम कोर्ट ने कहा कि उसे इस बात पर कोई संदेह नहीं है कि संबंधित प्राधिकरण विषय विशेषज्ञों की मदद से ऐसी मजबूत व्यवस्था विकसित करेंगे, जिससे किसी भी प्रकार की त्रुटि की आशंका न रहे। अदालत ने यह भी माना कि याचिकाकर्ता द्वारा उठाए गए कुछ मुद्दे प्रासंगिक हैं और पहले ही रजिस्ट्रार जनरल के समक्ष रखे जा चुके हैं।

पीआईएल का निपटारा, सुझावों पर विचार का निर्देश

इन टिप्पणियों के साथ सुप्रीम कोर्ट ने याचिका का निपटारा कर दिया और केंद्र सरकार से कहा कि वह कानूनी नोटिस और याचिका में दिए गए सुझावों पर उचित विचार कर सकती है। 2027 की जनगणना देश की 16वीं राष्ट्रीय जनगणना होगी। यह 1931 के बाद पहली बार होगी जब व्यापक स्तर पर जाति आधारित गणना की जाएगी। साथ ही, यह भारत की पहली पूरी तरह डिजिटल जनगणना भी होगी, जिससे आंकड़ों के संग्रह और विश्लेषण में बड़ा बदलाव आने की उम्मीद है।

किशोरी का अपहरण और यौन उत्पीड़न मामले में आरोपी को 14 साल की सख्त सजा

श्रीनगर। श्रीनगर की एक फास्ट ट्रैक कोर्ट ने नाबालिग लड़की के अपहरण और यौन उत्पीड़न मामले में आरोपी को 14 साल की कठोर कैद की सजा सुनाई है। इसके साथ ही अदालत ने आरोपी पर 15,000 रुपये का जुर्माना भी लगाया है। यह सजा भारतीय दंड संहिता (आईपीसी) की धारा 363 (अपहरण), 376 (बलात्कार) और पॉक्सो अधिनियम के तहत दर्ज मामले में सुनाई गई। मामले के संबंध में पुलिस ने बताया था, कि यह मामला 11 अप्रैल 2021 का है, जब एक किशोरी के अपहरण और यौन उत्पीड़न की शिकायत एमआर गंज पुलिस स्टेशन में दर्ज कराई गई थी। शिकायत मिलते ही श्रीनगर पुलिस ने त्वरित कार्रवाई करते हुए मामले की जांच शुरू की।

पुणे पोर्श हादसा मामले में सुप्रीम कोर्ट ने कहा- नाबालिगों का शराब पीना और कार चलाना बेहद दुखद

-कोर्ट ने दे दी 3 आरोपियों को जमानत

नई दिल्ली। बहुचर्चित पुणे पोर्श कार हादसा मामले में सुप्रीम कोर्ट ने सोमवार को तीन आरोपियों को जमानत दे दी। सुनवाई के दौरान शीर्ष अदालत ने नाबालिगों द्वारा शराब पीने और वाहन चलाने की घटनाओं पर गहरी चिंता जताते हुए इसे बेहद दुखद बताया। कोर्ट ने इस तरह की घटनाओं के लिए माता-पिता की जिम्मेदारी पर भी कड़े शब्दों में टिप्पणी की है। मामले की सुनवाई करे रहे जस्टिस बीवी नागरत्ना और जस्टिस उज्जल भुयान की पीठ ने कहा, कि ऐसे मामलों में केवल बच्चों को ही नहीं, बल्कि माता-पिता को भी जिम्मेदार ठहराया जाना चाहिए, क्योंकि कई बार वे अपने बच्चों पर पर्याप्त नियंत्रण नहीं रख पाते। कोर्ट ने नाबालिगों को कार चलाने की अनुमति देने और उन्हें इस तरह के जश्न में शामिल होने देने पर गहरी नाराजगी जाहिर की। सुप्रीम कोर्ट ने कहा कि नाबालिगों द्वारा शराब का सेवन और फिर तेज रफ्तार कार चलाना समाज के लिए गंभीर खतरा है। जस्टिस नागरत्ना ने अपनी टिप्पणी में कहा, कि पहले नाबालिगों के रूप में शराब का सेवन, फिर उन्हें कार देना और इस तरह जश्न मनाना बेहद दुखद है। आखिरकार माता-पिता बच्चों पर नियंत्रण नहीं रख पाते और वे कार की चाबी ले लेते हैं। अदालत ने स्पष्ट किया कि मादक द्रव्यों का सेवन अपने आप में गंभीर मुद्दा है, लेकिन नाबालिगों को कार की चाबियां और मौज-मस्ती के लिए पैसे देना पूरी तरह अस्वीकार्य है।

भटेरा रेलवे ओवरब्रिज की डेडलाईन पर संकट, फिर आगे बढ़ने के आसार

8 फरवरी के बाद मुआवजा मिलेगा, भवन हटाने में लगेगा लंबा वक्त

सिटी रिपोर्टर।
पद्मेश न्यूज।बालाघाट।

शहर के सबसे व्यस्त और प्रमुख मार्गो में शामिल भटेरा रोड पर प्रस्तावित ओवरब्रिज का निर्माण वर्षों बाद भी गति नहीं पकड़ सका है। ओवरब्रिज का भूमिपूजन हुए लंबा समय बीत चुका है, लेकिन जमीनी हकीकत यह है कि अब तक केवल गिने-चुने पिलर ही खड़े हो पाए हैं। निर्माण कार्य की धीमी रफ्तार से आम नागरिकों में नाराजगी बढ़ती जा रही है, यातायात व्यवस्था पर भी इसका सीधा असर पड़ रहा है। अब प्रशासन ने नियमानुसार 8 जनवरी को अधिसूचना का प्रकाशन किया है। इस अधिसूचना की समय-सीमा 8 फरवरी को समाप्त हो रही है। प्रशासनिक अधिकारियों का कहना है कि निर्धारित अवधि पूरी होने के बाद अगली प्रक्रिया शुरू की जाएगी। इस संबंध में एसडीएम ने जानकारी देते हुए बताया कि 8 फरवरी के बाद चिन्हित भवनों और दुकानों के प्रभावित लोगों को मुआवजा वितरण की प्रक्रिया प्रारंभ की जाएगी। मुआवजा वितरण के बाद ही भवन हटाने की कार्रवाई संभव हो सकेगी, जिससे ओवरब्रिज निर्माण को आगे बढ़ाने का रास्ता साफ होगा। शहर के प्रमुख और अत्यंत व्यस्त भटेरा मार्ग पर निर्माणाधीन रेलवे ओवरब्रिज की प्रगति लगातार सवालों के घेरे में बनी हुई है। प्रशासनिक प्रक्रियाओं में हो रही देरी, डायवर्सन मार्ग का अब तक तैयार न होना और भू-अर्जन से जुड़ी जटिलताओं के कारण यह परियोजना निर्धारित समय-सीमा में पूरी होती नजर नहीं आ रही है। एसडीएम गोपाल सोनी ने जानकारी देते हुए बताया कि भटेरा ओवरब्रिज

निर्माण के लिए प्रभावित भवनों और दुकानों को लेकर 8 जनवरी को भू-अर्जन अधिनियम की धारा 19 के तहत अधिसूचना का प्रकाशन किया गया है। इसके लिए नियमानुसार 30 दिनों की आपत्ति अवधि दी गई है, जो आगामी 8 फरवरी को समाप्त हो रही है। अवधि समाप्त होने के बाद चिन्हित भवनों और दुकान मालिकों को मुआवजा वितरण की प्रक्रिया शुरू की जाएगी। मुआवजा मिलने के पश्चात ही भवनों और दुकानों को हटाने की कार्यवाही आगे बढ़ाई जा सकेगी। भटेरा मार्ग पर लगभग 38 करोड़ रुपये की लागत से रेलवे ओवरब्रिज का निर्माण किया जा रहा है। इस ओवरब्रिज को अक्टूबर 2026 तक पूर्ण किया जाना था, लेकिन जिस तरह से प्रशासनिक स्तर पर प्रक्रियाएं लंबित हैं और वैकल्पिक डायवर्सन मार्ग अब तक तैयार नहीं हो सका है, उससे यह स्पष्ट होता जा रहा है कि परियोजना तय समय में पूरी होना मुश्किल है। ओवरब्रिज की प्रस्तावित लंबाई करीब 1313 मीटर और चौड़ाई लगभग 8.4 मीटर निर्धारित की गई है। रेलवे लाइन के ऊपर बनने वाले हिस्से को छोड़कर शेष निर्माण कार्य राज्य सरकार की सेतु एजेंसी द्वारा किया जाना है, जिसके तहत कुल 42 पिलर बनाए जाने हैं। अब तक केवल गिने-चुने पिलरों का ही निर्माण हो सका है, जिससे कार्य की धीमी गति साफ झलकती है। प्रशासनिक सूत्रों के अनुसार, ओवरब्रिज की लंबाई और चौड़ाई की जद में आने वाले आवासीय और व्यावसायिक भूखंडों के भू-अर्जन का मुआवजा अभी तक वितरित नहीं किया गया है। मुआवजा वितरण के बाद ही भवनों और दुकानों को तोड़ने की प्रक्रिया शुरू होगी, जिसमें स्वाभाविक रूप से लंबा समय लगने की संभावना है। वर्ष 2025 में राजस्व विभाग और लोक निर्माण विभाग द्वारा संयुक्त रूप से सर्वे किया गया था। इस सर्वे में ओवरब्रिज निर्माण से प्रभावित कुल 224 मकान और दुकानें चिन्हित की गई थीं। भू-अर्जन सर्वे के बाद ई-पीडब्ल्यूडी और एमपीआरडीसी द्वारा इन संपत्तियों का मूल्यांकन किया गया, जिसमें कुल मुआवजा राशि लगभग 35 करोड़ रुपये आंकी गई है। फिलहाल भटेरा मार्ग पर रोजाना लगने वाले जाम और अधूरे निर्माण के कारण आम नागरिकों को भारी परेशानियों का सामना करना पड़ रहा है। अब सभी की निगाहें 8 फरवरी के बाद शुरू होने वाली मुआवजा वितरण प्रक्रिया और उसके बाद होने वाली कार्रवाई पर टिकी हैं, जिससे यह तय होगा कि भटेरा रेलवे ओवरब्रिज का निर्माण कब रफ्तार पकड़ पाएगा।

नाम सुधार सूचना

सर्व साधारण को सूचित किया जाता है कि मेरा नाम मोहम्मद शोएब शरीफ शेख (Mohammad Shoed Sharif Sheikh) पिता अब्दुल शरीफ शेख (Abdul Sharif Sheikh) है। किंतु मेरे ड्राईविंग लायसेंस में मेरा नाम त्रुटिवश मोहम्मद शोएब शेख (Mohammad Shoed Sheikh) दर्ज हो गया है। अतः मुझे मेरे सही नाम मोहम्मद शोएब शरीफ शेख (Mohammad Shoed Sharif Sheikh) पिता अब्दुल शरीफ शेख (Abdul Sharif Sheikh) के नाम से ही जाना-पहचाना व पढ़ा जाये।

वास्ते सूचनार्थ
मोहम्मद शोएब शरीफ शेख
पिता अब्दुल शरीफ शेख, बालाघाट

AFFIDAVIT

I, No-**5031766A**, Rank- RFN/GD, Name- **MUKESH KUMAR, R/O Ward No. 17 Village-Ladsada, PO-Ladsada, Tehsil-Waraseoni, District- Balaghat, State- Madhya Pradesh Pin-** 481331 presently posted **30 Assam Rifles District Kiphire (Nagaland)** do hereby solemnly affirm and declare that the statement made below are true and correct to the best of my khowledge, affirmation and belief :-

1. That the correct name of my spouse name is **Sonam Upwanshi** as per Aadhar card and PAN Card.
2. That the same of my spouse has been mentioned wrongly as **Sonam** in My service records.
3. That this affidavit being sworn for correction of my spouse name **Sonam Upwanshi** in place of mentioned wrong name **Sonam** in my service records.
4. That both Names **Sonam Upwanshi** and **Sonam** pertain to one and the same person.
5. That the correct date of birth of my spouse is 20/02/2002 as per Aadhar Card, PAN Card and service records.
6. That the above statements are true and correct to the best of my knowledge.

VERIFICATION

Verified at Balaghat on this 02 February 2026 that the content of my affidavit are true and correct to the best my knowledge and belief and nothing has been concealed there from.

Date - 02/02/2026
Place- Balaghat
Witness -
Shubham Nagpure
S/o Hisablal Nagpure
R/o - At-Bagdara Tehsil & Dist. Balaghat

Advocate
Vinita Lilhare
Balaghat

दहेज प्रताड़ना से तंग युवती ने पति, सास-ससुर पर दर्ज कराई रिपोर्ट

पद्मेश न्यूज। बालाघाट। दहेज की मांग को लेकर शारीरिक व मानसिक प्रताड़ना, मारपीट तथा जान से मारने की धमकी देने का गंभीर मामला सामने आया है। खैरलांजी थाना क्षेत्र की रहने वाली 23 वर्षीय युवती ने अपने पति, सास और ससुर के विरुद्ध दहेज प्रताड़ना की रिपोर्ट दर्ज कराई है। पुलिस ने आरोपियों के खिलाफ भारतीय न्याय संहिता एवं दहेज प्रतिषेध अधिनियम की विभिन्न धाराओं के तहत अपराध पंजीबद्ध कर जांच प्रारंभ कर दी है। प्राप्त जानकारी के अनुसार पीड़िता का मायका खैरलांजी थाना क्षेत्र में स्थित है। उसका विवाह 23 अप्रैल 2024 को सामाजिक रीति रिवाज से ग्राम लोधी टोला, तहसील तिरोड़ा जिला गोंदिया (महाराष्ट्र) निवासी राजकुमार लिल्हारे के साथ हुआ था। विवाह के समय युवती के माता-पिता ने अपनी सामर्थ्य अनुसार दहेज दिया था। पीड़िता का पति खेती किसानी का कार्य करता है। शादी के लगभग एक माह तक ससुराल पक्ष का व्यवहार सामान्य रहा लेकिन इसके बाद पति राजकुमार लिल्हारे यह कहकर प्रताड़ित करने लगा कि उसे पत्नी पसंद नहीं है और उसके मायके वालों ने शादी में कम सामान दिया है तथा मोटरसाइकिल भी नहीं दी। इसी बात को लेकर वह मारपीट करने लगा। जब पीड़िता ने इसकी शिकायत अपनी सास ईटाबाई लिल्हारे और ससुर सुंदरलाल लिल्हारे से की तो उन्होंने भी दहेज कम लाने का ताना देते हुए गाली गलौज शुरू कर दी। दहेज की मांग और प्रताड़ना से परेशान होकर युवती ने अपने पिता को फोन कर जानकारी दी। पिता ने ससुराल पहुंचकर पति एवं सास-ससुर को समझाइश दी। जिसके बाद कुछ समय तक हालात सामान्य रहे। किंतु कुछ महीनों बाद पुनः तीनों द्वारा शारीरिक एवं मानसिक रूप से प्रताड़ित किया जाने लगा। 24 दिसंबर 2025 को राजकुमार लिल्हारे ने युवती पर किसी अन्य व्यक्ति से संबंध होने का आरोप लगाते हुए चरित्र पर शक कियाऔर मारपीट की और घर से निकाल दिया। साथ ही यह धमकी दी कि यदि वह दोबारा घर लौटी तो उसे जान से मार दिया जाएगा। इसके बाद युवती अपने पिता को बुलाकर मायके आ गई। 29 जनवरी को दोपहर करीब 12 बजे पति राजकुमार लिल्हारे अपनी मां ईटाबाई लिल्हारे और पिता सुंदरलाल लिल्हारे के साथ पीड़िता के मायके पहुंचे और मोटरसाइकिल, सोने की चेन तथा 50 हजार रुपये नकद दहेज की मांग की। उन्होंने कहा कि जब तक वह ये सामान लेकर नहीं आएगी, उसे ससुराल में प्रवेश नहीं दिया जाएगा, और बिना सामान के आने पर जान से खत्म कर देने की धमकी दी। इसके बाद तीनों झगड़ा-विवाद कर वहां से चले गए। युवती लंबे समय तक इस आशा में चुप रही कि ससुराल पक्ष के व्यवहार में सुधार होगा, लेकिन जब किसी प्रकार का परिवर्तन नहीं हुआ तो मजबूरन 1 फरवरी को खैरलांजी थाना पहुंचकर शिकायत दर्ज कराई। खैरलांजी पुलिस ने पीड़िता की रिपोर्ट पर उसके पति राजकुमार लिल्हारे, सास ईटाबाई लिल्हारे एवं ससुर सुंदरलाल लिल्हारे के विरुद्ध दहेज की मांग को लेकर प्रताड़ना, मारपीट एवं जान से मारने की धमकी देने के आरोप में मामला दर्ज कर लिया है। पुलिस द्वारा मामले की विवेचना की जा रही है।

कैरियर हायर सेकेण्डरी स्कूल में १२वीं के छात्रों को दी गई बिदाई

पद्मेश न्यूज। वारासिवनी। स्थानीय कैरियर हायर सेकेण्डरी स्कूल में कक्षा १२वीं के छात्र छात्राओं को कक्षा ९ वीं से ११ वीं तक के छात्र छात्राओं द्वारा समारोह पूर्वक परम्परागत रूप से बिदाई दी गई। समारोह का शुभारंभ स्कूल संचालक और प्राचार्य निरंजन बिसेन के द्वारा माँ सरस्वती एवं स्वामी विवेकानंद के छाया चित्र के समक्ष दीप प्रज्जवलित कर किया गया। कु. वैशाली पथिक एवं कु. मानसी हेड़ाऊ के द्वारा माँ सरस्वती की वंदना के गायन के उपरांत अतिथियों का पुष्प हार एवं पुष्प गुच्छ से छात्र छात्राओं द्वारा स्वागत किया गया। तथा छात्र छात्राओं द्वारा गीतों, नृत्यों सहित सांस्कृतिक कार्यक्रम प्रस्तुत किये गये। इससे पूर्व शैक्षणिक सत्र २०२५-२६ में संपन्न प्रतियोगिताओं में विभिन्न स्थान प्राप्त करने वाले प्रतियोगी छात्र छात्राओं को मुख्य अतिथि श्रीमती पुष्पा बिसेन पूर्व अध्यक्ष के द्वारा पुरस्कार एवं प्रमाण पत्र प्रदान किये गये। इस शैक्षणिक सत्र का सर्वश्रेष्ठ छात्र का पुरस्कार छात्र नितेश नंदेश्वर कक्षा १२वीं जीव विज्ञान संकाय एवं छात्रा का पुरस्कार कु. सलोनी आमाडारे कक्षा १० वीं को प्रदान किया गया। इसके अतिरिक्त अनुशासित छात्र का पुरस्कार कक्षा १२ वीं कृषि संकाय के छात्र शुभम शरणागत एवं छात्रा का पुरस्कार कु. रागिनी हेड़ाऊ कक्षा १०वीं को प्रदान किया गया। इसके अतिरिक्त मिस फेयरवेल कु. इकरा खान कक्षा १२वीं कला संकाय एवं मिस्टर फेयरवेल अंकित कावरे कक्षा १२वीं कृषि संकाय को घोषित कर उनका सम्मान छात्र छात्राओं के द्वारा किया गया। इस समारोह में राष्ट्रीय सेवा योजना के कार्यक्रम अधिकारी राकेश कुमार मिश्रा, व्याख्याता श्रीमती अनिता मिश्रा,डी पी चैतगुरू ,एन के घरडे , यू के कटरे, सुश्री ज्योति गौतम, प्राची देवारे, आंचल साखरे, श्रीमती मौसमी बिसान, भारती डोंगरे, ज्योति बिसेन, कु. माहेश्वरी डोहरे, कुसुम नकाशे, आशा बारेकर सहित समस्त कर्मचारी उपस्थित रहे।

इबादतों की रात शब-ए-बारात आज

खुदा को राजी करने रात भर चलेगा इबादतो का दौर
दुल्हन की तरह सजाया गई मस्जिदें, कब्रगाहो में भी की गई आकर्षक रोशनी

पद्मेश न्यूज।बालाघाट। इबादतो की रात, शब-ए-बरआत को तकदीर तय करने वाली रात माना जाता है। यह रात इस्लामी कैलेंडर के मुताबिक आठवें महीने शाबान की 15वीं तारीख को आती है। जो इस बार 3 फरवरी मंगलवार को आएगी इस रात में इस्लाम धर्म के मानने वाले लोग पूरी रात एक अल्लाह की इबादत करेंगे वही अपने अपने गुनाहों की माफी मांगेंगे।मंगलवार को आने वाली इस अजीम रात की तमाम तैयारिया मुस्लिम समुदाय द्वारा पूरी कर ली गई है।वही जिले भर की तमाम मस्जिदों में विभिन्न कार्यक्रमों के आयोजन की रूपरेखा तैयार कर ली गई।

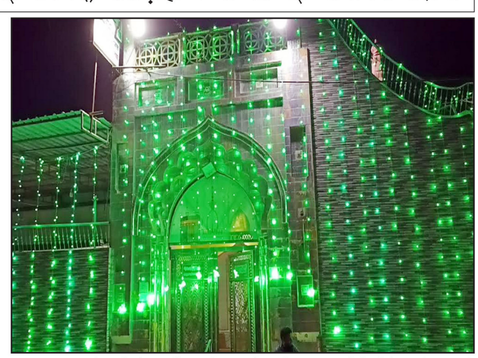

क्या है शब ए बारात

अरबी भाषा का शब्द शब ए बारात दो शब्द, शब और बारात से मिलकर बना है, जहाँ शब का अर्थ रात तो वहीं बारात का मतलब बरी होना या छूटकारा पाना होता है।अर्थात ऐसी इबादत की रात जो उनके गुनाहों से उन्हें बरी कर दे। शब ए बारात कहलाती है। इस्लामी कैलेंडर के मुताबिक यह रात साल में एक बार उर्दू शाबान महीने की 15 तारीख को सूरज के ढलने के बाद शुरू होती है। इस्लाम में यह रात बेहद फजीलत की रात मानी जाती है। इस रात को मुस्लिम रात भर इबादत कर दुआएं मांगते हैं और अपने गुनाहों की तौबा करते हैं। शब-ए-बारात की सारी रात इबादत और तिलावत का दौर चलता है। इस रात अपने उन परिजनों, जो दुनिया से रुखसत हो चुके हैं, उनकी मगफिरत की दुआएं की जाती हैं इस्लामिक मान्यता के अनुसार यह रात पूर्व के समय में किए गए कर्मों का लेखा जोखा तैयार करने और आने वाले साल की तकदीर तय करने वाली मानी जाती है इसलिए इस रात को शब-ए- बारात के तौर पर जाना जाता है। ऐसा कहा जाता है कि तौबा की इस रात को अल्लाह तआला अपने बंदों का पूरे साल का हिसाब-किताब करते हैं। इसलिए इस रात को पूरी तरह इबादत में गुजारने की परंपरा है।

रखा जाएगा शाबान का रोजा, कब्रगाहों मे मारहुमो को किया जाएगा याद

इस दौरान मुस्लिम समुदाय के लोग 2 दिनों तक रोजा रख खुदा की इबादत करेंगे शब-ए-बारात की रात दुनिया से विदा हो चुके लोगों की कब्रों पर जाकर उनके हक में मगफिरत की दुआ की जाएगी।मान्यताओं अनुसार इस रात को पाप और पुण्य के फैसले होते हैं। ऐसा माना जाता है की इस दिन अल्लाह अपने बंदों के कर्मों का लेखा जोखा करता है और कई सारे लोगों को नरक यानि दोजख/जहन्नम से आजाद भी कर देता है। इसी वजह से मुस्लिम लोग इस शब ए बारात पर रात भर जागकर अल्लाह की इबादत करते हैं. इस दिन गरीबों में इमदाद/दान करने की परंपरा है. इस दिन मुस्लिम लोग मस्जिदों में और कब्रिस्तानों में जाते हैं. इसके साथ ही घरों व मस्जिदों को सजाया जाता है और लोग पूरी रात अल्लाह की इबादत करते हुए बिताते हैं. इस दिन लोग नमाज पढ़ने के साथ अल्लाह से अपने पिछले गुनाहों की माफी मांगते हैं. ऐसा माना जाता है कि इस दिन अल्लाह कई सारी रुहों को जहन्नम से आजाद करता है।

विभिन्न कार्यक्रमों के होंगे आयोजन

शबे बरात के खास मौके पर जगह-जगह मिलाद की महफिल सजेगी, कुरान की तिलावत होंगी। धर्म गुरूओं का प्रवचन, दरूदो सलाम के कार्यक्रम आयोजित किये जायेंगे। इसी अवसर पर मरहुमीनों की मगफिरत के लिए कब्रिस्तान में दुआयें पढ़ी जायेगी। जिसके चलते कब्रिस्तान को रोशनी से जगमगाया जायेगा। शबे बारात के अवसर पर मस्जिदों में भी रोशनी एवं सजावट की गई है। शबे बारात पर्व में रोजे रखने का भी धार्मिक मान्यता के अनुसार बड़ा महत्व है।

अजीम नेमतों वाली है शबे बारात

धार्मिक मान्यता के अनुसार शबे बारात को लेकर पैगंबर हजरत मोहम्मद (सल्ल.) का फरमान है कि शबे बारात का दिन आखिरत की नेमत और रहमत हासिल करने, दुनियावी आफते ,मुसीबतें दूर करने और दिली मुराद पाने का दिन है। इसलिए बंदे को चाहिये कि वह परहेजगारी के साथ अपने रब की ईबादत करें। अपने दिल से जलन, हसद को निकाल दे, बंदो के अधिकार, जैसे भी हो, उसको अदा कर दे, तभी अपनी ईबादतों में सफल होंगे। साथ ही शबे बारात के दिन अल्लाह के महबूब बंदो को भी याद किया जाता है। जिसमें विशेष रूप से हजरत उवैस करनी की याद मनाई जाती हैं। जिन्होंने पूरी दुनिया को अपने माँ-बाप की सेवा का उदाहरण पेश किया। साथ ही पूरी दुनिया के मुस्लिम धर्मावलंबियों को नबी के रास्ते पर सच्चाई के साथ चलने का पैगाम दिया। उनके चाहने, मानने वाले शबे बारात के दिन उनके नाम से विशेष व्यंजन बनाकर गरीबों को, दोस्तो, अहबाबों को बांटकर उनको याद करते है और उनके वसीले से अपने लिए दुआयें मांगते है।

In The Court Of I Civil Judge Junior Division Waraseoni, District Court,Balaghat
Presiding Officer:- नेहा बाथरी
(आदेश 5 नियम 20 व्यवहार प्रक्रिया संहिता 1908 के अन्तर्गत प्रकाशन हेतु)
(RCS A/0000276/2025)

धनीराम उइके.................................वादी
Vs
मध्यप्रदेश शासन द्वारा कलेक्टर बालाघाट..........प्रतिवादी

Process Id:-52/2026
पेशी दिनांकः- 05/02/2026

प्रेषिती-
आमजनता पता-जिला बालाघाट मध्यप्रदेश

यह कि प्रार्थी **धनीराम उइके** ने आपके विरुद्ध **वाद वास्ते घोषणा आज्ञापक निषेधाज्ञा एवं स्थाइ निषेधाज्ञा।** के लिए वाद संस्थित किया है, आपको इस न्यायालय में सूचना के प्रकाशन के 30 दिवस के भीतर वाद का उत्तर देने के लिये उपसंजात / हाजिर होने के लये सम्मन किया जाता है, आप न्यायालय में स्वयं या किसी ऐसे प्लीडर (अधिवक्ता) द्वारा उपसंजात हो सकते है, जिसे सम्यक अनुदेश दिये गये हो और जो इस वाद में संबंधित सभी सारवान कथनों का उत्तर, दे सके। आपको यह निर्देश भी दिया जाता है कि उस दिन अपनी प्रतिरक्षा का लिखित कथन प्रस्तुत करें और उस दिन ऐसे सब दस्तावेज जो आपके कब्जे या शक्ति में है पेश करें जिन पर आपका प्रतिरक्षा या मुजराई का दावा या प्रतिदावा आधारित हो, और यदि आप अन्य किसी दस्तावेज पर चाहे वह आपके कब्जे या शक्ति में हो अपनी प्रतिरक्षा या मुजरा के दावे या प्रतिदावे के समर्थन में साक्ष्य के रूप में निर्भर करते है तो ऐसी सभी दस्तावेज की लिखित कथन के साथ उपलब्ध की जाने वाली सूची में प्रविष्टि करें।

आपको सूचित किया जाता है कि यदि आप उपर बताई गई अवधि में इस न्यायालय में उपस्थित नहीं होंगे तो वाद की एक पक्षीय सुनवाई कर उसका निपटारा आपकी अनुपस्थिति में किया जायेगा। साथ ही यह भी सूचित किया जाता है कि यदि आप निराकरण मध्यस्थ के माध्यम से करने के इच्छुक हैं तो पीठासीन अधिकारी को अवगत करायें।

यह आज तारीख 16 January 2026 को मेरे हस्ताक्षर से और न्यायालय की मुद्रा लगा कर दिया गया है।

न्यायाधीश

कृपया ध्यान दे:-
1.यदि किसी कारणवश उक्त तिथि को न्यायालय अवकाश पर रहेगा तो आगामी कार्यदिवस पर यह प्रकरण सुनवाई में लिया जायेगा।

आवश्यकता है
दो छोटे बच्चों की देखरेख करने और घरेलू कार्य करने के लिये युवती की आवश्यकता है
आकर्षक वेतनमान
6269524236
9009712121

आवश्यकता है
दवा दुकान में कार्य हेतु लड़कों की आवश्यकता हे
योग्यता- 10वीं पास
पार्ट टाईम जॉब वाले संपर्क न करें।
वेतन-योग्यतानुसार
कार्य सीखे व्यक्ति को प्राथमिकता
संपर्क-9340308019

सांझ नारबोदे

आपको जन्मदिवस की ढेर सारी शुभकामनाएं

रामू - कौशल नारबोदे पापा-मम्मी
अर्जुन - नीतू नारबोदे चाचा-चाची
हार्दिक नारबोदे - भाई
गणेश - रीमा बावने मामा-मामी
एवं समस्त नारबोदे परिवार
आमाटोला दादिया लालबर्रा

बारबेड वायर (कांटेदार तार) एवं चेन लिंक जाली उचित दाम पर उपलब्ध
लघु उद्योग निगम भोपाल से संबद्ध

निर्माता
तिरूपति इंजीनियरिंग वर्क्स
मयूर टॉकिज के सामने हनुमान चौक, बालाघाट
फोनः- 07632-243531
मो:- 8989976858, 9425139998

न्यूज गैलरी

कीटनाशक का छिड़काव बना काल, खेत से लौटते ही टूटा किसान दिलीप का दम

पद्मेश न्यूज। बालाघाट। खेत में कितना से दवाई का छिड़काव करते समय कीटनाशक दवाई के प्रभाव में आने से बेहोश एक कृषक की जिला अस्पताल में उपचार के दौरान मौत हो गई।। मृतक कृषक दिलीप पिता चेतराम ठाकरे 53 वर्ष ग्राम कोकना थाना किरनापुर निवासी है। जिला अस्पताल पुलिस ने इस कृषक का शव पोस्टमार्टम करवा कर उसके परिजनों को सौंप दिया है।

प्राप्त जानकारी के अनुसार दिलीप ठाकरे अपने परिवार के साथ खेती किसानी करता था जिसके परिवार में पत्नी कारण बाई ठाकरे के अलावा दो लड़के और एक लड़की है। तीनों की शादी नहीं हो पाई है। बताया गया है कि 2 फरवरी को सुबह दिलीप ठाकरे अपने खेत रबी की फसल में कीटनाशक दवाई का छिड़काव करने के लिए गया था। कीटनाशक दवाई का छिड़काव करने के बाद 10:00 बजे दिलीप ठाकरे अपने घर आया और अपनी पत्नी को बताएं कि उसे चक्कर आ रहा है। पत्नी ने उसे बोली की मुंह में कपड़ा बांधकर कीटनाशक का दवाई का छिड़काव करना था किंतु दिलीप ने उसे बोला कि मैं मुंह में कपड़ा नहीं बांधा था। जिसके बाद वह उल्टी करने लगा था। हालत खराब होने पर दिलीप ठाकरे को उसके परिजनों ने किरनापुर के अस्पताल में भर्ती किए थे। जहां 2 घंटा इलाज के बाद भी दिलीप ठाकरे के स्वास्थ्य में सुधार नहीं होने पर उसे जिला अस्पताल बालाघाट रेफर किया गया था। जिला अस्पताल में भर्ती करने के बाद 1 घंटे चल उपचार के दौरान कृषक दिलीप ठाकरे की मौत हो गई। जिला अस्पताल पुलिस ने शव पंचनामा कार्यवाही पश्चात कृषक दिलीप ठाकरे का शव पोस्टमार्टम करवा कर उसके परिजनों को सौंप दिया है और धारा 194 भारतीय नागरिक सुरक्षा संहिता के तहत मर्ग कायम कर मर्ग डायरी अग्रिम कार्रवाई हेतु घटना स्थल से संबंधित पुलिस थाना किरनापुर भिजवा दी है।

इस दर्दनाक घटना ने एक बार फिर यह सवाल खड़ा कर दिया है कि कीटनाशक दवाइयों के छिड़काव के दौरान सुरक्षा उपायों के प्रति लापरवाही कितनी जानलेवा साबित हो सकती है। खेत में मेहनत कर परिवार का पेट पालने वाला किसान खुद ही असुरक्षित हो जाए, तो परिणाम कितना भयावह हो सकता है—यह घटना उसी की दुखद मिसाल है।

हिन्दू संगठनों ने किया घोटी नन्दोरा के 10 मुस्लिम परिवारों का कथित सामाजिक बहिष्कार!!

पूर्व विधायक किशोर समरीते ने की घोटी-नंदोरा में पुलिस फ्लैग मार्च और न्यायिक जांच की मांग

पद्मेश न्यूज। बालाघाट।

संयुक्त क्रांति पार्टी के राष्ट्रीय अध्यक्ष एवं पूर्व विधायक किशोर समरीते ने बालाघाट जिले की लांजी तहसील के ग्राम घोटी और नंदोरा में 10 मुस्लिम परिवारों के कथित सामाजिक बहिष्कार के मामले को गंभीर बताते हुए केंद्रीय गृह मंत्रालय से जांच कराने और दोनों गांवों में पुलिस फ्लैग मार्च कराने की मांग की है। श्री समरीते ने अपने जारी बयान में कहा कि ग्राम घोटी और

नंदोरा विगत दो वर्षों से गौहत्या और गोमांस से जुड़े मामलों को लेकर चर्चा में रहे हैं, लेकिन वर्तमान में यहां 10 मुस्लिम परिवारों के सामाजिक बहिष्कार का मामला सामने आना अत्यंत चिंताजनक है।

उन्होंने आरोप लगाया कि इतनी गंभीर घटना के बावजूद थाना लांजी, पुलिस मुख्यालय और राज्य स्तर के

अधिकारी मामले को दबाने का प्रयास कर रहे हैं, जबकि खुफिया एजेंसियां भी इस पर मौन साधे हुए हैं। पूर्व विधायक ने कहा कि गांवों में कथित रूप से मुस्लिम समुदाय के लोगों को किराने का सामान देने से मना किया जा रहा है, नाई द्वारा दाढ़ी या बाल कटवाने से इनकार किया जा रहा है और कोटवार के माध्यम से गांव में मुनादी कर सामाजिक बहिष्कार की घोषणा कराई गई है। उन्होंने आरोप लगाया कि गांव के सरपंच, सचिव, जनपद सदस्य और जिला पंचायत सदस्य भी इस बहिष्कार के समर्थन में खड़े नजर आ रहे हैं।

श्री समरीते ने यह भी आरोप लगाया कि गांव के मंदिरों और चौराहों पर धार्मिक झंडे लगाकर भड़काऊ भाषण (हेट स्पीच) दिए जा रहे हैं, जिससे गांव का सामाजिक माहौल तनावपूर्ण होता जा रहा है। उन्होंने कहा कि बहिष्कृत परिवारों के छोटे बच्चे स्कूल जाने से डर रहे हैं और महिलाएं भय के वातावरण में जीवन जीने को मजबूर हैं। पूर्व विधायक ने पूरे मामले की न्यायिक जांच कराने, बहिष्कृत परिवारों को संविधान द्वारा प्रदत्त नागरिक अधिकार तत्काल बहाल कराने तथा दंगा भड़काने वाले असामाजिक तत्वों के खिलाफ कठोर कार्रवाई की मांग की है। उन्होंने चेतावनी दी कि यदि प्रशासन ने समय रहते निष्पक्ष और सख्त कदम नहीं उठाए, तो यह मामला कानून-व्यवस्था और सामाजिक सौहार्द के लिए गंभीर खतरा बन सकता है।

निष्पक्ष नही हुए जिला अधिवक्ता संघ के चुनाव: 50 मत अधिक गणना का आरोप

चुनाव अधिकारी ने आरोपो को बताया बेबुनियाद, कहा- पारदर्शिता से सम्पन्न कराए गए है चुनाव

पद्मेश न्यूज। बालाघाट। पिछले माह 17 जनवरी को संपन्न हुए जिला अधिवक्ता संघ चुनाव में गड़बड़ी किए जाने के आरोप लग रहे है।यह आरोप किसी और ने नही, बल्कि जिला अधिवक्ता संघ के पूर्व अध्यक्ष एंव वर्तमान चुनाव में अध्यक्ष पद के लिए खड़े प्रत्याशी आनंद टेंभरे ने लगाया है। जिन्होंने इस चुनाव में मतदान प्रकिया, मतगणना 50 मत अधिक गणना करने सहित अन्य बिंदुओं की जांच कर उन्हें इंसाफ दिलाए जाने की गुहार लगाई है। जिसमें उन्होंने स्पष्ट कर दिया कि यदि मामले की जांच नहीं हुई और उन्हें इंसाफ नहीं मिला तो वह इसी मामले को लेकर हाई कोर्ट जाएंगे। एक तरफ पूर्व अध्यक्ष एवं वर्ष 2026 में 17 जनवरी को संपन्न हुए इस चुनाव में अध्यक्ष पद के लिए खड़े प्रत्याशी आनंद टेंभरे ने यह आरोप लगाया लगाते हुए अपने साथियों के साथ सोमवार को एसपी कार्यालय में एक ज्ञापन सौपा है जिसमें उन्होंने मामले में इंसाफ दिए जाने की गुहार लगाई है। तो दूसरी तरफ चुनाव अधिकारी ने 17 जनवरी को सम्पन्न हुई चुनाव

प्रक्रिया को पूर्ण पारदर्शी बताते हुए पूर्व अध्यक्ष द्वारा लगाए गए सभी आरोपी को झूठ व बे-बुनियाद बताया है।

तो हाईकोर्ट में दायर करेंगे याचिका-आनंद टेंभरे

जिला अधिवक्ता संघ चुनाव में अध्यक्ष पद के प्रत्याशी रहे पूर्व अध्यक्ष आनंद टेंभरे ने बताया कि जिला अधिवक्ता संघ के चुनाव में हुई गडबड़ी की शिकायत, आज हमने एसपी से करते हुए जांच और कार्यवाही की मांग की है। उन्होंने बताया कि मतदान के बाद जो मतदाता की संख्या बताई गई थी। उससे 50 मत ज्यादा मत, मतगणना में निकले। यही नहीं बल्कि, मतदान के दौरान, मतदाता अधिवक्ताओं ने जो हस्ताक्षर किए थे। उस दस्तावेज की सर्टिफाईड कापी भी नहीं दी जा रही है। बल्कि चुनाव अधिकारी बताते है कि वह किसी ने ले जा लिया है या फिर चोरी हो गई है। जिसमें अब तक उन्होंने इस पर कोई कार्यवाही नहीं की। जिससे यह साफ होता है कि जिला अधिवक्ता संघ के चुनाव में गड़बड़ी की गई है।जिसकी जांच की मांग हमने दिए आवेदन में की है। उन्होंने बताया कि यदि जांच नहीं होगी तो वह हाईकोर्ट में याचिका दायर करेंगे।

सभी आरोप निराधार है- हरीश

हालांकि प्रत्याशियों के लगाए गए आरोपो को लेकर जिला निर्वाचन अधिकारी अधिवक्ता हरीश नगपुरे ने बताया कि सभी आरोप निराधार है। हमने चुनाव को लेकर राज्य अधिवक्ता संघ के निर्देशानुसार चुनाव पूरी पारदर्शिता पूर्ण तरीके से कराए है। आरोपकर्ता, हारने के बाद यह आरोप लगा रहे है।

डॉ. घनश्याम परते ने उप संचालक पशु चिकित्सा विभाग का पदभार संभाला

पद्मेश न्यूज। बालाघाट। वरिष्ठ पशु चिकित्सक डॉ. घनश्याम परते ने पशु चिकित्सा विभाग में उप संचालक के पद का कार्यभार ग्रहण कर लिया है। पदभार संभालने के बाद उन्होंने पत्रकारों से चर्चा करते हुए अपनी प्राथमिकताएं और आगामी कार्ययोजना साझा की। डॉ. परते ने कहा कि जिला किसानों और पशुपालकों की दृष्टि से अत्यंत महत्वपूर्ण है। ऐसे में उनकी पहली प्राथमिकता यही रहेगी कि पशुपालकों को शासन की विभिन्न योजनाओं का अधिक से अधिक लाभ मिल सके। उन्होंने बताया कि जिला दुग्ध उत्पादन के क्षेत्र में पहले से ही अच्छा प्रदर्शन कर रहा है और प्रयास रहेगा कि पशुपालकों को दूध का बेहतर मूल्य प्राप्त हो सके। इसके साथ ही यह भी सुनिश्चित किया जाएगा कि सरकारी योजनाओं की जानकारी और लाभ अंतिम व्यक्ति तक पहुंचे। उन्होंने कहा कि किसानों और पशुपालकों से जुड़ी समस्याओं के निराकरण के लिए विभाग लगातार सक्रिय रहेगा और समयबद्ध समाधान के प्रयास किए जाएंगे। आवारा श्वानों की बढ़ती समस्या को लेकर पूछे गए सवाल पर डॉ. परते ने बताया कि

पूर्व में जिला पशु चिकित्सालय के माध्यम से निःशुल्क वैक्सीनेशन शिविर आयोजित कर आवारा श्वानों का टीकाकरण और बधियाकरण किया गया है। उन्होंने स्पष्ट किया कि आवारा पशुओं और श्वानों के प्रबंधन की मुख्य जिम्मेदारी नगरपालिका प्रशासन की होती है, लेकिन इस कार्य में यदि तकनीकी सहयोग की आवश्यकता पड़ेगी तो पशु चिकित्सा विभाग पूरी तरह सहयोग करने के लिए तैयार है। उन्होंने कहा कि विभाग और नगरपालिका के समन्वय से ऐसे ठोस प्रयास किए जाएंगे, जिससे आम नागरिकों को आवारा पशुओं और श्वानों से होने वाली परेशानियों से राहत

जिला पंचायत की संचार एवं संकर्म समिति की बैठक स्थगित

पद्मेश न्यूज। बालाघाट। जिला पंचायत की संचार एवं संकर्म स्थायी समिति की बैठक 05 फरवरी को दोपहर 2:00 बजे जिला पंचायत कार्यालय बालाघाट के सभाकक्ष में आयोजित की गई थी। उक्त बैठक अपिरहार्य कारणों से स्थगित कर दी गई है। आगामी बैठक की सूचना पृथक से दी जाएगी।

यूजीसी कानून के विरोध में सकल सामान्य समाज का आक्रोश, रैली निकालकर सौंपा ज्ञापन

पद्मेश न्यूज। बालाघाट। यूजीसी कानून के विरोध में सकल सामान्य समाज के बैनर तले शहर में विरोध प्रदर्शन किया गया। इस दौरान समाज के सदस्यों ने एक विशाल रैली निकाली, जो स्थानीय राम मंदिर से प्रारंभ होकर शहर के प्रमुख मार्गों से होते हुए कालीपुतली चौक तक पहुंची। रैली में बड़ी संख्या में लोग शामिल हुए और हाथों में तख्तियां व बैनर

लेकर कानून के खिलाफ नारेबाजी की। कालीपुतली चौक पर सकल सामान्य समाज के पदाधिकारियों ने सभा को संबोधित करते हुए यूजीसी कानून को जनहित के खिलाफ बताया और इसे तत्काल वापस लेने की मांग की। वक्ताओं ने कहा कि यह कानून शिक्षा व्यवस्था, छात्रों और आम नागरिकों के हितों को प्रभावित करता है, जिसे किसी भी स्थिति में स्वीकार नहीं किया जा सकता। प्रदर्शन के पश्चात सकल सामान्य समाज के प्रतिनिधि कलेक्टर कार्यालय पहुंचे, जहां उन्होंने महामहिम राष्ट्रपति के नाम एक ज्ञापन कलेक्टर को सौंपा। ज्ञापन के माध्यम से केंद्र सरकार से यूजीसी कानून को निरस्त करने की मांग की गई। बीते दिनों केंद्र सरकार द्वारा लाए गए यूजीसी कानून को लेकर देशभर के साथ-साथ जिले में भी विरोध के स्वर उठने लगे हैं। इसी क्रम में सकल सामान्य समाज द्वारा इस कानून के खिलाफ आंदोलन की रूपरेखा तैयार की गई। पहले 1 फरवरी को सकल सामान्य समाज एवं व्यापारियों की बैठक आयोजित कर विरोध प्रदर्शन की रणनीति बनाई गई, जिसके बाद 2 फरवरी को शहर में व्यापक विरोध प्रदर्शन किया गया। इस संबंध में सकल सामान्य समाज के पदाधिकारी अनिल शर्मा ने बताया कि संगठन द्वारा लाए गए नए यूजीसी कानून का विरोध किया जा रहा है। उनका कहना है कि यह कानून समाज और शिक्षा व्यवस्था के हित में नहीं है, इसलिए सकल सामान्य समाज सरकार से इसे तत्काल वापस लेने की मांग कर रहा है। इसी मांग को लेकर यह प्रदर्शन आयोजित किया गया। अनिल शर्मा ने यह भी आरोप लगाया कि प्रदर्शन से पूर्व उन्होंने स्थानीय काली पुतली चौक पर ज्ञापन सौंपने के लिए प्रशासन से अनुमति मांगी थी, लेकिन अनुमति मिलने के बावजूद जिला प्रशासन वहां ज्ञापन लेने नहीं पहुंचा। इससे प्रदर्शनकारियों में नाराजगी देखी गई। प्रशासन के रवैये से आक्रोशित सकल सामान्य समाज के सदस्यों ने काली पुतली चौक से आक्रोश रैली निकाली, जो शहर के प्रमुख मार्गों से होती हुई कलेक्टर कार्यालय के मुख्य द्वार तक पहुंची। यहां भी कुछ समय तक ज्ञापन सौंपने को लेकर विरोध प्रदर्शन किया गया। बाद में सकल सामान्य समाज के प्रतिनिधियों ने महामहिम राष्ट्रपति के नाम एक ज्ञापन डिप्टी कलेक्टर को सौंपा। ज्ञापन के माध्यम से यूजीसी कानून को वापस लेने की मांग दोहराई गई।

संयुक्त विभाग पेंशनर संघ की मासिक बैठक सम्पन्न

विभिन्न बिंदुओं पर की गई चर्चा,नए सदस्यों को संघ में किया शामिल

पद्मेश न्यूज। बालाघाट। वर्षों से लंबीत अपनी विभिन्न मांगों को लेकर संयुक्त विभाग संघ द्वारा जिला कलेक्टर के माध्यम से शासन को ज्ञापन सौपे जा रहे हैं।जिसमें खास तौर पर कोषालय से संबंधित समस्याओं का समाधान किए जाने की गुहार लगाई जा रही है।बावजूद इसके भी पेंशनर्स संघ की कई मांगे ऐसी है जो अब तक पूरी नहीं हो पाई है। जिसको लेकर अब संयुक्त विभाग पेंशनर संघ ने कलेक्टर और कोषालय अधिकारी से मुलाकात कर, पेंशनर्स की समस्याओं के निवारण के लिए शिविर लगाने की रणनीति बनाई है।यह फैसला सोमवार को स्थानीय मोती गार्डन में आयोजित संयुक्त विभाग पेंशनर संघ बालाघाट की मासिक बैठक में लिया गया। इस बैठक में नए पदाधिकारियों ने सदस्यों की समस्याओं को सुना और उनके समाधान के लिए विस्तृत रूपरेखा तैयार की गई।बैठक के दौरान संघ के वरिष्ठ सदस्यों ने पेंशन, वेतन संशोधन, स्वास्थ्य सुविधाएं और सामाजिक सुरक्षा जैसे महत्वपूर्ण मुद्दों पर चर्चा की।वही नए पदाधिकारियों ने सदस्यों की परेशानियों को सुनकर त्वरित समाधान के लिए रणनीति तय की गई।जिसपर सभी से सहयोग की अपील की गई।

इन बिंदुओं पर हुई चर्चा

संयुक्त विभाग पेंशनर्स संघ के बैनर तले आयोजित इस बैठक में खास तौर पर मुख्यालय में आयोजित होने वाली बैठकों के लिए एक सर्व सुविधा युक्त भवन देने,केन्द्र सरकार के समान 7 प्रतिशत महंगाई राहत दिए जाने,बकाया महंगाई राहत का एकमुश्त एरियर्स देने, म.प्र./छत्तीसगढ़ की धारा 49(6)

अविलम्ब विलोपित करने, आयुष्मान स्वास्थ्य बीमा का लाभ सभी पेंशनरों को देने, समस्त सेवानिवृत शिक्षकों के लंबित अर्जित अवकाश का प्रकरणों का पूर्ण निराकरण करने, सेवा निवृत पेंशनरों एक वेतन वृद्धि का लाभ देने सहित अन्य मांगों को लेकर सह विस्तार चर्चा की।

प्रशासनिक अधिकारियों से चर्चा कर निकाला जाएगा समाधान

संघ ने निर्णय लिया कि आगामी महीनों में विशेष बैठकें आयोजित की जाएंगी, ताकि पेंशनरों की व्यक्तिगत और सामूहिक समस्याओं का प्रभावी समाधान किया जा सके। बैठक में उपस्थित सदस्यों ने सक्रिय भागीदारी निभाई और कई महत्वपूर्ण सुझाव दिए, जिन्हें संघ की कार्ययोजना में शामिल किया जाएगा। संघ के पदाधिकारियों ने आश्वासन दिया कि पेंशनरों के हितों की रक्षा के लिए नियमित संवाद और समन्वय जारी रहेगा। आवश्यकता पड़ने पर प्रशासनिक अधिकारियों से व्यक्तिगत मुद्दों पर भी बातचीत की जाएगी।

सबसे ज्यादा वन विभाग के कर्मचारियों की समस्याएं हैं- बीएल चौधरी

संयुक्त विभाग पेंशनर संघ अध्यक्ष बीएल चौधरी और वरिष्ठ पदाधिकारी श्री मानवटकर ने संयुक्त रूप से बताया कि आज संघ की मानसिक बैठक का आयोजन किया गया था,इसमें सबसे अधिक समस्याएं वन विभाग के कर्मचारी कि सामने आई हैं। कुछ कर्मचारी संघ से जुड़े हैं, जिन्होंने बताया कि पहले वे नलकूप में सेवाएं दे रहे थे बाद में उन्हें नियमित किया गया था।लेकिन नियमितीकरण के आदेश के बावजूद भी उन्हें विभाग नियमित कर्मचारी नहीं मान रहा है। कुछ के अर्जित अवकाश के मामले लंबित है। इस पर कर्मचारी हाईकोर्ट भी गए थे, जहा से उन्हें न्याय भी मिला था, लेकिन विभागीय अधिकारियों ने न्यायालय के आदेश के अनुसार कार्यवाही नहीं की, कोर्ट आफ कॉन्डम भी किया गया, बावजूद इसके भी समस्या का समाधान नहीं हो पाया है। हम संघ के माध्यम से डीएफओ से मुलाकात कर इस प्रकरण का समाधान निकालने की कोशिश करेंगे। इसके अलावा अन्य समस्याएं भी है,जिसके समाधान को लेकर चर्चा की गई।इस दौरान जिला महामंत्री नारायण शक्करपुड़े, संभागीय अध्यक्ष बी. एल. राणा,जिला संरक्षक आर. एस. बैस, डी.सी. डहरवाल, एम. जेड. कुरैशी, जिला उपाध्यक्ष श्रीमती ज्योत्सना स्वामी, आर.के. नन्दनवार, एम. डी. एड्रे, देवराज बिसेन, संगठन सचिव नारायण सोलंकी, जिला प्रवक्ता सतीशचन्द्र दुबे, संयुक्त सचिव एस.डी.पटले, कोषाध्यक्ष सूरजलाल कावड़े, सहसचिव एच.आर. बिसेन, पी.डी. रायगढ़े, आर.एस. बघेले, श्यामलाल पंचेश्वर और एल.आर. पांचे सहित अन्य पदाधिकारी सदस्य प्रमुख रूप से उपस्थित रहे।

आस-पास की खबरें

मच्छूटोला लेंडेझरी में मनाया गया राधेकृष्ण मंदिर का वार्षिक उत्सव

पद्मेश न्यूज।बेहरई/लालबर्रा। जनपद पंचायत लालबर्रा के अंतर्गत आने वाली ग्राम पंचायत लेंडेझरी

के मच्छूटोला में सार्वजनिक श्री राधेकृष्ण मंदिर समिति के तत्वाधान में रविवार को सार्वजनिक श्री राधे कृष्णा का वार्षिक उत्सव कार्यक्रम बड़े हर्षोल्लास के साथ मनाया गया। चर्चा में आयोजन समिति के पदाधिकारी किसनलाल कुशराम ने बताया कि प्रतिवर्षानुसार इस वर्ष भी सार्वजनिक रूप से राधेकृष्णा मंदिर का 11 वां वार्षिक उत्सव कार्यक्रम बड़े हर्षोल्लास के साथ मनाया गया। इस अवसर पर प्रात: 8 बजे शोभा यात्रा के साथ ही गौ माता कलश यात्रा निकाली गई। यह कलश यात्रा पुरे ग्राम का भ्रमण करते हुए कार्यक्रम स्थल पहुंची। तत्पश्चात मूर्ति पंचम जल अभिषेक किया गया, जिसके बाद पंडित व्यंकटेश द्विवेदी जी द्वारा कथावाचन कर हवन पूजन संपन्न करवाया गया। इस अवसर पर उपस्थित श्रध्दालुओं ने पूर्णाहुति डालकर धर्मलाभ अर्जित किये तत्पश्चात दहीकाला कार्यक्रम संपन्न हुआ, तत्पश्चात महाप्रसादी का वितरण किया गया। इस अवसर पर बड़ी संख्या में आयोजन समिति के पदाधिकारी एवं श्रध्दालुजन बड़ी संख्या में उपस्थित रहे।

सांदीपनि स्कूल खेल मैदान में पूजा संपन्न, अक्षत कलश वितरण के साथ ही तैयारियां शुरू

लालबर्रा में विशाल हिन्दू सम्मेलन कार्यक्रम 9 को

पद्मेश न्यूज। लालबर्रा।

हिंदू जागरण की दिशा को नई ऊर्जा एवं चेतना प्रदान करने के उद्देश्य से सकल हिंदू समाज लालबर्रा के द्वारा आगामी 9 फरवरी को लालबर्रा के सांदीपनी स्कूल खेल मैदान में विशाल हिंदू सम्मेलन का भव्य आयोजन किया जा रहा है। इस विशाल हिन्दू सम्मेलन कार्यक्रम की तैयारी के लिए आयोजन समिति के पदाधिकारियों के द्वारा सांदीपनी स्कूल खेल मैदान में सोमवार को कार्यक्रम के लिए विधि-विधान से पूजा अर्चना कर भूमिपूजन कर ध्वज पताका स्थापित किया गया। जिसके बाद अक्षत कलश यात्रा निकाली गई और क्षेत्रभर से पहुंचे कार्यकर्ताओं व धर्मालंबियों को अक्षत कलश का वितरण किया गया। वहीं इन कलशों के माध्यम से टोली बनाकर गांव-गांव पहुंचकर लोगों को सम्मेलन में सम्मिलित होने के लिए आमंत्रित किया जायेगा। साथ ही इस विशाल हिन्दू सम्मेलन कार्यक्रम का मुख्य उद्देश्य प्रत्येक सनातनी को इस विराट आयोजन का हिस्सा बनाना है और हिन्दू की एकता एवं नई चेतना के प्रति जागरूक करना है।

ओजस्वी वक्ता साध्वी सरस्वती दीदी जी का होगा उद्बोधन

इस विशाल हिन्दु सम्मेलन का मुख्य आकर्षण सनातन धर्म की निर्भीक एवं विश्व विख्यात ओजस्वी वक्ता साध्वी सरस्वती दीदी जी का आगमन है। वे अपने प्रभावी संबोधन के माध्यम से उपस्थित जनसमूह में हिंदुत्व की भावना को जागृत करेंगी। कार्यक्रम में मुख्य रूप से हिंदुत्व की रक्षा, धर्म के प्रति गौरव और सामाजिक चेतना जैसे विषयों पर मार्गदर्शन प्रदान किया जायेगा। वहीं 9 फरवरी को लालबर्रा में होने वाला विशाल हिन्दू सम्मेलन कार्यक्रम की तैयारी में सकल हिन्दू समाज जुट चुका है। सोमवार को कार्यक्रम के लिए कार्यक्रम स्थल में भूमिपूजन कर ध्वज पताका स्थापित किया गया। आयोजन समिति के पदाधिकारियों ने बताया कि विशाल हिन्दू सम्मेलन कार्यक्रम में सनातन धर्म की निर्भीक एवं विश्व विख्यात ओजस्वी वक्ता साध्वी सरस्वती दीदी जी का आगमन हो रहा है और इस कार्यक्रम के माध्यम से क्षेत्र में हिन्दुत्व की एकता और नई चेतना का संचार होगा। सोमवार को ध्वज पताका स्थापित कर कार्यकर्ता एवं धर्मालंबियों को अक्षत कलश का वितरण किया गया है जिनके द्वारा टोली बनाकर गांव-गांव पहुंचकर लोगों को कार्यक्रम में पहुंचने के लिए आमंत्रित किया जायेगा। इस अवसर पर सकल हिन्दू समाज के पदाधिकारी, कार्यकर्ता एवं गणमान्य नागरिक बड़ी संख्या में उपस्थित रहे।

विशाल हिन्दू सम्मेलन कार्यक्रम 9 को - राहुल

सकल हिन्दू समाज लालबर्रा के पदाधिकारी राहुल शुक्ला ने बताया कि लालबर्रा की पावन धरा सांदीपनी (हाई) स्कूल खेल मैदान में 9 फरवरी को विशाल हिन्दू सम्मेलन कार्यक्रम का आयोजन किया गया है। इस कार्यक्रम में सनातन धर्म की निर्भीक विश्व विख्यात ओजस्वी वक्ता साध्वी सरस्वती दीदी जी का आगमन हो रहा है। श्री शुक्ला ने बताया कि 2 फरवरी को कार्यक्रम स्थल का भूमिपूजन कर ध्वज पताका स्थापित किया गया है। साथ ही विभिन्न कार्यकर्ता एवं धर्मालंबियों को अक्षत कलश वितरित कर इस भव्य विशाल हिन्दू सम्मेलन में अधिक से अधिक लोगों को आमंत्रित करने की अपील की गई है और इस कार्यक्रम के माध्यम से लोगों को हिन्दुत्व के प्रति जागरूक किया जायेगा जिसकी तैयारी शुरू कर दी गई है।

पढ़ाई को बोझ नहीं, सहजता से स्वीकारें विद्यार्थी - अधि. संदेश

अमोली शास. कन्या उ.मा. विद्यालय में 5 दिवसीय कैरियर मेले का हुआ समापन

पद्मेश न्यूज। लालबर्रा। नगर मुख्यालय से सटी ग्राम पंचायत अमोली स्थित शासकीय कन्या उच्चतर माध्यमिक विद्यालय की छात्राओं के उज्जवल भविष्य और सही दिशा-निर्देशन हेतु गत दिवस से जारी 5 दिवसीय कैरियर मेला एवं कैरियर काउंसलिंग कार्यक्रम का समापन किया गया। यह कार्यक्रम अधि. संदेश इंदुरकर, अधि. अमित अग्रवाल, कम्प्यूटर संचालक अशोक अजीत के मुख्य आतिथ्य एवं स्कूल प्राचार्य बीपी शर्मा की अध्यक्षता में प्रारंभ हुआ। जिसमें सर्वप्रथम उपस्थितजनों ने माँ सरस्वती के छायाचित्र के समक्ष दीप प्रज्वलित कर माल्यार्पण किया गया। इस कार्यक्रम में कक्षा 9 वीं से 12 वीं तक की छात्राओं को भविष्य की चुनौतियों और रोजगार के अवसरों के बारे में विस्तार से उपस्थित अतिथियों के द्वारा जानकारी प्रदान कर सफलता के मंत्र बताये गये। कार्यक्रम को संबोधित करते हुए अधि. संदेश इंदुरकर ने कहा कि अक्सर विद्यार्थी पढ़ाई को एक बोझ मान लेते हैं, यही उनकी सबसे बड़ी बाधा है। जिस दिन विद्यार्थी किताबों को अपना मित्र समझकर सहजता से पढ़ना शुरू करेंगे, उस दिन से कठिन से कठिन विषय भी आसान लगने लगेगा। अधि. अमित अग्रवाल ने विद्यार्थियों को कमजोरी को ताकत बनाने की सीख देते हुए कहा कि जिस विषय से डर लगता है, उससे भागने के बजाय उस पर दोगुना ध्यान देना चाहिए क्योंकि यदि आज डर का सामना नहीं किया गया, तो वह जीवनभर की कमजोरी बन जायेगी और भविष्य की राह में रूकावट पैदा करेगी। वहीं म.प्र. राज्य मुक्त स्कूल शिक्षा बोर्ड के माध्यम से विद्यार्थियों को डिजिटल माध्यम से भी जोड़ा गया। कार्यक्रम में एनआईटीटीआर भोपाल के प्रो. राजेश खम्बायत, पीपुल्स यूनिवर्सिटी के डीन डॉ. विजय आनंद शर्मा और डॉ. राजीव अग्रवाल ने यूट्यूब लाइव के माध्यम से विषय-आधारित पाठ्यक्रम, शैक्षणिक संकायों और स्थानीय उद्योगों से जुड़ी जानकारी साझा की। ब्लॉक लालबर्रा के कैरियर काउंसलर विपिन सोनी ने छात्राओं को स्थानीय रोजगार के अवसरों और विभिन्न सरकारी विभागों की वेबसाइट्स की जानकारी दी ताकि छात्राएं स्वयं के लिए सही रोजगार विकल्प खोज सके। चर्चा में स्कूल प्राचार्य बीपी शर्मा ने बताया कि इस 5 दिवसीय कैरियर मेला आयोजन का मुख्य उद्देश्य यूनीसेफ द्वारा निर्धारित जीवन कौशल, कैरियर योजना और भविष्य की तैयारी के प्रति छात्राओं को जागरूक करना था। इस अवसर पर शिक्षक-शिक्षिकाएं एवं छात्राएं उपस्थित रहे।

अमोली में 5 घंटे का दुर्गा चालीसा पाठ एवं महाआरती का हुआ आयोजन

नशा मुक्त एवं चरित्रवान जीवन जीने का दिया गया संदेश

पद्मेश न्यूज। लालबर्रा। नगर मुख्यालय के समीपस्थ ग्राम पंचायत अमोली स्थित बजरंग मंदिर परिसर में रविवार को भक्ति और संकल्प का अनूठा संगम देखने को मिला। यहां भगवती मानव कल्याण संगठन (शाखा लालबर्रा) द्वारा 5 घंटे का अखंड दुर्गा चालीसा पाठ एवं भव्य महाआरती का सफल आयोजन किया गया। यह कार्यक्रम भगवती मानव कल्याण संगठन के जिलाध्यक्ष जगदीशप्रसाद बिल्लोरे सहित अन्य पदाधिकारी एवं श्रध्दालुओं की उपस्थिति में प्रारंभ हुआ। जिसमें सर्वप्रथम उपस्थितजनों ने माँ भगवती के छायाचित्र के समक्ष दीप प्र'वलित कर माल्यार्पण किया। तत्पश्चात श्रध्दालुओं ने पूर्ण श्रध्दाभाव के साथ 5 घंटे तक निरंतर दुर्गा चालीसा का पाठ किया। जिसके बाद दोपहर में महाआरती के पश्चात उपस्थित जनसमुदाय को महाप्रसादी का वितरण किया गया। वहीं अमोली में आयोजित इस 5 घंटे के दुर्गा चालीसा पाठ एवं महाआरती सहित अन्य धार्मिक अनुष्ठान कार्यक्रम का मुख्य उद्देश्य केवल आध्यात्मिक चेतना जगाना ही नहीं, बल्कि समाज को कुरीतियों से मुक्त करना भी रहा। कार्यक्रम के दौरान वक्ताओं ने उपस्थितजनों को संबोधित करते हुए नशा मुक्ति पर जो देते हुए नशे के कारण बर्बाद होते परिवारों और शरीर पर पड़ने वाले घातक दुष्प्रभावों की जानकारी से अवगत करवाते हुए नशा एवं गलत व्यसनों से दुर रहने की बात कही। साथ ही लोगों को चरित्रवान जीवन जीने, नैतिकता का पालन करने की प्रेरणा दी। साथ ही सत्य के मार्ग पर चलकर और आध्यात्मिकता से जुड़कर एक स्वस्थ समाज बनाने का आव्हान किया गया। इस तरह से नशा मुक्त एवं चरित्रवान जीवन जीने का संदेश दिया गया। संगठन लालबर्रा अध्यक्ष राजेन्द्र पंचेश्वर ने बताया कि 5 घंटे का दुर्गा चालीसा पाठ एवं महाआरती कार्यक्रम के माध्यम से माँ भगवती की आराधना की गई और लोगों को चरित्रवान जीवन जीने, नशा के दुष्परिणामों से अवगत करवाकर नशा एवं गलत व्यसनों से दूर रहने और आध्यात्मिकता से जुडकर सत्य के मार्ग पर चलकर स्वस्थ जीवन जीने का संदेश दिया गया। इस अवसर पर भगवती मानव कल्याण संगठन जिला प्रवक्ता कैलाश सोनी, युवा मोर्चा जिलाध्यक्ष आकाश भारद्वाज, लोकेश सोनी, मोतिराम बिसेन, पवन पटले, बजरंगसिंह राजपूत, नीमा ठाकुर, संजय भंडारकर, जनपद सदस्य बालकरण पंचेश्वर, सरपंच डॉ अरविंद पंचेश्वर, लालबर्रा संगठन अध्यक्ष राजेन्द्र पंचेश्वर, सचिव संतोष नागेश्वर, कोषाध्यक्ष मुकेश कावरे, रामाजी सहारे, दुर्गा हरिनखेड़े, सुरज नागेश्वर, भागचंद परिहार, बीसराम पटले सहित बडी संख्या में क्षेत्रीय श्रध्दालु और संगठन के कार्यकर्ता उपस्थित रहे।

सिहोराटोला में श्री शिव महापुराण एवं पार्थिव रूद्राभिषेक कार्यक्रम जारी

श्रध्दालुजन कथा श्रवण कर भगवान भोलेनाथ का प्राप्त कर रहे आशीर्वाद

पद्मेश न्यूज। लालबर्रा। नगर मुख्यालय से लगभग 5 किमी. दूर ग्राम पंचायत सिहोरा के सिहोराटोला स्थित क्रिकेट ग्राउण्ड पानी टंकी के समीप आयोजन समिति के तत्वाधान में गत 26 जनवरी से श्री शिव महापुराण एवं पार्थिव रूद्राभिषेक कार्यक्रम जारी है। इस अवसर पर प्रतिदिन प्रात: 8 बजे से 10 बजे तक मूल पाठ, नित्य रूद्राभिषेक साथ ही श्रध्दालुजन स्वयं अपने हाथों से पार्थिव शिवलिंग बनाकर उसकी पूजा अर्चना कर धर्मलाभ अर्जित कर रहे है। जिसके बाद दोपहर 1 बजे से शाम 5 बजे तक श्रीधाम वृंदावन से पधारे आचार्य पंडित दिवाकर जी महाराज के द्वारा भगवान भोलेनाथ के जीवन गाथाओं पर संगीतमय प्रवचन दिया जा रहा है। जिससे पूरा ग्राम भक्तिमय हो गया है और बड़ी संख्या में श्रध्दालुजन पहुंचकर कथा श्रवण कर भगवान भोलेनाथ का आशीर्वाद प्राप्त कर रहे है। वहीं कथावाचक के द्वारा 2 फरवरी को त्रिर्पूशर वध, जालंधर, प्रदोष वृत की महिमा पर प्रवचन दिया गया एवं 3 फरवरी को द्वारश ज्योतिर्लिंग महात्मय, बेलपत्र अरचक, 4 फरवरी को शिवजी के विविध अवतारों पर प्रवचन दिया जायेगा तत्पश्चात हवन-पूजन प्रारंभ होगा, जिसके बाद महाप्रसादी का वितरण किया जायेगा। चर्चा में आयोजन समिति के पदाधिकारियों ने बताया कि सिहोराटोला में गत दिवस से श्री शिव महापुराण एवं पार्थिव रू द्राभिषेक कार्यक्रम जारी है। इस अवसर पर क्षेत्र के श्रध्दालुजन बड़ी संख्या में पहुंचकर प्रतिदिन प्रात: 8 बजे से स्वयं अपने हाथों से पार्थिव शिवलिंग निर्मित कर विधि-विधान से पूजा अर्चना कर रहे है एवं दोपहर 1 बजे से श्रीधाम वृंदावन से पधारे आचार्य पंडित दिवाकर जी महाराज अपनी ओजस्वी वाणी से भगवान भोलेनाथ की जीवन गाथाओं पर संगीतमय प्रवचन दे रहे है। जिससे सिहोराटोला में इन दिनों भक्ति की अविरल धारा बह रही है और पूरा ग्राम भक्तिमय हो गया है। आगे बताया कि इस 9 दिवसीय श्री शिव महापुराण एवं पार्थिव रूद्राभिषेक कार्यक्रम में रोजाना कथावाचक के द्वारा भगवान भोलेनाथ के जीवन का वर्णन किया जा रहा है और 4 फरवरी को हवन-पूजन एवं महाप्रसादी वितरण के साथ श्री शिव महापुराण एवं पार्थिव रूद्राभिषेक कार्यक्रम का समापन किया जायेगा। इस अवसर पर क्षेत्रीयजनों से अधिक से अधिक संख्या में पहुंचकर धर्मलाभ अर्जित करने की अपील आयोजन समिति के पदाधिकारी एवं ग्रामीणजनों ने की है।

सर्किल मरार माली समाज के नवनियुक्त पदाधिकारियों का शपथ ग्रहण समारोह संपन्न

पद्मेश न्यूज। लालबर्रा। नगर मुख्यालय से लगभग 9 किमी. दूर ग्राम पंचायत बांदरी के अंतर्गत आने वाले ग्राम बोट्टा स्थित मरार माली समाज भवन में सोमवार को नेवरगांव ला. सर्किल मरार माली समाज के नवनियुक्त पदाधिकारियों का शपथ ग्रहण समारोह कार्यक्रम संपन्न हुआ। यह कार्यक्रम समाज के पदाधिकारियों की उपस्थिति में प्रारंभ हुआ, जिसमें सर्वप्रथम उपस्थितजनों ने महात्मा ज्योतिबाराव फुले, माता सावित्रीबाई फुले के छायाचित्र के समक्ष दीप प्रज्वलित कर माल्यार्पण किया। जिसके बाद नेवरगांव ला. सर्किल मरार माली समाज के नवनियुक्त पदाधिकारियों को नये दायित्व की शपथ दिलवाई गई और उनका सम्मान किया गया। जिसके बाद 3 वर्षों का आय-व्यय पर चर्चा कर बचत राशि के साथ ही सभी दस्तावेज नवनियुक्त पदाधिकारियों को सौंपा गया। इस अवसर पर मरार माली समाज सर्किल नेवरगांव ला. के अंतर्गत आने वाले 9 ग्रामों के अध्यक्ष, सचिव एवं सदस्यगण बड़ी संख्या में उपस्थित रहे।

5 दिनों से लापता पूनम तुमाने का कोई सुराग नहीं!!

पीड़ित परिवार ने बेटी की तलाश करने एसडीओपी को सौंपा ज्ञापन

पद्मेश न्यूज। वारासिवनी।

खैरलांजी पुलिस थाना अंतर्गत ग्राम पंचायत खैरी के तुमाने परिवार के द्वारा एसडीओपी कार्यालय में ज्ञापन देकर और २ फरवरी को एसडीओपी कार्यालय पहुंच कर मामले में कार्यवाही करने की मांग कर कार्यवाही की अपडेट ली गयी। ज्ञापन में गोपीचंद पिता ब्रजलाल तुमाने ने बताया कि मैं वार्ड नंबर १३ खैरी का रहने वाला हूं मटका बनाने का काम करता हूं। मेरे गांव के संजय तीतरमारे ने मेरी लड़की पूनम तुमाने उम्र २८ वर्ष को पेशी करने के लिए वारासिवनी न्यायालय लेकर आया था। इसके पूर्व में भी वह लेकर आ चुका है शाम तक घर वापस आ जाते थे। परंतु २८ जनवरी की सुबह ११ बजे पूनम तुमाने पेशी के लिए घर से निकली थी और ४.३० बजे उसके द्वारा अज्ञात फोन नंबर से फोन कर कहा कि मुझे टाइम हो जाएगा शाम तक आऊंगी यह बात मेरी बेटी ने मेरी पत्नी गीता तुमाने से की थी। पर रात तक वह नहीं आई जिससे परेशान होकर हम संजय तीतरमारे से पूछताछ करने गए तो वह बोलता है कि पूनम मेरे साथ नहीं गई और जब वकील से पूछताछ की गई तो उन्होंने बताया कि पूनम की कोई पेशी नहीं थी। फिर हमने संजय से बोले तो वह कुछ नहीं बताया जबकि मेरी लड़की पूनम को संजय तीतरमारे के साथ जाते हुए कई लोगों ने देखे हैं और वह घर से बात कर ले गया था। हमारी मांग है कि संजय तीतरमारे के विरुद्ध उचित कार्यवाही की जाये।

पूनम तुमाने की सुरक्षा को लेकर परिजन डर में

विदित हो की गोपीचंद तुमाने की बड़ी बेटी पूनम तुमाने उम्र २८ वर्ष का विवाह पीपरवानी में हुआ था। जो विवाह के दौरान गर्भवती थी जो ससुराल में दो महीने रही जहां उसकी तबीयत बिगड़ने पर जांच करवाई गई तो वह पांच माह की गर्भवती पाई गई। जिसे तत्काल ससुराल वालों के द्वारा पूनम को उसके माँ के घर में लाकर छोड़ दिया गया। वहीं कोर्ट में केस दायर किया गया इसके बाद परिजनों के द्वारा पूनम के गर्भ में पल रहे बच्चे के बारे में पंचायत बैठाई गई। जहां पर पूनम के द्वारा अपने पड़ोसी राकेश तुमाने का नाम लिया गया और राकेश के द्वारा उसका बच्चा होने का स्वीकार भी किया गया। इसके बाद राकेश के घर में पूनम रहने लगी इस दौरान पूनम ने एक बच्चे को जन्म दिया जिसकी मौत हो गई। हालांकि इसमें पूनम के परिजनों के द्वारा राकेश और उसके परिजनों पर बच्चे की हत्या का आरोप लगाया जा रहा है। पूनम और राकेश के बीच विवाद होने लगा जिस पर यह और ज्यादा बढ़ गया तो पूनम के द्वारा थाने में घटना की रिपोर्ट दर्ज कराने चक्कर लगाए गए आखिरकार खैरलांजी थाने में मामला दर्ज हुआ। इसके बाद राकेश के परिवार में पूनम को रखने से इनकार कर दिया और उसे निकाल दिया तो वह अपने माता पिता के यहां रहने लगी। दोनों का कैसे वारासिवनी न्यायालय में विचार अधीनता था ऐसे में २८ जनवरी को पड़ोसी संजय तीतरमारे के द्वारा पूनम तुमाने को वारासिवनी न्यायालय पेशी में ले जाने की बात उसके घर में आकर बोलकर साथ में लेकर गया। परंतु उसके बाद पूनम लौट कर घर नहीं आई ऐसे में पूनम के न्यायालय में चल रहे केस और उसकी सुरक्षा को लेकर काफी डरे हुए हैं। हालांकि इसमें परिवार के द्वारा संजय तीतरमारे पर आरोप लगाया जा रहा है। घटना में खैरलांजी पुलिस के द्वारा गुम इंसान दर्ज कर जांच प्रारंभ कर दी गई है।

संजय तीतरमारे के साथ गई थी पूनम तुमाने पेशी- सोनम

सोनम तुमाने ने पद्मेश से चर्चा में बताया कि हम खैरी रहते हैं पूनम तुमाने हमारे घर की बेटी है उसका विवाह पिपरवानी में हुआ था। ५ माह के गर्भवती थी जिसे घर में लाकर छोड़ दिया गया फिर गांव की पंचायत में राकेश ने स्वीकार किया कि मेरा बच्चा है। पूनम को अपने घर में रख दो माह बाद बच्चा हुआ तो उनके परिवार में देवीलाल पुरुषोत्तम ,राकेश तुमाने और लिलीबाई के द्वारा बच्चों को मार दिया गया। चार.पांच बार खैरलांजी थाने में एफ आईआर करने के लिए गए पुलिस ने मेरी बहन को पिता के घर में रहने और मेरे पिता को उसे रखने के लिए कहा। पेशी की बात बोलकर संजय तीतरमारे हमारे घर आया कि राकेश तुमाने का जो केस चल रहा था उसमें पूनम की पेशी है। यह हमारे घर वालों को बताकर २८ जनवरी को पूनम को लेकर गया पूर्व में भी वह ले जाता रहा है इसलिए किसी ने कोई संकोच नहीं किया। पूनम ने एक अंकल के फोन से ४.३० बजे फोन कि वह अर्जुन के पास ग्राम परसवाड़ा में महाराष्ट्र में है शाम ७ तक आ जायेगी। परंतु २८ जनवरी के बाद से उसका कोई पता नहीं है संजय तीतरमारे से पूछे तो वह भी कुछ स्पष्ट नहीं बता रहा पुलिस पूछताछ कर रही है। परंतु हमें डर लगा हुआ है हम यही चाहते हैं कि संजय तीतरमारे जैसा हमारी बेटी ले गया है वैसा लाकर दे या वह मारी है या जिंदा है यह भी बता दें।

इनका कहना है

दूरभाष पर चर्चा में बताया कि पूनम तुमाने गायब है जिसके लिए परिजनों की शिकायत पर गुम इंसान कायम कर लिया गया है। परिजनों ने संजय तीतरमारे के साथ पूनम का जाना बताया गया है जिस पर संबंधित व्यक्ति से पूछताछ की जा रही है। मामला जांच में है जो भी निष्कर्ष निकलेगा उस पर विधिवत्त आगे कार्यवाही की जाएगी।

सतीश कुमार
आर्मो सहायक उपनिरीक्षक थाना खैरलांजी

मानव का जन्म ही धर्म की शुरूवात के साथ होता है- जालमसिंह पटेल

श्रीमद भागवतकथा में व्यासपीठ महाराजश्री का प्रदीप जायसवाल ने लिया आर्शीवाद

पद्मेश न्यूज। वारासिवनी। खैरलांजी जनपद पंचायत अंतर्गत ग्राम सावरी में श्रीमद भागवत कथा ज्ञानयज्ञ और कीर्तिशेष मणिनागेन्द्र सिंह पटेल उर्फ मोनू की प्रतिमा अनावरण कार्यक्रम में पूर्व केबिनेट मंत्री प्रदीप जायसवाल, पूर्व राज्य मंत्री जालम सिंह पटेल नरसिंहपुर शामिल हुये। इस दौरान हजारो भक्तो के समुदाय के बीच आयोजन समिति व ग्राम पंचायत के प्रतिनिधियों ने उनका स्वागत भी किया। प्रतिमा अनावरण के बाद अतिथियों के रैली निकालकर ग्राम भ्रमण के पश्चात भागवत कथा स्थल पर लाया गया। जंहा व्यासपीठ को नमन कर अतिथीयों ने महाराजश्री का आर्शीवाद भी प्राप्त किया। पूर्व राज्य मंत्री जालम सिंह पटेल ने कहा की आज विश्व के पटल पर जो भी देश कमजोर या ग्रहयुद्ध जैसी स्थिति से संघर्ष करते हुये नजर आ रहे है। उसके पीछे उन देशो में धर्म के प्रभाव की कमी को माना जा रहा है। आज हमारा देश धर्म के प्रभाव की ताकत के कारण शनै शनै विश्वगुरू बनने की राह पर तेजी से कदम बडा रहा है। आज ग्रामीण क्षेत्र में भक्तो की इतनी संख्या देखकर विश्वास हो गया की धर्म की यही ताकत प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी के नेतृत्व में देश को विकसीत राष्ट्र की कतार में अग्रणी रूप से शामिल अवश्य करेगी। उन्होने यह भी कहा की मानव का जन्म ही धर्म की शुरूवात के साथ होता है। पूर्व मंत्री प्रदीप जायसवाल ने कहा की कीर्तिशेष मणिनागेन्द्र सिंह पटेल उर्फ मोनू ने नरसिंहपुर ही नही अपितू बालाघाट जिले में भी सेवामयी कार्यो के कारण एक विशेष पहचान बनायी थी। उनके विचार व आदर्शो की चर्चा आज भी पुरे वारासिवनी क्षेत्र में प्रमुखता से होती है। साथ ही उनके पहचान की खुबसुरती ही यह है की आज ग्रामीण क्षेत्र सावरी में उनकी प्रतिमा का लोकार्पण किया जा रहा है। श्री जायसवाल ने कहा की जिस तरह मोबाईल को उसके अंदर की सीम संचालित करती है। उसी तरह हमारे शरीर को हमारी आत्मा संचालित करती है। अत हमे आत्मा को पूर्ण रूपेण ईश्वर की आराधना में लगाये रखना है। जिससे हमारे जीवन में सदैव अच्छा ही होते हुये सभी देखेगें। इस दौरान सरपंच श्रीमती दिपीका दमाहे, आलोक लोधी ,रूस्तम दमाहे,राकेश बनोटे , विनय सुराना, जितेन्द्र चित्रीव, मोहनलाल बनोटे,शिव प्रसाद शर्मा सहित अन्य लोग मौजूद रहे।

समरस समाज की दिशा में संत रविदास के विचार आज भी मार्गदर्शक - गौरव सिंह

श्रद्धा और सम्मान के साथ मनाई गई संत रविदास की ६४९ वीं जयंती

पद्मेश न्यूज। वारासिवनी। सद्गुरु संत रविदास महाराज की ६४९ वीं जयंती के पावन अवसर पर

नगर में आयोजित कार्यक्रम आस्था, सामाजिक एकता और सौहार्द के वातावरण में संपन्न हुआ। इस अवसर पर विधायक गौरव सिंह पारधी ने कार्यक्रम में सहभागिता कर संत रविदास महाराज को श्रद्धापूर्वक नमन किया और उनके आदर्शों को आत्मसात करने का आह्वान किया। विधायक गौरव सिंह पारधी ने कहा कि संत रविदास महाराज के कथन आज भी समाज को सही दिशा दिखाने वाले हैं। उन्होंने कहा कि भक्ति मार्ग पर चलकर मनुष्य अपने जीवन के लक्ष्यों को प्राप्त कर सकता है। संत रविदास ने समानता और मानवता का जो संदेश दिया वह आज के समय में और भी अधिक प्रासंगिक है। उन्होंने आह्वान किया कि हम सभी आपसी समरसता को बढ़ाएं, भेदभाव को समाप्त करें और एक प्रगतिशील तथा सशक्त समाज के निर्माण में अपनी भूमिका निभाए। इस दौरान जनपद पंचायत अध्यक्ष श्रीमती कविता अरविंद देशमुख, नगर पालिका सीएमओ राधेश्याम चौधरी, शंकरलाल टाडेकर, मुलकराज आनंद, श्रीमती धरमकला कामराज देशमुख, अमीरचंद छिपेश्वर,जी एल टाडेकर, राजकुमार तरवरे, हरिलाल खरोले, संजय टाडेकर, सुंदरलाल बिन्झाडे, भैयालाल मोहबे, किशनलाल भोण्डेकर, लालदास बोरकर , राधेश्याम कनोजे उपस्थित रहे।

राजा भोज महाविद्यालय कटंगी में वार्षिक स्नेह सम्मेलन संपन्न

छात्र छात्राओं के द्वारा दी गई रंगारंग कार्यक्रम की प्रस्तुति

पद्मेश न्यूज। वारासिवनी। विधानसभा कटंगी नगर के राजा भोज महाविद्यालय में स्नेह सम्मेलन का कार्यक्रम संपन्न हुआ। कार्यक्रम के मुख्य अतिथि विधायक गौरव पारधी, विशिष्ट अतिथि में पुलिस एसडीओपी विवेक कुमार शर्मा, वरूण देशमुख,सुरेश ठाकुर, प्रफुल्ल बिसेन ,योगेश सोनवाने, मनीष चौकसे, प्रकाश सोनवाने, सुनील नागोसे,हिना मानकर, टिकल बाघमारे,वैभव गुप्ता, संकेत तिवारी,तिलक चौकसे, संदीप शर्मा, अमजद खान, देवानन्द मेश्राम, पीयूष दिक्षित, संजय अग्रवाल,सुभाष नदी, आशीष पांडे उपस्थित रहे। सभी के द्वारा सर्वप्रथम मां सरस्वती की पूजा अर्चना की गई फिर महाविद्यालय की छात्राओं के द्वारा अतिथियों के स्वागत में स्वागत गीत प्रस्तुत किया गया। सरस्वती वंदना के साथ कार्यक्रम की शुरुआत हुई महाविद्यालय परिवार के द्वारा अतिथियों का किया गया स्वागत। विधायक गौरव पारधी ने कहा कि महाविद्यालय के विकास के लिए मैं हर समय तैयार हूं। उन्होंने विद्यार्थियों से कहा आपके विद्यालय में एक शिकायत पेटी है जिसकी चाबी मेरे पास है आपको कोई शिकायत हो तो उसमें डालें शिकायत महाविद्यालय से संबंधित हो या फिर क्षेत्र से या आपको कुछ इच्छा हो मेरे से तो मैं हर समय आपकी मदद करूंगा । आगे भविष्य में महाविद्यालय में बहुत से काम करने हैं बात की जाए तो साइकिल स्टैंड का भी निर्माण हो रहा है। जल्द ही कैंटीन भी शुरू होने वाली है और हम बस स्टैंड से २ किलोमीटर महाविद्यालय पहुंचने वाले छात्र.छात्राओं के लिए जल्द ही इलेक्ट्रॉनिक बस की भी व्यवस्था करने वाले है। उन्होंने छात्र छात्राओं को परीक्षा की अच्छी तैयारी कर उज्जवल भविष्य की शुभकामनाएं दी वही सफल कार्यक्रम के लिए प्रबंधन और पूरी टीम को बधाई दी। महाविद्यालय के प्राचार्य अनिल शेडे ने बताया कि यहां तीन दिवसी कार्यक्रम का आयोजन किया गया। २९ जनवरी को कार्यक्रम का आयोजन शुरू किया गया विभिन्न प्रतियोगिता हुई आनंद मेला लगाया गया। ३० जनवरी को निबंध प्रतियोगिता का आयोजन किया गया और आज ३१ जनवरी को वार्षिक सम्मेलन का आयोजन किया गया है। उन्होंने कहा कि क्षेत्र के विधायक गौरव पारधी हमारे महाविद्यालय के जनभागी दारी अध्यक्ष भी है। उनके लगातार प्रयास से हमारे महाविद्यालय का विकास हो रहा है हमारे महाविद्यालय के छात्र.छात्राओं के द्वारा जिला संभाग और प्रदेश स्तर पर महाविद्यालय और कटंगी क्षेत्र का नाम रोशन किया गया है। वार्षिक उत्सव सम्मेलन के दौरान साल भर विभिन्न गतिविधियों में भाग लेने वाले महाविद्यालय का नाम रोशन करने वाले चाहे खेलकूद हो सांस्कृतिक कार्यक्रम हो या पढ़ाई का क्षेत्र सभी को कार्यक्रम में उपस्थित क्षेत्र की विधायक और अन्य अतिथियों के द्वारा प्रमाण पत्र और शील्ड देकर सम्मानित किया गया। वहीं प्राचार्य ने बताया कि प्रतिवर्ष क्षेत्र के विधायक पारधी के द्वारा परीक्षा में अच्छे अंक लाने वाले छात्र छात्राओं को नगदी राशि देकर पुरस्कार किया जाता है जो कार्यक्रम भी आज संपन्न हुआ।

ऑल इंडिया देवधर ट्रॉफी में जबलपुर और बिलासपुर सेमीफाइनल में

पद्मेश न्यूज।वारासिवनी। देवधर मैदान पर जारी ऑल इंडिया देवधर ट्रॉफी २०२६ क्रिकेट फेस्टिवल के तीसरे दिन क्रिकेट का रोमांच अपने चरम पर रहा। इस दौरान पूर्व राज्यमंत्री जालम सिंह पटेल का आगमन हुआ। आयोजन समिति के मार्गदर्शक पूर्व मंत्री प्रदीप जायसवाल ने उनका आत्मीय स्वागत किया और खिलाड़ियों से परिचय कराया। खेल के उच्च स्तर और व्यवस्थाओं से प्रभावित होकर श्री पटेल ने आगामी १२ फरवरी को होने वाले मेगा फाइनल में आने वाले अंतरराष्ट्रीय खिलाड़ी के सस्पेंस पर भी चर्चा की । दुसरे मैच के अतिथि नगर पालिका अध्यक्ष श्रीमती सरिता मनोज दांदरे ,श्रीमती रितु खरे, श्रीमती ललिता ठाकरे, मनोज दांदरे नपा प्रतिनिधि, प्रवीण डोंगरे,पवन धुर्वे,पूर्व नपा अध्यक्ष स्मिता जायसवाल, रितु अग्रवाल, रेखा गोखले शामिल रहे। आयोजन समिति ने सभी का पुष्पहार से स्वागत किया जिसके पश्चात राष्ट्रगान और टॉस के साथ मैच का विधिवत शुभारंभ हुआ। क्वार्टर फाइनल के पहले मुकाबले में जेपी जबलपुर ने एमसीए सफारी सिवनी को ९७ रनों के भारी अंतर से शिकस्त दी। बल्लेबाज जबलपुर ने टॉस जीतकर पहले बैटिंग की। मोहित शुक्ला ने मैदान के चारों ओर चौकों छक्कों की बारिश करते हुए मात्र ५३ गेंदों में ८० रन ८ चौके, ३ छक्के बनाए। कप्तान निखिल नामदेव ने भी ३६ रनों का योगदान दिया जिससे स्कोर १८.६ तक पहुँचा। गेंदबाजी १८१ रनों के लक्ष्य के सामने सिवनी की टीम ताश के पत्तों की तरह ढह गई। जयंत अवस्थी ने घातक गेंदबाजी करते हुए ४ ओवर में मात्र १४ रन देकर ५ विकेट झटके पूरी टीम ८३ रनों पर सिमट गई। दूसरे प्री.क्वार्टर फाइनल मैच में बिलासपुर ने राजस्थान इलेवन पर एक तरफा जीत दर्ज की। राजस्थान की पारी बिलासपुर के गेंदबाजों के सामने राजस्थान की पूरी टीम १४.३ ओवर में मात्र ७२ रनों पर ढेर हो गई। सुशांत गोंडकर २३ रन के अलावा कोई टिक नहीं सका। अतुल शर्मा, मोहित राउत और मोहम्मद इरफान ने धारदार गेंदबाजी की। बिलासपुर का पलटवार लक्ष्य का पीछा करने उतरी बिलासपुर की ओर से जयंत कैवर्त ने तूफानी पारी खेली। उन्होंने मात्र १४ गेंदों में ६ छक्कों की मदद से नाबाद ४२ रन बनाकर मैच को महज ७.३ ओवर में ही समाप्त कर दिया। कप्तान मोहित राउत १७ रन बनाकर नाबाद रहे। प्रथम मैच में मैन ऑफ द मैच मोहित शुक्ला को ५३ गेंद पर ८० रन एवं एक विकेट लेने पर दिया गया। द्वितीय मैच में मैन ऑफ द मैच मोहित राउत को १७ रन एवं दो विकेट लेने पर दिया गया।

फुले आंबेडकर जयंती समारोह समिति का हुआ गठन

पद्मेश न्यूज। वारासिवनी। नगर के वार्ड नंबर १ स्थित तक्षशिला वाचनालय में १ फरवरी को फुले आंबेडकर जयंती समारोह समिति की बैठक का आयोजन किया गया। यह बैठक समाज के गणमान्य लोगों की

उपस्थिति में प्रारंभ की गई। जिसमें सर्वप्रथम उपस्थित जनों के द्वारा महात्मा ज्योतिबा राव फुले एवं डॉ बाबासाहेब आंबेडकर के छायाचित्र के समक्ष मोमबत्ती प्रज्वलित कर प्रारंभ किया गया। तत्पश्चात् महात्मा ज्योतिबा राव फुले एवं डॉ बाबासाहेब आंबेडकर सार्वजनिक जयंती समारोह समिति २०२६ का पुनर्गठन सहित आगामी समय में होने वाले कार्यक्रम एवं सामाजिक बिंदुओं पर विस्तार पूर्वक चर्चा की गई। इस दौरान कार्यकारिणी का सर्वसम्मति से गठन किया गया। जिसमें संयोजक आर के बंसोड, अध्यक्ष अभिराज मेश्राम, उपाध्यक्ष अर्चना खोब्रागड़े ,हार्दिक चोरे ,ममता बोरेकर ,दिलीप मेश्राम ,सचिव राहुल गजभिए, सहसचिव रत्नशील विद्रोही ,नरेंद्र दरवाडे ,आनंद डोंगरे ,कोषाध्यक्ष मुन्ना उके ,सहकोषाध्यक्ष निर्दोष टेंभुरने ,देवीका रामटेके ,श्यामा बोरकर ,मीडिया प्रभारी अनुभव उके ,प्रयास मेश्राम ,शशांक डोंगरे ,प्रतीक मेश्राम, अरविंद सेलारे ,कार्यकारिणी सदस्य अधि. मनोज बंसोड , अशोक वासनिक , विजय कठाने ,सचिन बंसोड सहित सामान्य सदस्य सलाहकार समिति सदस्यों का सर्वसम्मति से चयन किया गया। जहां वर्ष भर होने वाले विभिन्न कार्यक्रम सहित १४ अप्रैल के कार्यक्रम पर विस्तार पूर्वक चर्चा की गई साथ ही अन्य विषयों पर भी चर्चा की गई।

आवश्यकता है
वारासिवनी कार्यालय में केबल में कार्य हेतु लड़कों की आवश्यकता है
स्थानीय या आसपास रहने वालों को प्राथमिकता
- संपर्क करें -
पद्मेश सिटी केबल
बस स्टेण्ड, वारासिवनी

बालाघाट एक्सप्रेस

संपादकीय

सत्य एक व्रत की तरह है

सत्यमेव व्रतं यस्य दया दीनेषु सर्वदा।
कामक्रोधौ वशे यस्य स साधुः - कथ्यते बुधैः।।

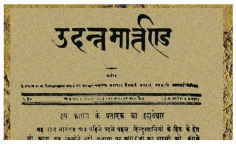

सूचना पर पहरा : कहीं मक़सद अधूरा रह ना जाए

सूचना का अधिकार (आरटीआइ) कानून ने देश में लोकतंत्र की नींव को और मजबूत किया है। इसका मुख्य उद्देश्य शासन के कामकाज में पारदर्शिता लाना और जवाबदेही तय करना है। यह देश के नागरिकों को अधिकार देता है कि वे सरकारी तंत्र और उसके कार्यों की जानकारी हासिल कर सकते हैं। यानी यह कानून सरकार और जनता के बीच सूचना के सेतु के रूप में काम करता है और परस्पर भरोसे का निर्माण करता है। भ्रष्टाचार पर अंकुश लगाने और दोषियों को कानून के कठघरे में लाने की प्रक्रिया में भी इसकी महती भूमिका है। स्वस्थ लोकतांत्रिक व्यवस्था के लिए जरूरी इन विशेषताओं में अगर कमी या कटौती की जाती है, तो निश्चित तौर पर यह कानून कमजोर होगा। यह मसला इसलिए चर्चा का विषय बन गया है, क्योंकि संसद में हाल में पेश की गई आर्थिक समीक्षा रपट में आरटीआइ कानून का फिर से अध्ययन करने की वकालत की गई है। तर्क दिए गए है कि इस कानून में कुछ ऐसे प्रावधान किए जाने की जरूरत महसूस की जा रही है, ताकि गोपनीय रपट और मसविदों को सार्वजनिक किए जाने से छूट प्राप्त की जा सके।

गौरतलब है कि लंबे समय से सूचना के अधिकार की मांग के मद्देनजर वर्ष 2005 इससे संबंधित कानून को लागू किया गया था। इसके तहत देश का हर नागरिक सरकारी विभाग और संस्थाओं से उनके कामकाज, योजनाओं एवं उनके प्रभाव, वित्तीय स्थिति तथा नियमों आदि की जानकारी मांग सकता है। संबंधित अधिकारी तय समय के भीतर यह सूचना उपलब्ध कराने के लिए बाध्य होते हैं। मगर समय के साथ सरकारी तंत्र की उदासीनता, लापरवाही और निहित स्वार्थों के कारण जानकारी छिपाने के प्रयासों से इस कानून की प्रभावशीलता में कमी देखी गई है, जो चिंता का विषय है। ऐसे में आर्थिक समीक्षा रपट में सूचना के अधिकारों का फिर से अध्ययन करने और कुछ मामलों में छूट हासिल करने की वकालत ने चिंता के स्तर को और बढ़ा दिया है। एक तरफ सरकार जब अपने कामकाज में %पारदर्शिता लाने% और भ्रष्टाचार को लेकर %कतई बर्दाश्त नहीं करने% की नीति अपनाने पर जोर देती हो और दूसरी तरफ सूचना के अधिकारों को सीमित करने का प्रयास किया जाए, तो यह नीति और नीयत के बीच विरोधाभास पैदा करता है।

आर्थिक समीक्षा में यह भी उल्लेख किया गया है कि आरटीआइ अधिनियम का मकसद कभी भी इसे व्यर्थ की जिज्ञासा का जरिया बनाने का नहीं था, न ही इसका उद्देश्य बाहर बैठकर सरकार के हर छोटे-छोटे काम में दखल देना न्या उसे नियंत्रित करना था। यह बात सही है कि बिना कारण या सरकार के कामकाज में किसी सुनियोजित तरीके से बाधा उत्पन्न करने के लिए इस कानून का सहारा लेना उचित नहीं है। मगर सवाल यह है कि इस तरह आरटीआइ कानून का दुरुपयोग करने वालों की तादाद कितनी होगी? जाहिर है, इसमें कुछ खास वर्ग के चंद लोग ही शामिल होंगे, पर क्या उन पर अंकुश लगाने के लिए सभी नागरिकों के सूचना के अधिकार को सीमित किया जाना चाहिए? इस कानून में पहले से ऐसे कई प्रावधान मौजूद हैं, जिनके तहत राष्ट्रीय सुरक्षा, संप्रभुता, जांच प्रक्रिया और व्यक्तिगत गोपनीयता समेत अन्य संवेदनशील मसलों की जानकारी सार्वजनिक नहीं की जा सकती। अब अगर सूचना को रोकने के और प्रावधान किए जाते हैं, तो इससे यह कानून वास्तव में कमजोर होगा और इसका मकसद भी अधूरा ही रह जाएगा।

ऑनलाइन युग में भोजन और भूख

-मुकेश जोशी

अब जोमैटो-स्विगी का जमाना है, लेकिन लाखों लोगों के सामने 'दो जून की रोटी' का संकट अब भी वैसा ही है। एक तरफ टनों अनाज सड़ता रहता है तो दूसरी ओर सैकड़ों लोग जूठन खाते दिखाई देते हैं। यह हमारी खाद्य संस्कृति का कमाल है।

हम भारतीय और मामलों में भले ही कितने भी पीछे हों, पर खाने-पीने में सबसे आगे रहते हैं। यकीन न हो तो किसी शादी समारोह में जाकर देख लें। पहले देवी-देवताओं को 56 भोग लगते थे। आजकल के भव्य विवाह समारोहों में 56 पकवान तो मध्यमवर्गीय आयोजक भी बनवा लेते हैं, बड़े लोग तो पकवानों का सैकड़ा सजाकर आमंत्रितों को मुंह चिढ़ाते हुए उनमें हीनभावना-सी भर देते हैं। एक बहुत बड़े उद्योगपति के यहां शादी के आत्मीय निमंत्रण पर जाना हुआ। चूंकि रईस के यहां जाना था तो अपनी एकमात्र शादी का इकलौता सूट ठंसा कर अपन वहां पहुंच गए।

वहां आम परिवारों जैसी कोई भीड़ या धक्का-मुक्की नहीं हो रही थी। हर आइटम के स्टॉल पर तरह-तरह की किस्में थीं जूस के स्टॉल पर 25 तरह के पेय, बेकरी के स्टॉल पर 25 तरह के केक, पेस्ट्री, बिस्किट, जेली, 25 प्रकार के मिष्ठान और नमकीन, 10 तरह के मॉकटेल, 10 तरह की रोटियां, 10 प्रकार की पूरियां-पराठें। क्या-क्या खाएं? देश में लाखों लोग हैं, जिनके सामने %दो जून की रोटी% का संकट रहता है। वहीं %भरे पेट के लोगों% के सामने क्या खाएं, क्या न खाएं का संकट है।

जूस मॉकटेल के काउंटर खाली देखकर टेंशन हुई कि क्या हो गया, लोग नजर नहीं आ रहे। पूछा तो पता चला कि पीछे कॉकटेल स्टॉल पर शौकीनों का जमावड़ा लगा हुआ है। मुफ्त में महंगे-महंगे विदेशी ब्रांड की मिल रही हो तो जो अपने पैसे से पैग पीते थे, वे भी हाफ से नीचे उतर नहीं रहे थे। जाहिर है, %हींग लगे न फिटकरी रंग चोखा% चढ़ रहा था। अगले दिन जब अपने जैसे ही कुछ मित्रों को शादी की भव्यता और %पकवानों की ऊंची दुकान% के बारे में बताया तो बदले में उनके हाव- भाव से लगा कि %अंगूर खट्टे हैं%। शादी-ब्याह में रोटी के तंदूर के सामने अपनी प्लेट ऊंची कर रोटी- रोटी की गुहार लगाते बीसियों लोग %एक अनार (रोटी), सौ बीमार%। कहा भी जाता है- %जैसा खाए अन्न, वैसा होय मन%। अब बड़े शहरों में कहां अन्न और कैसा मन। पहले तो गृहस्थ गेहूं भरते थे, महिलाएं साफ करके दवाओं के साथ इन्हें टंकी में भर देती थीं, फिर हफ्ता 10 दिन में टंकी से कनस्तर में गेहूं भर देती थीं कि जाओ, आटा पिसाकर लाओ। पिसते बेचारे गेहूं थे, लेकिन तब से पिस अब भी आटा ही रहा है। अब न घरों में टंकी होती है, न गेहूं। बेटे सीधे आटा ही मंगवा लेते हैं और उससे अगली पीढ़ी ने तो गेहूं भी नहीं देखे। मोदी जी ने अन्न को भले ही %श्रीअन्न% बोल बोल कर कभी गरीबों के मोटे अनाज ज्वार, बाजरा और मक्का के भाव बढ़वा दिए हों, पर सबसे ज्यादा रोटी तो आज भी गेहूं के आटे की ही खाई जाती है। भले ही %गेहूं के साथ घुन पिसे तो पिसे।%

हालांकि आज की पीढ़ी के लिए अब जोमैटो-स्विगी का जमाना है। वह कोई साग-भाजी और रोटी तो मंगाती नहीं। पिज्जा, नूडल्स, मंचूरियन सहित कई नामालूम लेबनीज, थाई, इटालियन फूड सीधे ऑर्डर करो और थोड़ी देर में लंच, डिनर, ब्रेकफास्ट के रूप में आपके द्वार पर। इसमें भी डिलीवरी बॉय गड़बड़ी कर देते हैं। इधर का उधर हो जाता है तो भक्ष्य वाले के यहां अभक्ष्य डिलीवर हुआ, तो जो पुराना खाया-पीया है, वो भी बाहर आ जाता है। मेरी वयोवृद्ध मां नूडल्स और पिज्जा देखकर राम-राम करतीं और बच्चों को बोलतीं भी कि तुम लोग इतनी सुगली चीज कैसे खा लेते हो रे, तो बच्चे उनको भी बोल देते- %दादी जी, बंदर क्या जाने अदरक का स्वाद%। दादी जी लाड़ में बच्चों की बात का बुरा तो नहीं मानतीं, पर नाशपिटे टाइप की 2-4 हल्की-फुल्की गालियां देकर मन का बोझ हल्का कर लेतीं। कभी दिल्ली के सुल्तान रहे जैसे नेताओं ने देश को मुफ्तखोरी के खतरनाक रास्ते पर डाल दिया। उनको कौन-सा अपने शीशमहल में से देना था। वे तो हमारे टैक्स के पैसों से आत्मकल्याण में लए हुए थे। अच्छा हुआ कि वे जमीन पर आ गए। %खरबूजे को देखकर खरबूजा रंग बदलता% की तर्ज पर कई राज्य भी %मुफ्त की रेवड़ी अंधों की तरह बांटने% निकल पड़े तो लोक कल्याण मार्ग वाले बाबा जी भी वोट के चक्कर में 80 करोड़ लोगों के लिए धर्मादा खाता या सदाव्रत आश्रम खोलकर बैठ गए, जो यह 80 करोड़ की मक्कार नस्ल देश को भीतर से घुन की तरह खा रही है। जब 'मुफ्त की मिले खाने को तो कौन जाए कमाने को' ये मजे में 'असत खाओ, मसत पड़े

रहों' के फॉर्मूले पर आनंद कर रहे हैं। भले ही देश का 'गरीबी में आटा गीला' हो तो हो, इधर बाकी 60 करोड़ लोगों का टैक्स भर-भर कर 'दिमाग का दही' हुआ जा रहा है, चाहे मुफ्तखोरों की 'दसों उंगलिया घी में' हों। इससे देश का आर्थिक विकास चाहे 'गुड़ गोबर हुआ जा रहा हो' इनके ठेंगे से। इन मुफ्तखोरों को 'आटे- दाल का भाव थोड़े ही पता चलता।' मुफ्तखोरी की हर योजना जैसे ही आती है, इनके 'मन में लड्डू फूटने लगते हैं'।

बाकी 60-65 करोड़ लोगों जिन्हें हाड़-तोड़ मेहनत करके अपना पेट भरना है, यदि सरकारों से अपने हक की कोई मांग करते हैं तो सरकारें आश्वासनों/वादों की 'बीरबल की खिचड़ी' परोस देती हैं। बेचारा मध्यम वर्गीय आम आदमी, जिसके लिए न 'आम के आम हैं, न गुठली के दाम', वह तो बेचारा इतना 'अकेला चना है कि भाड़ भी नहीं फोड़ सकता'।

यही हमारी अजब-गजब खाद्य संस्कृति है, जिसमें एक तरफ तो टनों अनाज सड़ता रहता है। 56 पकवान जूठन में फेंक दिए जाते हैं, वहीं सैकड़ों लोग स्टेशनों पर जूठन चाटते देखे जा सकते हैं। इसीलिए पुराने लोग कह गए हैं- 'लिया-दिया संग चलेगा, खाया-पीया अंग लगेगा, बाकी बचा तो जंग लगेगा', तो यारो, खाओ-पीओ और मौज करो।

दूसरा पहलू

सदियों पहले जिस शंख लिपि में भविष्य के लिए संकेत छोड़े गए थे, अफसोस उसे आज तक पढ़ा ही न जा सका।

सदियां लग गईं, लेकिन सोन भंडार का रहस्य नहीं सुलझा

कैसा हो, अगर कोई आपको पत्र लिखे और उसे आप पढ़ ही न सकें! कुछ ऐसा ही शंख लिपि के साथ हुआ। सिंधु घाटी सभ्यता की लिपि भी इतिहासकार पढ़ नहीं सके। हम बस अंदाजा लगाते हैं कि वह सभ्यता शहरी थी और शायद जल प्लावन की वजह से नष्ट हो गई। यहां बात शंख लिपि की हो रही है। यह प्राचीन लिपि भी पढ़ी नहीं जा सकी। शंख लिपि के अवशेष भारत ही नहीं, बल्कि इंडोनेशिया, जावा से बोर्नियो तक मिलते हैं।

वह अप्रैल की बेहद गर्म दोपहर थी, जब बिहार के नालंदा जिले में स्थित पर्यटन स्थल राजगीर में चट्टानों पर अंकित शंख जैसे आकार वाले अक्षरों की इस लिपि को पहली बार देखने का मौका मिला। कभी मगध की राजधानी रहे राजगृह (अपभ्रंश राजगीर) में महाबोधि स्तूप जाते हुए सोन भंडार और जरासंध का अखाड़ा, दो जगहें ऐसी हैं, जहां आप शंख के आकार के अक्षरों वाली इस लिपि से बावस्ता हो सकते हैं। सोन भंडार की कहानी तो बड़ी रोचक है, उदयगिरी पर्वत में स्थित यह गुफा चौथी शताब्दी ईसा पूर्व की मानी जाती है। जैन संत इनमें तपस्या करते थे।

महाबोधि स्तूप जाते हुए सोन भंडार और जरासंध का अखाड़ा, दो जगहें ऐसी हैं, जहां आप शंख के आकार के अक्षरों वाली इस लिपि से बावस्ता हो सकते हैं।

गाइड सुरेश मांझी बताते हैं कि यहां भगवान बुद्ध ने मगध के सम्राट बिंबिसार को धर्मोपदेश दिया था। बिंबिसार ने विशाल पहाड़ काटकर अपना खजाना छिपाने के लिए इन गुफाओं का निर्माण कराया था। इसीलिए इसे सोन भंडार के नाम से जाना जाता है। मुख्य गुफा के पास शंख लिपि में कुछ लिखा है, जिसे पढ़ा नहीं जा सका। कहा जाता है यह खजाने की कुंजी यानी पासवर्ड है। बिहार पर्यटन विभाग की साइट पर यही लिखा है, %मान्यता के अनुसार, जो शंख लिपि को पढ़ लेगा, वह खजाना पा लेगा।% कुछ लोग मानते हैं कि खजाने तक पहुंचने का रास्ता वैभवगिरी पर्वत सागर से होकर सप्तपर्णी गुफाओं तक जाता है। यहीं पर शंख लिपि का दूसरा केंद्र, जरासंध का अखाड़ा है। महाभारत में कथा है कि जरासंध ने 99 राजाओं को कुश्ती में पराजित कर बंदी बना लिया था। भीम ने मल्लयुद्ध कर जरासंध को हराया था। अखाड़े जैसी इस चट्टानी धरा पर पैर, रथ, चक्र के निशान हैं, तो शंख लिपि में भी कुछ लिखा है। अमेरिका की वाशिंगटन यूनिर्सिटी में प्राच्य भाषाओं के प्रोफेसर रिचर्ड सोलोमन कहते हैं कि शंख लिपि का जन्म ब्राह्मी से हुआ। बीएन मुखर्जी इसे लिपि की जगह हस्ताक्षर का एक तरीका मानते हैं। नवीं शताब्दी तक इसका कहीं-कहीं इस्तेमाल दिखता है। कश्मीर के अखनूर व भदरवाह में चौथी से सातवीं सदी तक इस लिपि के इस्तेमाल के प्रमाण मिलते हैं। धीरे-धीरे इसका इस्तेमाल कम हो गया और भावी पीढ़ियों को दिया जाने वाला ज्ञान व संदेश भी लुप्त हो गया और... सोन भंडार का रहस्य अनसुलझा ही रह गया।

अमेरिका की वाशिंगटन यूनिवर्सिटी में प्राच्य भाषाओं के प्रोफेसर रिचर्ड सोलोमन कहते हैं कि शंख लिपि का जन्म ब्राह्मी से हुआ। बीएन मुखर्जी इसे लिपि की जगह हस्ताक्षर का एक तरीका मानते हैं।

-भूपेंद्र कुमार

तिब्बत की कहानी, दलाई लामा की जुबानी

आज दलाई लामा के जन्म दिवस पर उनकी कुछ क्र महीनों पहले प्रकाशित यह चर्चित किताब पढ़ना एक सुखद अनुभव है, जिसमें उन्होंने अपने निधन के बाद भी तिब्बती बौद्धों के आध्यात्मिक प्रमुख की छह सौ वर्ष पुरानी संस्था के जारी रहने और उत्तराधिकारी के चयन में चीन की कोई भूमिका न होने की बात कही है।

इस अनूठी पुस्तक में दलाई लामा ने अपने - व्यक्तिगत, आध्यात्मिक और ऐतिहासिक विचार तो प्रस्तुत किए ही हैं, तिब्बत और तिब्बती लोगों को बचाने के लिए चीन के साथ लगभग पचहत्तर वर्षों तक चले अपने संघर्ष की पूरी कहानी बताई है। दलाई लामा को अपने पूरे जीवन में पीपुल्स रिपब्लिक ऑफ चाइना के साथ संघर्ष करना पड़ा है।

1950 में जब साम्यवादी चीन ने तिब्बत पर आक्रमण किया था, तब उनकी आयु सोलह वर्ष थी, बीजिंग में चेयरमैन माओ से उनकी पहली मुलाकात मात्र उन्नीस वर्ष की उम्र में हुई थी, और जब वह वहां से भागकर भारत में निर्वासित जीवन जीने के लिए बाध्य हुए, तो उनकी आयु पच्चीस वर्ष थी। इसके बाद के दशकों में, उन्होंने चीन के कई कम्युनिस्ट नेताओं-माओत्से तुंग, देंग शियाओपिंग, जियांग जेमिन, हू जिंताओ और शी जिनपिंग-का सामना किया है। उन्होंने तिब्बत और वहां के लोगों, उनकी भाषा, संस्कृति, धर्म, इतिहास और पर्यावरण की रक्षा करने के लिए तमाम बाधाओं के बावजूद हर संभव प्रयास किए। इस पुस्तक के जरिये दलाई

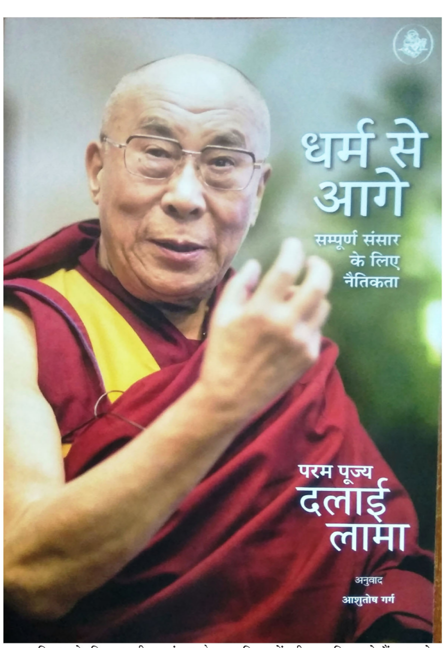

लामा विश्व को तिब्बत की स्वतंत्रता के अनसुलझे संघर्ष तथा अपने ही देश में तिब्बती लोगों द्वारा झेली जा रही कठिनाइयों की याद दिला रहे हैं। वह क्षेत्र की भू-राजनीति पर अपने विचार प्रस्तुत करते हुए बताते हैं कि किस प्रकार वे व्यक्तिगत रूप से तिब्बती लोगों के अस्तित्व को खतरे में डालने वाली भारी चुनौतियों के बीच अपनी मानवता को बचाए रखने में सक्षम रहे।

दलाई लामा कहते हैं कि आज शी जिनपिंग का शासन तिब्बत को आत्मसात करने, धार्मिक प्रथाओं को दबाने और बच्चों को मंदारिन भाषी बोर्डिंग स्कूलों में भेजने पर आमादा है। फिर भी उन्हें अब भी चीनी समाज की उथल-पुथल भरी अंतर्धाराओं में तिब्बत के लिए उम्मीद दिखती है। यह पुस्तक उनकी असाधारण जीवन यात्रा को दर्शाती है, जिसमें वह यह पता लगाते हैं कि दमनकारी शासक के हाथों अपना घर खो देने और निर्वासन में जीवन जीने का क्या अर्थ होता है। वॉयस फॉर द वॉइसलेस तिब्बती लोगों की गरिमा और स्वतंत्रता को बहाल करने के लिए चल रहे प्रयास में दलाई लामा की पौड़ा और उनकी स्थायी आशा, दोनों को साझा करती है। दलाई लामा के शब्दों की प्रतिध्वनि हमें याद दिलाती है कि इतिहास को फिर से लिखने का प्रयास करने वाले तानाशाही शासनों के सामने भी एक संस्कृति का सार साझा ज्ञान और भाषाई पहचान के माध्यम से कायम रह सकता है।

यह पुस्तक ऐतिहासिक संघर्षों और व्यक्तिगत घटनाओं के बीच कुशलतापूर्वक समन्वय स्थापित करती है। यह उन लोगों को पसंद आएगी, जो मानवाधिकार, सांस्कृतिक अध्ययन या तिब्बती मुद्दों के बारे में भावुक हैं। यह ऐसी कहानी है, जो न केवल जानकारी देने का प्रयास करती है, बल्कि सहानुभूति और समझ को भी आमंत्रित करती है।

खुला आकाश

जिंदगी में राख का ये कैसा साथ

राख जब चूल्हे, सिगड़ी या भट्टी में हो तो राख है। हवन में हो तो भभूति है, मस्तक पर हो तो भस्म है, श्मशान में हो तो राखोड़ी है और प्लांट में हो तो राखड़ है, जो ज्यादा उपयोगी होती है। मतलब यह कि हर स्थान पर राख अपना नया नाम ओढ़ लेती है तथा हर जगह उसका महत्व भी अलग-अलग है। यह कला केवल राख में ही होती है।

गुजरे कल में राख से शौच उपरांत हाथ भी धोए जाते थे। बर्तन भी मांजे जाते थे और दांत भी साफ किए जाते थे। हवन की भभूति सिर-माथे और गले पर आज भी श्रद्धा से लगाई जाती है।

हमारी भीतरी ऊर्जा को बुझाने वाली नकारात्मकता की राख भी हमारे भीतर ही उत्पन्न होती है, जो समय और समाज को तमस देती है। यदि हमें उजास की ओर जाना हो तो नकारात्मकता की राख को झाड़-झटक देना चाहिए।

श्मशान की राखोड़ी पवित्र जलाशयों या पावन नद-नदियों में ससम्मान विसर्जित की जाती है। राखड़ का उपयोग खाद के रूप में होता है। बदलते दौर में आज घर-घर एलपीजी पहुंच गई है, तो राख भी बड़े-बड़े कंज्यूमर स्टोर्स पर पैकेट में मिलने लगी है। लकड़ी-कोयले की राख मटमैली होती है। सिर्फ कोयले की राख का रंग ही सफेद होता है। यज्ञ-हवन की भस्मी गहरी मटियाई होती है। मुक्ति धाम

की राखोड़ी में छोटी-छोटी अस्थियां भी होती हैं।

आध्यात्मिक आचार्य प्रवर कहते हैं कि हमारी भीतरी ऊर्जा को बुझाने वाली नकारात्मकता की राख भी हमारे भीतर ही उत्पन्न होती है, जो समय और समाज को तमस देती है। यदि हमें उजास की ओर जाना हो तो नकारात्मकता की राख को झाड़-झटक देना चाहिए।

बहरहाल राख ने अतीत से वर्तमान तक मानव समाज से अपना अटूट रिश्ता कायम रखा है। गुजरे कल में चूल्हे की आग से बर्तन काले न हों, इसलिए उस पर पहले गीली राख का लेप किया जाता था। गरम राख में दबाकर सेके गए शकरकंद, आलू, प्याज और बाटी का स्वाद अलहदा होता है, बनिस्पत चूल्हे या सिगड़ी से।

राख से उपले या कंडे और ईंटें भी बनाई जाती हैं। राख पुष्पीय पौधों के लिए एक उत्तम खाद होती है। अनेक बड़े निर्माण कार्यों में ठोस आधार भूमि राख से ही बनाई जाती है। टूटते-बिगड़ते रिश्तों के मौजूदा समय में राख ने मनुष्य से रिश्ता कभी नहीं तोड़ा। राख हमेशा यह याद दिलाती है कि मानव देह का अंतिम सत्य राख ही है। आज भले ही हम राख के बजाय साबुन का उपयोग करते हों, फिर भी हम होते तो राख ही हैं। यद्यपि हमारा एक मात्र कभी न टूटने वाला रिश्ता है राख से तथापि हम इसे भूलते जा रहे हैं।

-राकेश राणा

चांदी तीन दिन में 1.60 लाख गिरी, सोना भी गिरकर 1.40 लाख पर आया; मुनाफा वसूली से गिर रही कीमतें

नई दिल्ली। एजेंसी। बजट पेश होने के एक दिन बाद यानी सोमवार को गोल्ड और सिल्वर मार्केट में लगातार तीसरे दिन गिरावट है। वायदा बाजार में चांदी करीब 23 हजार रुपए गिर गई। 1 किलो चांदी का भाव 2.41 लाख रुपए पर आ गया। सोने में भी करीब 7 हजार रुपए की गिरावट है। 10 ग्राम सोना 1.40 लाख रुपए पर आ गया है। कमोडिटी मार्केट में सोना-चांदी की कीमतें लगातार धड़ाम हो रही हैं। बजट के दिन रविवार को आए भूचाल के बाद सोमवार को भी एमसीएक्स पर गोल्ड-सिल्वर के भाव भर-भराकर टूटे हैं। खासतौर पर जो निवेशक चांदी की कीमतों में 4 लाख के पार निकलने से उत्साहित होकर चांदी काटने के लिए निकले थे, उनका पैसा महज 4 दिन में ही लगभग आधा रह गया है। तो दूसरी ओर सोना भी लगातार बिखरता जा रहा है।

चांदी ने मचा दी तबाही

चांदी की कीमतों में हर बीतते दिन के साथ गिरावट और भी तेज होती जा रही है। मल्टी कमोडिटी एक्सचेंज पर चांदी की कीमत देखें, तो 5 मार्च की एक्सपायरी वाली चांदी का भाव 12 प्रतिशत से ज्यादा फिसल गया। वहीं बजट वाले दिन से तुलना करें, तो रविवार को तगड़ी गिरावट के बाद 1 किलो चांदी 2,65,652 पर बंद हुआ था और सोमवार को इसमें 15 फीसदी का लोअर सर्किट लग गया। इसके बाद चांदी का भाव गिरकर 2,25,805 रुपये प्रति किलो पर आ गई। यानी एक ही दिन में ये 39,847 रुपये प्रति किलो सस्ती हो गई।

4 दिन में करीब 2 लाख सस्ती चांदी

बजट से पहले बीते गुरुवार को चांदी की रफ्तार तूफानी रही थी और पहली बार 1 किलो चांदी का वायदा भाव एमसीएक्स पर 4 लाख रुपये के पार निकला था। कमोडिटी ट्रेड खत्म होते-होते ये 4,20,048 रुपये प्रति किलो के लाइफ टाइम हाई लेवल पर जा पहुंचा था। अगर इस हाई से गिरावट का कैलकुलेशन करें, तो महज चार दिन में चांदी 1,94,243 रुपये तक सस्ती हो गई है। इस हिसाब से देखें, तो निवेशकों का पैसा करीब आधा हो गया है।

सोना भी संभल नहीं पा रहा

चांदी की कीमतों में जारी गिरावट के बीच सोना भी संभल नहीं पा रहा है और ये अपने हाई से काफी टूट चुका है। बजट वाले दिन तगड़ी गिरावट के बाद सोमवार को जब कमोडिटी मार्केट में कारोबार की शुरुआत हुई, तो ये फिर बिखरा हुआ नजर आया। बीते कारोबारी दिन रविवार को एमसीएक्स गोल्ड रेट की बात करें, तो 2 अप्रैल की एक्सपायरी वाले 24 कैरेट सोने का भाव 1,47,753 रुपये प्रति 10 ग्राम पर बंद हुआ था, जो गिरते हुए 1,38,888 रुपये पर आ गया यानी ये एक ही दिन में 8,865 रुपये सस्ता हो गया। अगर इसके हाई लेवल से ताजा गिरावट की कैलकुलेशन करें, तो बीते सप्ताह गुरुवार को चांदी के साथ ही गोल्ड प्राइस ने भी नया हाई लेवल छुआ था और ये उछलकर 1,93,096 रुपये प्रति 10 ग्राम पर पहुंच गया था। इस हाई लेवल से सोने की कीमत अब तक 54,208 रुपये तक गिर चुकी है।

बैंकिंग क्षेत्र की व्यापक समीक्षा के लिए बनेगी उच्च स्तरीय समिति

नई दिल्ली। एजेंसी। केंद्रीय बजट में बैंकिंग क्षेत्र की व्यापक समीक्षा के लिए एक उच्च स्तरीय समिति गठित करने का प्रस्ताव किया गया है। इस समिति का उद्देश्य वित्तीय स्थिरता, वित्तीय समावेशन और ग्राहक संरक्षण को बनाए रखते हुए बैंकिंग सेक्टर को भारत के विकास के अगले चरण से जोड़ना है। विशेषज्ञों का मानना है कि यह पहल बैंकिंग से जुड़े कई लंबे समय से लंबित और संवेदनशील मुद्दों पर फिर से विचार का अवसर दे सकती है। वित्त मंत्री निर्मला सीतारमण ने कहा कि समिति के कार्यक्षेत्र को तय किया जाएगा और उससे अपेक्षा है कि वह बैंकिंग सेक्टर की समग्र समीक्षा कर 2047 के लिए मजबूत योजना सुझाए। वित्तीय सेवा विभाग के अनुसार समिति वाणिज्यिक ऋण और जीडीपी के अनुपात, बैंकिंग नेटवर्क के विस्तार, जमा और ऋण से जुड़े पहलुओं जैसे मुद्दों पर विचार करेगी। सरकार सभी हितधारकों से परामर्श के बाद आगे की दिशा तय करेगी। उद्योग विशेषज्ञों का कहना है कि समिति कॉरपोरेट घरानों को बैंकिंग क्षेत्र में प्रवेश देने के मुद्दे पर पुनर्विचार कर सकती है। अब तक इस विषय पर सख्त नियमन रहा है। इसके अलावा, बड़े शेयरधारकों के वोटिंग अधिकार की मौजूदा 26 प्रतिशत सीमा, बैंकिंग प्रणाली में अधिक पूंजी निवेश और प्रतिस्पर्धा बढ़ाने जैसे मुद्दे भी चर्चा में आ सकते हैं। विशेषज्ञों के अनुसार, प्रत्यक्ष विदेशी निवेश की अनुमोदन प्रक्रिया को सरल बनाने और सीमित दायरे में काम कर रहे छोटे बैंकों के विलय से बड़े और मजबूत बैंक बनाने पर भी विचार संभव है। नियोस्ट्रैट एडवाइजर्स एलएलपी के संस्थापक अबीजर दीवानजी के अनुसार भारत को बड़े बैंकों की आवश्यकता है और इसके लिए घरेलू व विदेशी दोनों स्रोतों से पूंजी जुटाना जरूरी है।

यूपीआई और डेबिट कार्ड लेनदेन बढ़ाने 2,000 करोड़ का प्रोत्साहन आवंटित

नई दिल्ली। एजेंसी। केंद्र सरकार ने आम बजट में कम मूल्य वाले यूपीआई पी2एम और रुपे डेबिट कार्ड लेनदेन को बढ़ावा देने के लिए 2,000 करोड़ रुपए की प्रोत्साहन राशि आवंटित की है। इन लेनदेन पर शून्य मर्चेंट डिस्काउंट रेट (एमडीआर) जारी रहेगी, ताकि छोटे व्यापारी डिजिटल भुगतान अपनाने के लिए प्रोत्साहित हों। वित्त वर्ष 2026 के लिए अंतिम आवंटन 2,196.21 करोड़ रुपए था, जो बजट में प्रस्तावित 437 करोड़ रुपए की राशि से लगभग पांच गुना अधिक है। भुगतान उद्योग का मानना है कि यूपीआई और डेबिट कार्ड प्रणाली के विकास और स्थिरता के लिए कम से कम 10,000-15,000 करोड़ की आवश्यकता थी। इसलिए, सरकार द्वारा आवंटित राशि अपेक्षित प्रोत्साहन का केवल लगभग एक-पांचवां है। पेमेंट्स काउंसिल ऑफ इंडिया के प्रमुख अधिकारी ने सुझाव दिया कि छोटे व्यापारियों के लिए शून्य एमडीआर जारी रखा जाए, जबकि बड़े व्यापारियों (20 लाख से ज्यादा वार्षिक कारोबार) पर 30 बेसिस प्वाइंट एमडीआर लागू की जा सकती है। उनका कहना है कि बड़े व्यापारी पहले ही क्रेडिट कार्ड पर 2 फीसदी शुल्क दे रहे हैं, इसलिए उन्हें करदाताओं के पैसे से प्रोत्साहित करने की आवश्यकता नहीं। साल 2025 में यूपीआई ने 228.28 अरब लेनदेन दर्ज किए। उद्योग का अनुमान है कि

शेयर बाजार तेजी के साथ बंद

मुंबई। एजेंसी। भारतीय शेयर बाजार सोमवार को बढ़त पर बंद हुआ। सप्ताह के पहले ही दिन बाजार में ये तेजी दुनिया भर के बाजारों से मिले-जुले संकेतों के बाद भी खरीदारी हावी रहने से आई है। दिन भर के कारोबार के बाद 30 शेयरों पर आधारित बीएसई सेंसेक्स 943.52 अंक उछलकर 81,666.46 और 50 शेयरों वाला एनएसई निफ्टी 262.95 अंक बढ़कर 25,088.40 पर बंद हुआ। आज इन्फ्रा और ऑटो शेयरों के कारण बाजार में उछला आया। निफ्टी इन्फ्रा , निफ्टी ऑटो, निफ्टी पीएसई, निफ्टी पीएसई , निफ्टी ऑयलएंडगैस , निफ्टी मेटल और निफ्टी कमोडिटीज के शेयरों में तेजी रही। आज केवल निफ्टी आईटी और निफ्टी हेल्थकेयर के शेयरों में गिरावट रही। लार्जकैप के साथ ही मिडकैप और स्मॉलकैप शेयरों में भी तेजी रही। निफ्टी मिडकैप 100 इंडेक्स 546.80 अंक बढ़कर के 57,667.60 और निफ्टी स्मॉलकैप इंडेक्स 105.20 अंक ऊपर आकर 16,523.35 पर बंद हुआ। सेंसेक्स के शेयरों में अदाणी पोर्ट्स,

बीईएल, एमएंडएम, एलएंडटी, इंडिगो, अल्ट्राटेक सीमेंट, एशियन पेंट्स, आईटीसी, बजाज फिनसर्व, टाटा स्टील, एनटीपीसी, आईसीआईसीआई बैंक और मारुति सुजुकी के शेयर लाभ में रहे जबकि एक्सिस बैंक, इन्फोसिस, टीसीएस, ट्रेंट, के शेयर नुकसान में रहे थे। इससे पहले आज सुबह बाजार की शुरुआत कमजोर रही। शुरुआती दबाव के चलते सेंसेक्स और निफ्टी लाल निशान में खुले।। शुरुआती कारोबार में सेंसेक्स 167 अंक की गिरावट के साथ 80,555.68 पर खुला था। वहीं निफ्टी 50 ने भी करीब 30 अंक टूटकर 24,796.50 पर कारोबार की शुरुआत की। वहीं वैश्विक बाजारों की बात करें तो एशियाई बाजारों में सुबह शुरुआती कारोबार में मिला-जुला रुख देखने को मिला। इस दौरान सोने की कीमतों में गिरावट जारी रही और शुक्रवार की कमजोरी आगे बढ़ती दिखी। चीन का सीएसआई 300 इंडेक्स 0.01 फीसदी की बढ़त पर था, जापान का निक्केई 0.75 फीसदी ऊपर आया जबकि हॉन्गकॉन्ग का हैंग सेंग 1.34 फीसदीऔर दक्षिण कोरिया का कोस्पी 2.63 फीसदी टूट चुका था। शुक्रवार को वॉल स्ट्रीट के प्रमुख इंडेक्स भी गिरावट के साथ बंद हुए।

जनवरी में देश के विनिर्माण क्षेत्र की गतिविधि में मामूली सुधार हुआ- पीएमआई

नई दिल्ली। एजेंसी। एचएसबीसी इंडिया के मासिक सर्वेक्षण में जनवरी में विनिर्माण गतिविधियों में सुधार देखा गया। मौसमी रूप से समायोजित पीएमआई 55.4 पर पहुंचा, जो दिसंबर के 55 से थोड़ा ऊपर है। पीएमआई में 50 से ऊपर का अंक विस्तार और 50 से नीचे का अंक संकुचन दर्शाता है। सर्वेक्षण के अनुसार नए ऑर्डर, उत्पादन और रोजगार में वृद्धि के कारण विनिर्माण क्षेत्र में गति बनी। सर्वेक्षण में शामिल कंपनियों ने बताया कि घरेलू बाजार से कुल बिक्री में मुख्य योगदान मिला। हालांकि निर्यात ऑर्डर में भी वृद्धि हुई, लेकिन इसकी रफ्तार अपेक्षाकृत कम रही। जिन कंपनियों के निर्यात ऑर्डर बढ़े, उन्होंने एशिया, ऑस्ट्रेलिया कनाडा, यूरोप और पश्चिम एशिया से मांग में इजाफा बताया। जनवरी में वस्तु उत्पादक कंपनियों ने अतिरिक्त कर्मचारियों की भर्ती जारी रखी। रोजगार सृजन की गति मामूली रही, लेकिन पिछले तीन महीनों में सबसे तेज रही। सर्वेक्षण में यह भी सामने आया कि नई तकनीक और निवेश ने उत्पादन को समर्थन दिया। कच्चे माल की कीमतें चार महीनों के उच्चतम स्तर तक बढ़ीं, जबकि फैक्ट्री-गेट कीमतों में वृद्धि धीमी रही। इससे विनिर्माताओं के मुनाफे पर हल्का दबाव पड़ा। हालांकि नए ऑर्डर में तेजी आई, भविष्य के उत्पादन के प्रति कारोबारी विश्वास साढ़े तीन साल के सबसे निचले स्तर पर रहा। केवल 15 फीसदी कंपनियों ने उत्पादन बढ़ने की उम्मीद जताई, जबकि 83 फीसदी ने बदलाव की कोई संभावना नहीं बताई।

केंद्रीय सरकारी कर्मचारी और पेंशनधारक खुश.........60 प्रतिशत हो सकता हैं महंगाई भत्ता

नई दिल्ली। एजेंसी। केंद्रीय सरकारी कर्मचारी और पेंशनधारक जनवरी 2026 से मिलने वाली महंगाई भत्ते (डीए) की बढ़ोतरी को लेकर काफी खुश हैं। इस बीच, अखिल भारतीय उपभोक्ता मूल्य सूचकांक-औद्योगिक श्रमिक का दिसंबर माह का आंकड़े भी जारी हुए हैं। श्रम ब्यूरो के आंकड़ों के अनुसार, केंद्रीय सरकारी कर्मचारियों और पेंशनभोगियों के लिए महंगाई भत्ता (डीए) 60 प्रतिशत हो सकता है। यह डीए बढ़ोतरी 7वें वेतन आयोग के तहत कर्मचारियों के मूल वेतन (बेसिक पे) के आधार पर तय होगी। हालांकि, 7वें वेतन आयोग का कार्यकाल 31 दिसंबर 2025 को समाप्त हो गया है और 8वें वेतन आयोग का कार्यकाल 1 जनवरी 2026 से शुरू हो चुका है, फिर भी सरकारी कर्मचारियों और पेंशनभोगियों के लिए डीए और डीआर में बढ़ोतरी तब तक जारी रहेगी, जब तक 8वें वेतन आयोग की सिफारिशें लागू नहीं हो जातीं।

श्रम एवं रोजगार मंत्रालय ने नवंबर 2025 का ऑल इंडिया कंज्यूमर प्राइस इंडेक्स जारी किया है, जो 148.2 पर पहुंच गया है। यही इंडेक्स हर छह महीने में डीए और डीआर तय करने का आधार होता है। नवंबर के आंकड़ों ने साफ संकेत देते हैं कि जनवरी 2026 से महंगाई भत्ता बढ़ना करीब तय है। नवंबर 2025 तक के आंकड़ों के आधार पर 12 महीने का औसत इंडेक्स 59.93 प्रतिशत के करीब पहुंच गया था, जो 60 प्रतिशत की अगली सीमा से बस थोड़ा सा नीचे है। इसके बाद अब दिसंबर 2025 के इंडेक्स सामान्य स्तर पर होने के चलते माना जा रहा है कि डीए 60 प्रतिशत के पार चला जाएगा। चूंकि सरकार डीए हमेशा पूरे अंकों में घोषित करती है, इसलिए कर्मचारियों को कम से कम 2 प्रतिशत की बढ़ोतरी मिलने की पूरी संभावना है। यानी मौजूदा 58 प्रतिशत डीए बढ़कर जनवरी 2026 से 60 प्रतिशत हो सकता है।

मेष- आज का दिन आपके लिए मान-सम्मान में वृद्धि लेकर आने वाला है। राजनीति में कार्यरत लोगों की अच्छी छाप रहेगी। आपको किसी की कोई बात बुरी लग सकती है और आप अपने मनमौजी स्वभाव के कारण मुश्किलों में आ सकते हैं। आपकी माताजी को पैरों से संबंधित समस्या को लेकर यदि आप परेशान है, तो उसके लिए आप किसी अच्छे डॉक्टर से परामर्श अवश्य लें।

वृषभ- आज का दिन आपके लिए उत्तम संपत्ति के संकेत दे रहा है। एक साथ कई काम हाथ लगने से आपकी व्याकाग्रता बढ़ेगी, लेकिन यदि आप किसी प्रॉपर्टी की खरीद-फरोख्त की योजना बना रहे थे, तो आपकी वह इच्छा भी पूरी हो सकती है। आपको अपने कामों में किसी बाहरी व्यक्ति से सलाह लेने से बचना होगा। आपका बिजनेस पहले से बेहतर चलेगा। जो आपको खुशी देगा।

मिथुन- आज का दिन आपके लिए परोपकार के कार्यो से जुड़कर नाम कमाने के लिए रहेगा। आपकी कुछ नई कोशिशें रंग लाएंगी। सरकारी नौकरी की तैयारी में लगे लोगों को कोई लापरवाही नहीं करनी है। आप मौज-मस्ती के मूड में रहेंगे, जिससे कामों को कल पर टालेंगे। परिवार में किसी सदस्य के विवाह में यदि कोई बाधा आ रही थी, तो उसके लिए आप अपने किसी सहयोगी से बातचीत कर सकते हैं। आप मौज-मस्ती के मूड में लगे रहेंगे।

कर्क- आज का दिन आपके लिए सकारात्मक परिणाम लेकर आएगा। आपका मन किसी बात को लेकर परेशान रहेगा, लेकिन भाई-बहनों से आपकी खूब पटेगी। आपके ऊपर कार्यक्षेत्र में किसी बात को लेकर कोई झूठा आरोप लगाये, तो आप उसमें चुगली न लगाएं। संतान को तरक्की करते देख आपकी खुशी का ठिकाना नहीं रहेगा। वाहनों का प्रयोग आप थोड़ा सावधान रहकर करें, लेकिन आप अच्छे खानपान का आनंद लेंगे, जिससे आपकी कोई पेट संबंधित समस्या खड़ी हो सकती हैं।

सिंह- आज का दिन आपके लिए मध्यम रूप से फलदायक रहने वाला है। आपको आस पड़ोस में किसी वाद-विवाद में पड़ने से बचना होगा। यदि आप किसी लेनदेन से संबंधित मामले को लेकर परेशान चल रहे थे, तो वह भी दूर होगा। आपको अपने कामों को लेकर किसी दूसरे पर डिपेंड नहीं रहना है। आप संतान को कहीं बाहर घूमाने-फिराने लेकर जा सकते हैं। आपकी किसी पुराने मित्र से लंबे समय बाद मुलाकात होगी।

कन्या- आज का दिन आपके लिए उन्नति की राह पर आगे बढ़ने के लिए रहेगा। कोई सरकारी कामयाबी लंबे समय से यदि पेंडिंग था, तो वह भी पूरा हो सकता है। आपको वाहनों के प्रयोग से सावधान रहना होगा, लेकिन जो विद्यार्थी विदेश जाकर शिक्षा ग्रहण करना चाहते हैं, उनकी इच्छा पूरी होगी। आप अपनी माताजी से कुछ पारिवारिक मामलों को लेकर बातचीत करेंगे, जिससे आपकी छोटी-मोटी समस्याएं आसानी से दूर होंगी। आप अपने रहन-सहन के स्तर में सुधार लाने की कोशिश करेंगे।

तुला- आज का दिन आपके लिए बढ़िया रहने वाला है। आपको मेहनत का आपको पूरा फल मिलेगा और आप धन को किसी योजना में लगाने की कोशिश में लगे रहेंगे। जो आने वाले समय में आपको बेहतर लाभ देगी। अपने किसी कानूनी मामले को लेकर लापरवाही न दिखाएंगे, तो उसमें आप किसी मुश्किल में पड़ सकते हैं। आपको अपने किसी सहयोगी की कोई बात बुरी लग सकती है। परिवार में किसी सदस्यों को नौकरी के लिए कहीं बाहर जाना पड़ सकता है।

वृश्चिक- आज का दिन आपके लिए कुछ नया करने के लिए रहेगा। आपके मन में काम को लेकर नए-नए आइडिया आएंगे। जीवनसाथी भी किसी नई नौकरी के लिए अप्लाई कर सकते हैं। आपकी आय में भी वृद्धि होगी, जो आपको खुशी देगी और कोई लंबे समय से रुका हुआ काम पूरा होगा, जिसके लिए आप काफी मेहनत कर रहे थे।

धनु- आज का दिन आपके लिए लेनदेन से संबंधित मामलों में सावधानी बरतने के लिए रहेगा। आपकी निर्णय लेने की क्षमता भी बेहतर रहेगी, लेकिन आप किसी के बहकावे में आकर कोई काम ना करें। आपको अपनी माताजी की कोई बात बुरी लग सकती है। आपका कोई सहयोगी आपको परेशान करने की कोशिश करेगा। विद्यार्थियों को बौद्धिक और मानसिक बोझ से छुटकारा मिलेगा।

मकर- आज का दिन आपके लिए मिश्रित रूप से फलदायक रहने वाला है। घूमने-फिरने के दौरान आपको कोई महत्वपूर्ण जानकारी प्राप्त होगी। राजनीति में आपको किसी बड़े पद की प्राप्ति हो सकती हैं और लोगों का भी आपको पूरा समर्थन मिलेगा। आप किसी नए वाहन के खरीदारी कर सकते हैं, जो आपके लिए अच्छे रहेगी।

कुंभ- आज का दिन आपके लिए मौज-मस्ती भरा रहने वाला है। आप छोटे बच्चों के साथ भी कुछ समय व्यतीत करेंगे, जिससे आपको अपनी टेंशनों से भी काफी हद तक छुटकारा मिलेगा। आपके पिताजी आपको कोई सरप्राइज गिफ्ट दे सकते हैं और आप यदि कहीं बाहर जाएं, तो अपने कीमती सामानों की सुरक्षा अवश्य करें। आपके धन-धान्य में वृद्धि होगी।

मीन- आज आपको किसी काम को लेकर भागदौड़ बनी रहेगी और आपका मन भी परेशान रहेगा। आपको अपने कामों को लेकर लापरवाही बिल्कुल नहीं करनी है, नहीं तो वे आपके लिए

शब्दजाल - 8159

शब्द जाल में ऐसे 10 शब्द ढूंढिए जिनके अंत में 'ई' आता हो. शब्द ऊपर से नीचे एवं तिरछे भी हैं.

श	रा	ज	क	व	ई	ह	ट	झ	क	चि
अं	च	र	ठि	रिं	लै	ता	दि	शा	को	क
ग	र	ह	ना	दा	चि	सिं	बे	ला	ल	ना
ड़	स	गा	ई	ल	क	आ	ह	ऊं	र	ह
ई	रा	र	ष	हा	मि	श	च	स	चा	ट
ह	ह	प	व	दा	ह	ना	त	उ	न	ई
म	ट	बु	अ	म	रा	ई	ह	त	ह	क
हं	जी	वा	उ	क	छ	सौ	न	रा	जू	ट
गा	थो	तें	ब	ह	ज	दा	ने	ई	र	द
ई	ल	प	का	रं	ट	ऐ	बें	न	रु	थो
त	ड़	पा	ई	ट	ख	बौ	ख	ला	ह	ट

अमराई, कठिनाई, सगाई, महंगाई, उतराई, आशनाई, उबकाई, ऊंचाई, अंगड़ाई, कटाई

शब्दजाल - 8158 का हल

प्र	अ	मे	बॉ	क्सा	इ	ट	मैं	र	प	गो
न	का	क	अ	भ्र	क	ने	ग	ति	मा	यू
डे	दा	र	ला	मा	ग	अं	नी	ह	प	रे
ज	लो	ल	का	को	न	स	ज	ह	लि	नि
त	अ	मा	र	न	य	मे	ह	तां	न	य
अ	ना	का	इ	व	प	ला	त	बा	र	म
ग	ही	लौ	मा	ट	अ	ला	को	मा	न	ग
र	रा	भा	ह	न	प	स	र	ल	वि	ला
क	न	बा	अ	अ	क्रा	र	ण्ड	न	जू	दे
र	का	ति	मा	न	य	क	म	का	प	श
बां	र	ल	प	रु	स	स्क	त्ता	प	र	र

Jagrutidaur.com, Bangalore

दैनिक पंचांग

3 फरवरी 2026 को सूर्योदय के समय की ग्रह स्थिति

ग्रह स्थिति		लग्नारंभ समय	
सूर्य	मकर में	कुंभ	07.17 बजे से
चंद्र	सिंह में	मीन	08.49 बजे से
मंगल	मकर में	मेष	10.20 बजे से
बुध	मकर में	वृष	12.00 बजे से
गुरु	मिथुन में	मिथुन	13.58 बजे से
शुक्र	मकर में	कर्क	16.12 बजे से
शनि	मीन में	सिंह	18.28 बजे से
राहु	कुंभ में	कन्या	20.40 बजे से
केतु	सिंह में	तुला	22.50 बजे से
राहुकाल		वृश्चिक	01.05 ब.से
3.00 से 4.30		धनु	03.21 बजे से
बजे तक		मकर	05.26 बजे से

मंगलवार 2026 वर्ष का 34 वा दिन
दिशाशूल उत्तर **ऋतु** शिशिर।
विक्रम संवत् 2082 **शक संवत्** 1947
मास फाल्गुन (दक्षिण भारत में माघ)
पक्ष कृष्ण **तिथि** द्वितीया 00.41 बजे रात्र को समाप्त।
नक्षत्र मघा 22.11 बजे को समाप्त।
योग शोभन 02.39 बजे रात्र को समाप्त।
करण तैतिल 13.12 बजे तदनन्तर गर 00.41 बजे रात्र को समाप्त।
चन्द्रायु 15.2 घण्टे
रवि क्रान्ति दक्षिण 16° 35'
सूर्य उत्तरायन
कलि अहर्गण 1872609
जूलियन दिन 2461074.5
कलियुग संवत् 5126
कल्पारंभ संवत् 1972949123
सृष्टि ग्रहारंभ संवत् 1955885123
वीरनिर्वाण संवत् 2552
हिजरी सन् 1447
महीना सावान
तारीख 14

दिन का चौघड़िया			रात का चौघड़िया		
रोग	05.53 से	07.22 बजे तक	काल	05.42 से	07.13 बजे तक
उद्वेग	07.22 से	08.15 बजे तक	लाभ	07.13 से	08.45 बजे तक
चर	08.15 से	10.19 बजे तक	उद्वेग	08.45 से	10.16 बजे तक
लाभ	10.19 से	11.48 बजे तक	शुभ	10.16 से	11.48 बजे तक
अमृत	11.48 से	01.16 बजे तक	अमृत	11.48 से	01.19 बजे तक
काल	01.16 से	02.45 बजे तक	चर	01.19 से	02.51 बजे तक
शुभ	02.45 से	04.13 बजे तक	रोग	02.51 से	04.22 बजे तक
रोग	04.13 से	05.42 बजे तक	काल	04.22 से	05.54 बजे तक

चौघड़िया शुभाशुभ- शुभत्व श्रेष्ठ शुभ, अमृत व लाभ, **मध्यम** चर, **अशुभ** उद्वेग, रोग व काल। सभी समय भारतीय मानक समय की मध्य रेखा बिन्दु के आधार पर है अत: आप अपने स्थानीय समयानुसार ही देखें। ■ Jagrutidaur.com, Bangalore

प्रसंगतः पेड़ की पीड़ा

नामू नाम का बालक लकड़ियां काटने में व्यस्त था। थोड़ी दूर पर उसकी मां भी लकड़ियां काटने में जुटी थी। कुछ ही देर में मां की नजर नामू पर पड़ी तो वह चिल्ला उठी। उसने देखा कि उसके बेटे के पैर से खून की धारा बह रही है। उसने घबराकर पूछा, 'बेटा, यह क्या हो गया? तुम्हें यह चोट कहां लगी?' खून की परवाह न करते हुए बेटा मासूमियत से बोला, 'मां,मैंने अपनी कुल्हाड़ी से स्वयं अपने पैर पर वार किया है।' यह सुनकर मां दंग रह गई। उसने नामू की धोती उठाई तो देखा कि उसके पैर की पूरी चमड़ी छिली हुई थी।' मां गुस्से से बोली, 'भला कोई अपने पैर पर भी घाव करता है ? क्या तुम्हें इससे पीड़ा नहीं हो रही ? अरे, यदि यह घाव पक गया तो तुम्हारा पैर काटने की भी नौबत आ सकती है।' बालक पीड़ा में तड़पते हुए बोला, 'मां, मैं यह जानने की कोशिश कर रहा था कि जब हम पेड़ पर कुल्हाड़ी से वार करते हैं तो वह पीड़ा से कितना तड़पता है ? लेकिन मैं पेड़ की पीड़ा का अंदाजा नहीं लगा पा रहा था। इसकी पीड़ा का अंदाजा लगाने के लिए ही मैंने अपने पैर पर कुल्हाड़ी से वार किया।' यह सुनते ही मां रो पड़ी। उसने उसे सीने से लगाते हुए हुआ, 'बेटा, तू जरूर आसाधारण कार्य करेगा। जिसके हृदय में एक पेड़ के लिए इतनी पीड़ा है वह साधारण कैसे हो सकता है।' नामू की मां के ये शब्द सच निकले। यह बालक आगे चलकर संत नामदेव के नाम से प्रसिद्ध हुआ।

फिल्म वर्ग पहेली - 7103

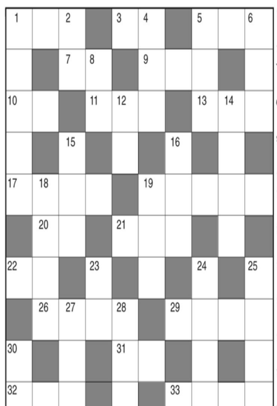

बायें से दायें:-

१. 'तुम बिन जीवन कैसे' गीतवाली मनोजकुमार, साधना की फिल्म-३
३. सनीदेओल, सुष्मिता सेन की 'कोई देख रहा' गीत वाली फिल्म-२
५. अमिताभ, मौसमी की 'यारा ओ यारा' गीत वाली फिल्म-३
७. फिल्म 'सीता और गीता' में धर्मेन्द्र के किरदार का क्या नाम था-२
९. सनीदेओल, जयाप्रदा की 'चूड़े वाली छमिया' गीत वाली फिल्म-३
१०. 'हम तो तंबू में बंबू' गीत वाली अमिताभ, अमृता सिंह की फिल्म-२
११. फिल्म 'गॉड मदर' में शीर्षक भूमिका किसने की थी-३
१३. फिल्म 'अनमोल मोती' में जीतेंद्र के साथ नायिका कौन थी-३
१७. अमिताभ बच्चन, ऋषिकपूर, राखी, वहीदा, नसीम की 'प्यार कर लिया तो क्या' गीत वाली फिल्म-२,२
१९. 'खुश रहो हर खुशी है' गीत वाली जीतेंद्र, राजश्री की फिल्म-५
२०. राजेंद्रकुमार, मालासिन्हा की 'बॉसुरी बजाय के' गीत वाली फिल्म-२
२१. 'मेरे बिछड़े साथी' गीत वाली सुनीलदत्त, आशापारेख की फिल्म-३
२२. राजेश, सुलक्षणा की 'इन आँखों को आशिक' गीत वाली फिल्म-२
२६. 'जब जब बहार आई' गीत वाली भारत भूषण, शालिनी की फिल्म-४
२९. सनी देओल, अनिल कपूर, किमी काटकर की 'गली से मेरा यार गुजरा' गीत वाली फिल्म-४
३१. फिल्म 'पहला पहला प्यार' में ऋषि कपूर के साथ नायिका कौन थी-२
३२. 'मेरे दिल में मची है तबाही' गीत वाली फिल्म-३
३३. 'माँ तुझे सलाम' में अलबक्श की भूमिका किसने की है-४

ऊपर से नीचे:-

१. मेघना गुलजार की फिल्म 'फिलहाल' के संगीत निर्देशक-२,३
२. फिल्म 'साया' की नायिका कौन है-२
४. फिल्म 'स्टम्प्ड' की निर्मात्री एवं नायिका कौन हैं-३
५. 'तेरी तसवीर मिल गई' गीत वाली सनी, अमृता सिंह की फिल्म-३
६. धर्मेन्द्र, सुचित्रा सेन की 'छुपा लो यूँ दिल में' गीत वाली फिल्म-३
१२. 'ऐसी रंग दे पिया' गीत वाली फिल्म-२
१४. फिल्म 'ताजमहल' में प्रदीपकुमार के साथ नायिका कौन थी-२,२
१५. विकास भल्ला, का काजोल की 'हुन हुना रे हुन' गीत वाली फिल्म-३
१६. 'ओ नाम रे सबसे' गीत वाली अमिताभ, शशि, रेखा की फिल्म-३
१८. अशोक कुमार, मीना की 'दिल जो ना कह सका' गीत वाली फिल्म-२,२
१९. 'क्या हुआ अरे' गीत वाली संजीव कुमार, परीक्षित, शबाना की फिल्म-३
२३. धर्मेन्द्र, सायरा बानो की 'आज की रात नया चाँद' गीत वाली फिल्म-२
२४. 'गोरी तेरा गाँव बड़ा' गीत वाली फिल्म-४
२५. बॉबी, अक्षय, अमीषा की 'प्यार कर इकरार' गीत वाली फिल्म-४
२७. फिल्म 'तलाश' में अक्षय के साथ नायिका कौन है-३
२८. 'अंखियाँ मिलाके जिया भरमाके' गीत वाली स्वर्णलता की एक हिट फिल्म-३
३०. फिल्म 'कोशिश' में संजीवकुमार के साथ नायिका कौन थी-२

फिल्म वर्ग पहेली - 7102

Jagrutidaur.com, Bangalore

सूडोकु नवताल- 7412

★☆☆☆☆ सरल

		2				1		
				2	5	7	3	
	9	4		6	7			2
	5		4		3			9
	8			9			7	
1			6		8		2	
6			7	4		9	5	
	4	5	8	3				
		8				6		

■ प्रत्येक पंक्ति में 1 से 9 तक के अंक भरे जाने आवश्यक हैं.
■ प्रत्येक आड़ी और खड़ी पंक्ति में एवं 3×3 के वर्ग में किसी भी अंक की पुनरावृत्ति न हो इसका विशेष ध्यान रखें.
■ पहले से मौजूद अंकों को आप हटा नहीं सकते .
■ पहेली का केवल एक ही हल है.

सूडोकु नवताल -7411 का हल

9	1	6	2	3	7	4	5	8
8	2	3	4	5	9	1	7	6
4	5	7	1	6	8	3	9	2
5	6	8	7	1	2	9	3	4
1	7	4	9	8	3	2	6	5
2	3	9	5	4	6	8	1	7
7	4	1	8	9	5	6	2	3
3	8	5	6	2	1	7	4	9
6	9	2	3	7	4	5	8	1

Jagrutidaur.com, Bangalore

शब्द पहेली - 8627

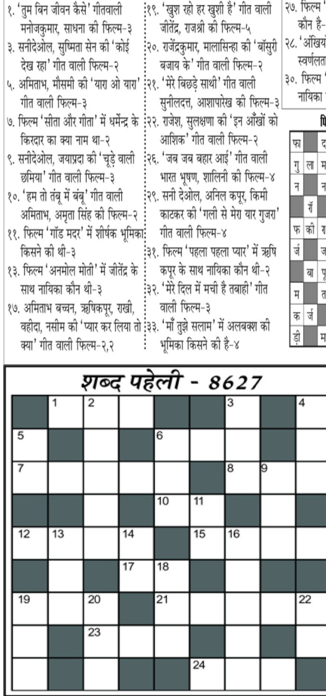

बाएँ से दाएँ

1. उच्च कुल का-3
6. जलज, पंकज, नीरज-3
7. चरित्र, धर्म-5
8. वचन, प्रतिज्ञा-3
10. आनेवाला दिन-2
12. पक्षियों का शोर, पक्षियों की चहचहाट -4
15. अनबन, कहासुनी-4
17. रुपया, पैसा-2
19. भ्रम, संदेह-3
21. कहानी लिखनेवाला-5
23. अंजन-3
24. वजह-3

ऊपर से नीचे

2. अधिवर्ष, 29 फरवरी वाला वर्ष-2,3
3. कंठ, गला-3
4. लाज, लज्जा-3
5. विवाह, ब्याह-2
6. सोना, धतूरा-3
9. टेका, आसरा-3
11. बुरी आदत-2
13. रेखा, लाइन-3
14. हत्या, मर्डर-2
16. नवचंद्राकार -5
18. अनुकृति-3
19. भला कार्य-3
20. घर, गृह, निवास-3
22. युद्ध, संग्राम -2

शब्द पहेली -8626 का हल

Jagrutidaur.com, Bangalore

मतदाता सूची के गहन पुनरीक्षण को लेकर रोल प्रेक्षक मनीष सिंह ने राजनैतिक दलों की ली बैठक

पद्मेश न्यूज। बालाघाट।

भारत निर्वाचन आयोग द्वारा निर्धारित कार्यक्रम के अनुसार बालाघाट जिले में भी मतदात सूची के गहन पुनरीक्षण (एसआईआर-2026) का कार्य किया जा रहा है। आयोग द्वारा बालाघाट जिले के लिए नियुक्त रोल प्रेक्षक सचिव परिवहन विभाग एवं मध्यप्रदेश सुगम परिवहन सेवा निगम के प्रबंध निदेशक मनीष सिंह ने 02 फरवरी को कलेक्ट्रेट सभाकक्ष में राजनैतिक दलों के प्रतिनिधियों के साथ बैठक कर मतदाता सूची के गहन पुनरीक्षण पर चर्चा की। बैठक में कलेक्टर एवं जिला निर्वाचन अधिकारी मृणाल मीना, उप जिला निर्वाचन अधिकारी श्री जीएस धुर्वे एवं राजनैतिक दलों के प्रतिनिध उपस्थित थे।

रोल प्रेक्षक मनीष सिंह ने बैठक में कहा कि बालाघाट जिले की मतदाता सूची का लिंगानुपात 1010 एवं ईपिक रेसियो 68.37 प्रतिशत है जो कि बहुत अच्छा है। उन्होंने कहा कि मतदाता सूची के गहन पुनरीक्षण के दौरान 18 से 19 आयु वर्ग के सभी युवाओ के नाम मतदाता सूची में शामिल करें। एसआईआर के दौरान जिन मतदाताओं की मैपिंग नही हो पायी है एवं जिनके ईन्यूमेंरेशन फार्म जमा नही हो पाए है, उनकी सुनवाई के दौरान दस्तावेजों का परीक्षण कर पात्र होने पर उनके नाम सूची में शामिल किये जाए। रोल प्रेक्षक श्री सिंह ने राजनैतिक दलों के प्रतिनिधियों से कहा कि वे प्रत्येक मतदान केंद्र पर अपने बीएलए अवश्य नियुक्त करें।

बैठक में बताया गया कि बालाघाट जिले में कुल मतदाताओं की संख्या 13 लाख 21 हजार 494 है। इसमें पुरुष मतदाता 06 लाख 57 हजार 340, महिला मतदाता 06 लाख 64 हजार 146 एवं थर्ड जेंडर 08 मतदाता शामिल है। जिले में सर्विस वोटर की संख्या 1515 है और 18 से 19 आयु वर्ग के युवा मतदाताओं की संख्या 19001 है। मतदाता सूची के पुनरीक्षण के दौरान नाम शामिल करने के लिए 15 हजार 21 फार्म-6, नाम हटाने के लिए 2896 फार्म-7 एवं नाम संशोधन के लिए 7299 फार्म-8 प्राप्त हुए है। इनमें से 12 हजार 517 फार्म-6 का, 2258 फार्म-7 एवं 5365 फार्म-8 का निराकरण कर दिया गया है। जिले में कुल 1785 मतदान केंद्र है इनमें से 1675 मतदान केद्रो पर भारतीय जनता पार्टी एवं भारतीय राष्ट्रीय कांग्रेस द्वारा बीएलए नियुक्त किये गए है। जबकि बहुजन समाज पार्टी द्वारा 813 मतदान केंद्रो पर बीएलए नियुक्त किये गए है।

बैठक में बताया गया कि मतदाता सूची के गहन पुनरीक्षण (एसआईआर) के दौरान 95.45 प्रतिशत मतदाताओं के ईन्यूमेरेशन फार्म का डिजिटलाईजेशन किया गया है। 6824 मतदाता नो मैपिंग वाले पाये गए है और 62 हजार 406 मतदाताओं के इन्यूमेरेशन फार्म जमा नही हो पाए है। इनमें से 18 हजार 211 की मृत्यु, 7779 की अनुपस्थिति, 32 हजार 433 के अन्य स्थान पर स्थायी रूप से शिफ्ट होने, 3843 के नाम अन्य स्थान पर दर्ज होने एवं 140 के अन्य कारणों से ईन्यूमेरेशन फार्म जमा नही हो पाये है।

खापा में मेरा युवा भारत और डिजीटल साक्षरता को लेकर सात दिवसीय शिविर

पद्मेश न्यूज। वारासिवनी। शासकीय शासकीय शंकर साव पटेल महाविद्यालय में संचालित राष्ट्रीय सेवा योजना इकाई का सात दिवसीय विशेष शिविर ग्राम पंचायत खापा २९ जनवरी २०२६ से ४ फरवरी २०२६ तक मेरा युवा भारत तथा डिजिटल साक्षरता के लिए युवा विषय पर आयोजित किया गया। शिविर के तृतीय दिवस ग्राम पंचायत खापा के वार्ड क्रमांक ११,१२,१४ में परियोजना कार्य करने के पश्चात बौद्धिक सत्र के कार्यक्रम में ग्रामीण विकास में युवाओं की भूमिका और जनसंचार माध्यमों का योगदान विषय पर मुख्य अतिथि डॉ. अनिरुद्ध सिंह काकोडिया, विशिष्ट अतिथि श्रीमती प्रमिला चौहान प्रधान , प्रकाश कठाने, हर्षिता मेश्राम, शिखा देवगीरकर उपस्थित रहे। मुख्य अतिथि के द्वारा ग्रामीण विकास में युवाओं की भूमिका और जनसंचार माध्यमों में युवाओं को बताया कि हमें अगर समाज और ग्राम का विकास करना है तो लक्ष्य निर्धारित करना होगा, हमे मजबूत पक्ष, कमजोर को ध्यान में रखते हुए लक्ष्य को प्राप्त करने के लिए अवसर को तलाश में होंगे और सही निर्णय लेना होगा। वहीं प्रमिला चौहान ने बताया कि युवा पीढ़ी नए विचारों के साथ सामंजस्य करने एवं परिवर्तन को स्वीकार करने में अग्रणी होते हैं। समाज कल्याण एवं राष्ट्र हित में युवाओं को मध्यस्थता की भूमिका अदा करते देखा गया है। तृतीय दिवस के बौद्धिक कार्यक्रम में मंच संचालन का कार्य शिवानी मेश्राम के द्वारा किया गया और अंत में कृष्णा पराते कायक्रम अधिकारी द्वारा सभी का आभार व्यक्त करते हुए कार्यक्रम का समापन किया गया।

खेलो एमपी यूथ गेम्स में रवि प्रकाश बिसेन ने स्वर्णिम परचम फहराया

पद्मेश न्यूज। बालाघाट। खेलो एमपी यूथ गेम्स 2025-26 में बालाघाट जिले के युवा एथलीटों ने शानदार प्रदर्शन कर इतिहास रच दिया। मध्य प्रदेश के ओलंपिक के रूप में पहचान बना चुके इस प्रतिष्ठित आयोजन में बालाघाट जिले के विकासखंड किरनापुर अंतर्गत ग्राम मराठा बूढ़ी निवासी प्रतिभाशाली खिलाड़ी रवि प्रकाश बिसेन ने एथलेटिक्स की 110 मीटर हर्डल्स, 400 मीटर हर्डल्स एवं 4म100 मीटर रिले रेस में तीन स्वर्ण पदक जीतकर गोल्डन बॉय का खिताब अपने नाम किया। 4म100 मीटर रिले रेस में रवि प्रकाश के साथ रविंद्र बिरनवार, देवेंद्र पारधी एवं निखिल अटरे ने संयुक्त रूप से शानदार प्रदर्शन करते हुए स्वर्ण पदक दिलाया। खेलो एमपी यूथ गेम्स 2025-26 का आयोजन 10 जनवरी से 31 जनवरी तक प्रदेश के 55 जिलों, 8 संभागों एवं 9 शहरों में 27 खेल विधाओं में किया गया, जिसका स्लोगन मध्य प्रदेश की जय - हम सब की विजय रहा। एथलेटिक्स मेडल टैली में बालाघाट जिले ने प्रदेश में दूसरा स्थान अर्जित किया, वहीं भाला फेंक में प्रकाश मैरावी ने रजत एवं नूपुर दशहिरे ने कांस्य पदक जीतकर जिले का मान बढ़ाया। तीन स्वर्ण पदक जीतने वाले रवि प्रकाश बिसेन को बेस्ट एथलीट रनर-अप ट्रॉफी से मध्य प्रदेश के राज्यपाल मंगुभाई छगनभाई पटेल, खेल मंत्री विश्वास सारंग एवं खेल एवं युवा कल्याण विभाग के संचालक श्री राकेश गुप्ता द्वारा सम्मानित किया गया। वर्तमान में रवि प्रकाश मध्य प्रदेश एथलेटिक्स अकादमी भोपाल के टी.टी. नगर स्टेडियम में सीआईएएफ के सीनियर खिलाड़ी श्री हितेश चौधरी के मार्गदर्शन में प्रशिक्षण प्राप्त कर रहे हैं तथा उनका लक्ष्य अंतरराष्ट्रीय प्रतियोगिताओं में देश के लिए पदक जीतना है। इस उपलब्धि पर जिला एथलेटिक्स संघ, खेल विभाग, प्रशिक्षकों एवं खेल प्रेमियों द्वारा सभी खिलाड़ियों को शुभकामनाएं दी गईं, जिससे यह सिद्ध होता है कि सही मार्गदर्शन और कड़ी मेहनत से ग्रामीण अंचलों के खिलाड़ी भी राष्ट्रीय स्तर पर अपनी पहचान बना सकते हैं।

धान खरीदी का परिवहन, हेल्पलाईन के लंबित मामलों और प्रसूति सहायता सहित अन्य प्रकरणों के निराकरण के निर्देश

टीएल बैठक में कलेक्टर ने की समय सीमा प्रकरणों की हुई समीक्षा

पद्मेश न्यूज। बालाघाट। 02 फरवरी को कलेक्ट्रेट सभाकक्ष में टीएल बैठक का आयोजन किया गया। इस बैठक में कलेक्टर मृणाल मीना ने विभिन्न विभागों के समय सीमा संबंधी प्रकरणों की विस्तार से समीक्षा की और अधिकारियों को आवश्यक दिशा निर्देश दिए। बैठक में जिला पंचायत के मुख्य कार्यपालन अधिकारी श्री अभिषेक सराफ, अपर कलेक्टर जीएस धुर्वे, श्री डीपी बर्मन, संयुक्त कलेक्टर राहुल नायक, डिप्टी कलेक्टर प्रदीप कौरव एवं अन्य विभागों के अधिकारी उपस्थित थे। बैठक में सभी एसडीएम, तहसीलदार, जनपद सीईओ एवं नगरीय निकायों के मुख्य नगर पालिका अधिकारी वीडियों कांफ्रेंस के माध्यम से उपस्थित थे।

बैठक में कलेक्टर श्री मीना ने जिला आपूर्ति अधिकारी को निर्देशित किया कि समर्थन मूल्य पर क्रय की गई धान का केंद्रो से परिवहन कर शीघ्र गोदामों में पहुंचाया जाए। जिले में धान के भंडारण के लिए नये अधिग्रहित गोदामों में धान का परिवहन कर पहुंचाने के निर्देश दिये गए। इस दौरान बताया गया कि 26 हजार 293 मीट्रिक टन धान का परिवहन किया जाना शेष है और यह कार्य एक सप्ताह में पूर्ण कर लिया जाएगा।

बैठक में कलेक्टर श्री मीना ने सीएम हेल्पलाईन के लंबित प्रकरणों का शीघ्र निराकरण करने के सभी अधिकारियों को निर्देश दिये। सहायक आयुक्त जनजातीय कार्य विभाग को बस्ती विकास के प्रस्ताव तैयार कर स्वीकृति के लिए शासन को भेजे। इसके साथ ही उन्हें आहार अनुदान संबंधी आवेदनों का शीघ्रता से निराकरण करने के निर्देश दिये गए। सभी अधिकारियों को संकल्प से समाधान अभियान के अंतर्गत लगाये जा रहे शिविरों में प्राप्त आवेदनों का मौके पर ही निराकरण करने के निर्देश दिये गए। राजस्व अधिकारियों को बी-1 वाचन एवं फौती दर्ज करने व सीमांकन के लंबित प्रकरणों का शीघ्र निराकरण करने कहा गया।

बैठक में मुख्य चिकित्सा एवं स्वास्थ्य अधिकारी तथा सिविल सर्जन को निर्देशित किया गया कि प्रसूति सहायता के प्रकरणों का शीघ्रता से निराकरण किया जाए और पात्र महिलाओं का राशि का वितरण किया जाए। सहायक संचालक मत्स्योद्योग को निर्देशित किया गया कि जिले में मनरेगा एवं अन्य योजनाओं के अंतर्गत बने सभी तालाबो में मत्स्य पालन किया जाना सुनिश्चित करें। स्व-रोजगार योजनाओं वाले विभागों के अधिकारियों को निर्देशित किया गया कि स्वरोजगार योजनाओ वाले ऋण प्रकरणों में शीघ्रता से ऋण वितरण कराए।

हिंदी भाषा के प्रचार-प्रसार एवं क्रियान्वयन की हुई विस्तृत समीक्षा

नगर राजभाषा कार्यान्वयन समिति की द्वितीय छः माही अर्धवार्षिक समीक्षा बैठक संपन्न

पद्मेश न्यूज। बालाघाट। हिंदी भाषा के प्रभावी क्रियान्वयन और उसके प्रचारङ्कप्रसार को बढ़ावा देने के उद्देश्य से नगर राजभाषा कार्यान्वयन समिति (नराकास), बालाघाट द्वारा द्वितीय छ:माही अर्धवार्षिक समीक्षा बैठक का आयोजन आकाशवाणी केंद्र बालाघाट में किया गया। यह बैठक गृह मंत्रालय, भारत सरकार के निर्देशानुसार आयोजित की गई।

बैठक का शुभारंभ मुख्य अतिथि श्री हजारीलाल, कमांडेंट 123वीं बटालियन भरवेली, विशेष अतिथि श्री कैपिंग गिल, कमांडेंट 207 बटालियन किरनापुर, खान प्रबंधक मॉयल बालाघाट श्री विवेक कुमार, नराकास के अध्यक्ष एवं वैज्ञानिकङ्कसी, केंद्रीय रेशम बोर्ड बालाघाट के सदस्य सचिव डॉ. बावस्कर दत्ता मदन के मुख्य आतिथ्य में दीप प्रवलन कर किया गया। कार्यक्रम में सहायक निदेशक श्री कुंवर विक्रम सिंह, जिला अग्रणी बैंक प्रबंधक श्री संजीव कुमार, प्रसारण अधिकारी श्री धीरज कुमार सहित नराकास के सदस्य कार्यालयों के अधिकारी उपस्थित रहे।

अर्धवार्षिक समीक्षा बैठक के दौरान सर्वप्रथम बालाघाट में स्थित केंद्र सरकार के विभिन्न मंत्रालयों, बैंकों, अधिशासी संस्थानों एवं उपक्रमों के प्रतिनिधियों का परिचय कराया गया। इसके बाद नराकास अध्यक्ष डॉ. बावस्कर दत्ता द्वारा सदस्य कार्यालयों की राजभाषा प्रगति रिपोर्ट का अवलोकन एवं समीक्षा की गई। उन्होंने रिपोर्ट में पाई गई त्रुटियों का समाधान करते हुए सभी कार्यालयों से राजभाषा संबंधी कार्यों पर विशेष ध्यान देने का आग्रह किया। बैठक में राजभाषा अधिनियम की धारा 3(3) के अंतर्गत जारी पत्राचार, हिंदी में कामकाज की प्रगति तथा कार्यालयों में हिंदी के अधिकाधिक प्रयोग पर भी विस्तार से चर्चा की गई।

मुख्य अतिथि कमांडेंट हजारीलाल ने अपने उद्बोधन में कहा कि भाषा ही विचारों की अभिव्यक्ति का सशक्त माध्यम है। किसी भी देश की पहचान उसकी भाषा से होती है। उन्होंने कहा कि सभी शासकीय कार्य हिंदी में किए जाने चाहिए तथा सरकारी कामकाज में देवनागरी हिंदी के प्रयोग को बढ़ावा देना हम सबकी जिम्मेदारी है। विशेष अतिथि खान प्रबंधक विवेक कुमार ने कहा कि नराकास द्वारा विभिन्न कार्यक्रम आयोजित किए जा रहे हैं, फिर भी इसे और सशक्त बनाने की आवश्यकता है। उन्होंने सभी से अपने कार्यालयीन कार्य अधिकाधिक हिंदी भाषा में करने का आह्वान किया।

कमांडेंट श्री कैपिंग गिल ने बैठक को नराकास का एक सराहनीय प्रयास बताते हुए कहा कि सभी केंद्रीय कार्यालयों का एक मंच पर आकर हिंदी के सशक्तिकरण के लिए कार्य करना अत्यंत सकारात्मक कदम है। बैठक के दौरान सत्र 2024-25 में राजभाषा नीति के सर्वोत्कृष्ट क्रियान्वयन हेतु विभिन्न केंद्रीय कार्यालयों को राजभाषा पुरस्कार प्रदान किए गए। इसमें श्रेणी-एक (केंद्रीय अधिशासी संस्थान) तथा श्रेणी-दो (राष्ट्रीयकृत बैंक एवं बीमा कंपनियां) के अंतर्गत प्रथम, द्वितीय एवं तृतीय पुरस्कार से कार्यालयों को सम्मानित किया गया।

बैठक में सहायक निदेशक श्री कुंवर विक्रम सिंह एवं जिला अग्रणी बैंक प्रबंधक श्री संजीव कुमार ने भी राजभाषा की महत्ता एवं कार्यालयों की भूमिका पर अपने विचार व्यक्त किए। सभी वक्ताओं ने सरकारी कार्यों में हिंदी के प्रयोग को बढ़ाने और इसे व्यवहारिक रूप से लागू करने पर बल दिया। कार्यक्रम के अंत में आकाशवाणी केंद्र बालाघाट द्वारा बैठक में उपस्थित सभी अधिकारियों एवं कर्मचारियों के प्रति आभार व्यक्त करते हुए बैठक के समापन की घोषणा की गई। यह बैठक हिंदी भाषा को बढ़ावा देने और सरकारी कामकाज में उसके प्रभावी उपयोग की दिशा में एक महत्वपूर्ण और सकारात्मक पहल साबित हुई।

किरनापुर में पेट्रोलपंपो का किया गया निरीक्षण

पद्मेश न्यूज। किरनापुर। जिले में संचालित पेट्रोलपंपों पर शासन द्वारा निर्धारित मापदण्ड के अनुसार सुविधाओं की उपलब्धता सुनिश्चित करने के लिए कलेक्टर मृणाल मीना के निर्देश पर राजस्व एवं आपूर्ति विभाग के अधिकारियों द्वारा पेट्रोल पंपों का निरीक्षण किया जा रहा है। निरीक्षण के दौरान पेट्रोल पंप पर बुनियादी सुविधा नही पाये जाने पर पंप संचालक के विरूद्ध कार्यवाही प्रस्तावित की जा रही है। इसी कडी में 02 फरवरी को नायब तहसीलदार सुश्री बबीता सुर्या एवं कनिष्ठ आपूर्ति अधिकारी द्वारा किरनापुर के ओम साई फ्यूल्स, माँ किरनाई फ्यूल्स, रविशंकर एंड कंपनी एवं सुरेंद्र एंड ब्रदर्स रजेंगांव पेट्रोल पंपो का निरीक्षण किया गया। निरीक्षण के दौरान मुलभूत सुविधाओं जैसे हवा भरने की मशीन, पीने के शुद्ध पानी की व्यवस्था, शौचालय एवं अन्य आवश्यक सुविधाओं का अवलोकन किया गया। इस दौरान निर्देशित किया गया कि हवा भरने की मशीन चालू हालत में रहना चाहिए और जरूरतमंद व्यक्ति पंप की हवा का उपयोग कर सके ऐसा सुनिश्चित किया जाए। शौचालयों में साफ-सफाई एवं स्वच्छता का विशेष ध्यान रखने के निर्देश दिये गए।

लांजी में "पद्मेश"
इंटरनेट (ब्राडबेंड)
कनेक्शन के लिये संपर्क करें
Mo. 8319969927

मप्र के 6 जिलों में बढ़ेगी विकास की रफ्तार

केंद्रीय बजट से भरेगी मप्र की तिजोरी, टैक्स और ग्रांट से मिलेंगे 1,12,133 लाख करोड़

-प्रदेश के 5 लाख से अधिक आबादी वाले शहरों के इंफ्रास्ट्रक्चर विकास के लिए विशेष प्रावधान

भोपाल । केंद्रीय बजट से मप्र के खजाने में टैक्स और ग्रांट से 1,12,133 लाख करोड़ मिलेंगे। वहीं मप्र के भोपाल, इंदौर सहित करीब आधा दर्जन शहरों के विकास में पंख लगने जा रहे हैं। केन्द्रीय बजट में प्रदेश के इन शहरों सहित प्रदेश की 5 लाख से ज्यादा आबादी वाले शहरों के इंफ्रास्ट्रक्चर को विकसित किया जाएगा। दरअसल, केन्द्रीय बजट में सरकार ने छोटे शहरों को बढ़ावा देने के लिए इंफ्रा फंड का प्रावधान किया है। इसके जरिए 5 लाख से ऊपर आबादी वाले शहरों में सरकार इंफ्रा बूस्ट करेगी। इसके लिए इंफ्रा रिस्क फंड बनाया जाएगा। इसकी मदद से इंफ्रा कंपनियों को सपोर्ट किया जाएगा। टीयर 2 और टीयर 3 शहर देश की रफ्तार को गति दे रहे हैं। इन शहरों में आधारभूत संरचना को बढावा देने के लिए 5 लाख से ज्यादा आबादी वो टियर 2 और 3 के शहरों के विकास के लिए 11.2 लाख करोड़ का आवंटन किया गया था, जिसे 2026-27 में बढ़ाकर 12.2 लाख करोड़ किया गया है। इसे शहरों के विकास की रफ्तार का नया कॉरिडोर बताया जा रहा है। अगले 5 सालों में हर शहर में करीबन 5 हजार करोड़ रुपए खर्च होंगे। इससे मध्य प्रदेश के शहरी क्षेत्रों को भी बड़ा फायदा होगा। मध्य प्रदेश में भोपाल, इंदौर, ग्वालियर, जबलपुर, उज्जैन सहित आधा दर्जन से ज्यादा शहरों की जनसंख्या 5 लाख से अधिक है। इसके चलते इन शहरों में विकास की रफ्तार बढ़ेगी।

गौरतलब है कि पिछले कुछ वर्षों में केंद्रीय करों में मप्र का हिस्सा तेजी से बढ़ा है। जहां 2017-18 में यह करीब 51

हजार करोड़ रुपये था, वहीं 2024-25 में यह बढक़र एक लाख करोड़ रुपये के पार पहुंच गया। 2026-27 के बजट अनुमानों में यह आंकड़ा पहले 1,11,662 करोड़ रुपये तक जाने का संकेत दे रहा था। अब केंद्रीय बजट पेश होने के बाद मप्र के खजाने में टैक्स और ग्रांट से 1,12,133 लाख करोड़ मिलेंगे। बजट में 5 लाख से अधिक आबादी वाले शहरों के विकास के लिए 5000 करोड़ रुपये का आवंटन किया गया है। प्रत्येक जिले में महिला छात्रावास का निर्माण और जिला अस्पतालों का अपग्रेडेशन मध्य प्रदेश के सामाजिक ढांचे को मजबूत करेगा। कृषि के क्षेत्र में पीएम धन-धान्य कृषि योजना से राज्य के कम उत्पादकता वाले जिलों में सिंचाई और भंडारण सुविधाओं में व्यापक सुधार होगा।

मप्र के हिस्से में 2,785 करोड़ का इजाफा

मप्र में डबल इंजन की सरकार होने से विकास की गाड़ी जिस गति से दौड़ रही थी, वह लगभग बनी रहेगी। केंद्रीय करों के हिस्से में से मध्य प्रदेश को वित्तीय वर्ष 2026-27 में 1,12,133 लाख करोड़ रुपये मिलेंगे। हालांकि, उम्मीद इसके एक लाख 20 हजार करोड़ रुपये तक पहुंचने की थी लेकिन वर्ष 2025-26 में जीएसटी की नई दरें लागू होने और अंतरराष्ट्रीय स्तर पर चल रही उठापटक का असर दिखने को मिला। वर्ष 2025-26 में केंद्रीय करों के हिस्से में 1,11,662 करोड़ रुपये मिलने का जो अनुमान था, वह पुनरीक्षित बजट में घटकर 1,09,348 करोड़ रुपये रह गया यानी 2,314 करोड़ रुपये कम मिलेंगे। हालांकि, अगले वित्तीय वर्ष 2026-27 में केंद्रीय करों के हिस्से में 2,785 करोड़ रुपये अधिक मिलने का अनुमान है। यह एक तरह से मामूली राहत है। प्रदेश में विकास कार्यों को गति देने के लिए धनराशि की व्यवस्था केंद्रीय करों के हिस्से और राज्य के स्वयं के करों के माध्यम से होती है। जीएसटी लागू होने के बाद से राज्यों के पास कर यानी टैक्स लगाने के अवसर सीमित हो गए हैं, इसलिए केंद्रीय करों में हिस्से की भूमिका बढ़ गई है। यह प्रदेश को 7.34 प्रतिशत के हिसाब से मिलेगा। केंद्रीय सहायता अनुदान 48,661 करोड़ रुपये में भी कमी की संभावना है। यह केंद्र प्रवर्तित योजनाओं में केंद्रांश के हिसाब से 47 हजार करोड़ रुपये के आसपास रह सकता है। राज्य के ऊपर इसका वित्तीय भार अवश्य पड़ेगा क्योंकि विकसित भारत जी-राम-जी योजना में राज्य को अब 30 प्रतिशत अधिक राशि की व्यवस्था करनी होगी।

चंदेरी और महेश्वर को मिलेगा वैश्विक मंच

बजट में टेक्सटाइल क्षेत्र के सुधारों पर विशेष बल दिया गया है। चैलेंज मोड के तहत मेगा टेक्सटाइल पार्क की घोषणा से मध्य प्रदेश के पारंपरिक क्लस्टर जैसे चंदेरी, महेश्वर और बुरहानपुर में तकनीकी उन्नयन होगा। सामर्थ्य-2 योजना के माध्यम से राज्य के युवाओं को आधुनिक विनिर्माण का प्रशिक्षण मिलेगा, जबकि महात्मा गांधी ग्राम स्वराज पहल खादी और हस्तशिल्प से जुड़े ग्रामीण बुनकरों को सीधा रोजगार और वैश्विक बाजार उपलब्ध कराएगी।

वाइब्रेंट कल्चरल डेस्टिनेशन बनेगा एमपी

मध्य प्रदेश के ऐतिहासिक और पुरातात्विक स्थलों जैसे खजुराहो और भेड़ाघाट को वाइब्रेंट कल्चरल डेस्टिनेशन के रूप में विकसित किया जाएगा। बजट में नेशनल हॉस्पिटैलिटी संस्थान और गाइडों के लिए पायलट प्रोजेक्ट का प्रावधान है, जो स्थानीय स्तर पर रोजगार सृजित करेगा। साथ ही, कान्हा और बांधवगढ़ जैसे राष्ट्रीय उद्यानों में बर्ड वाचिंग और माउंटेन ट्रेल्स के विकास से ईको-टूरिज्म को नई गति मिलेगी।

भारत का डेटा सेंटर हब बनने की राह पर

मध्य प्रदेश की केंद्रीय भौगोलिक स्थिति इसे डेटा केंद्रों के लिए आदर्श बनाती है। बजट में विदेशी डेटा कंपनियों के लिए टैक्स हॉलीडे की घोषणा राज्य के लिए गेम-चेंजर साबित हो सकती है। इससे एआई और क्लाउड कंप्यूटिंग के बुनियादी ढांचे में सुधार होगा और युवाओं के लिए हाई-टेक नौकरियों के अवसर पैदा होंगे। इलेक्ट्रॉनिक्स विनिर्माण क्लस्टर और रोबोटिक्स में सहयोग से मध्य प्रदेश तकनीक के क्षेत्र में अग्रणी बनेगा।

10,000 करोड़ का बड़ा निवेश

देश में बायो-फार्मा विनिर्माण के लिए 10,000 करोड़ रुपये के प्रावधान से मध्य प्रदेश का फार्मा सेक्टर नई ऊंचाइयों को छुएगा। राज्य में मौजूद फार्मा हब को उन्नत किया जाएगा और क्लीनिकल ट्रायल साइटों के नेटवर्क से चिकित्सा अनुसंधान को बढ़ावा मिलेगा। इसके अतिरिक्त, 200 पुराने औद्योगिक क्लस्टरों को पुनर्जीवित करने की योजना से पुराने औद्योगिक क्षेत्रों का आधुनिकीकरण होगा।

आईपीएस अफसरों पर बढ़ा प्रतिनियुक्ति का दबाव

नियमों में हुए बदलाव, 2011 और बाद के अधिकारियों पर पड़ेगा असर

भोपाल। केंद्र सरकार द्वारा आईपीएस अधिकारियों के एम्पेनलमेंट नियमों में किए गए बदलाव के बाद मप्र कैडर के आईपीएस अफसरों पर केंद्रीय प्रतिनियुक्ति पर जाने का बड़ा दबाव बन गया है। नए नियमानुसार 2011 बैच और उसके बाद के आईपीएस अधिकारियों को केंद्र सरकार में आईजी स्तर पर एम्पेनलमेंट पाने से पहले एसपी या डीआईजी रैंक पर कम से कम दो साल की केंद्रीय प्रतिनियुक्ति अनिवार्य रूप से पूरी करनी होगी।

इस फैसले को केंद्र की उस नीति की अगली कड़ी के तौर पर देखा जा रहा है, जिसके तहत करीब चार महीने पहले केंद्र सरकार ने मध्य प्रदेश सरकार को पत्र भेजकर आईपीएस अधिकारियों को केंद्रीय प्रतिनियुक्ति पर भेजने को लेकर पुलिस मुख्यालय को कहा था। उस पत्र में स्पष्ट रूप से कहा गया था कि केंद्र के अधीन विभिन्न विभागों और केंद्रीय पुलिस संगठनों में एसपी और डीआईजी स्तर पर अधिकारियों की कमी है और राज्यों से पर्याप्त संख्या में अफसर उपलब्ध नहीं कराए जा रहे हैं।

आईपीएस को दो साल का डेप्युटेशन जरूरी

अब नए एम्पेनलमेंट नियम लागू होने के बाद यह पत्र एक तरह से अनिवार्यता में बदल गया है। मप्र कैडर के वे आईपीएस अधिकारी, जिन्होंने अब तक केंद्रीय प्रतिनियुक्ति नहीं ली है, उनके लिए भविष्य में केंद्र में सेवा देना लगभग अनिवार्य सा हो गया है। यदि वे आगे चलकर केंद्र सरकार में आईजी स्तर के लिए एम्पेनल्ड होना चाहते हैं, तो उन्हें तय अवधि तक कम से कम दो साल के लिए केंद्रीय प्रतिनियुक्ति पर जाना ही होगा।

इन अफसरों को जाना होगा दिल्ली

मप्र कैडर के 2011 बैच के रियाज इकबाल, राहुल लोढ़ा, सिमाला प्रसाद और डॉ. असित यादव तथा 2012 बैच के मयंक अवस्थी, विवेक सिंह, कुमार प्रतीक, शिव दयाल और शैलेन्द्र सिंह चौहान ऐसे अधिकारी हैं, जो अब तक केंद्रीय प्रतिनियुक्ति पर नहीं गए है। ये सभी अफसर अब डीआईजी हो गए हैं, इन अफसरों को अब तीन-चार साल के भीतर केंद्रीय प्रतिनियुक्ति पर जाना होगा। नियमानुसार डीआईजी पद पर आईपीएस अफसर को चार साल की सेवाएं देना होती है। ऐसे में वर्ष 2011 के बैच के अफसरों के पास अब तीन साल का समय है, जबकि 2012 बैच के अफसरों के पास चार साल का समय है। इसके बाद के बैच के अफसरों के पास चार साल से ज्यादा का समय है, जिसमें वे केंद्र में जाने का निर्णय ले सकते हैं।

एसपीएस से आईपीएस की संख्या ज्यादा

ऐसा माना जा रहा है कि इस फैसले का उद्देश्य केंद्रीय पुलिस संगठनों और मंत्रालयों में एसपी और डीआईजी स्तर पर लंबे समय से खाली पड़े पदों को भरना है।

सरकार लोगों को जहरीला पानी पिला रही है

राज्यसभा में उठा इंदौर में दूषित-पानी से मौत का मामला, कांग्रेस के प्रमोद तिवारी ने कहा

भोपाल । इंदौर के भागीरथपुरा में दूषित पानी से हुई 29 से अधिक मौतों का मामला राज्यसभा में गूंजा है। कांग्रेस के राज्यसभा सदस्य प्रमोद तिवारी ने सदन में इस मामले को उठाते हुए कहा है कि पानी सबसे गंभीर विषय है और जहरीला पानी सरकार पिला रही है, इसमें कोई दो राय नहीं है। तिवारी ने कहा कि इस विभाग में जितना करप्शन है, शायद किसी और विभाग में उतना करप्शन नहीं है। इसलिए इस पर गंभीरता से विचार होना चाहिए। उन्होंने केंद्रीय मंत्री से आग्रह किया कि इसकी कार्ययोजना से अवगत कराएं।

सोमवार को राज्यसभा में सभापति सीपी राधाकृष्णन की मौजूदगी में कांग्रेस से राजस्थान से सदस्य प्रमोद तिवारी ने कहा कि यह एक गंभीर विषय है। मानवता से जुड़ा है। हिन्दुस्तान के हर आदमी से जुड़ा सवाल है। इसलिए सदन का ध्यान खींचना चाहता हूं। मंत्री भी गुजरात से हैं। गांधी नगर गुजरात में प्रदूषित जल पीकर कितने लोग बीमार हुए। इंदौर में कितने लोग मरे, 29 लोग मरे हैं, यह हालिया स्थिति है। राज्य मंत्री तो लडखड़ा रहे हैं, कैबिनेट मंत्री उठिए, मोर्चा संभालिए। मैं जानना चाहता हूं कि विश्व की मानवता से जुड़ा हुआ, हर इंसान से जुड़ा एक महत्वपूर्ण सवाल है। क्या सदन को आश्वस्त करेंगे कि जो ग्राउंड वाटर है, उसकी क्वालिटी बेहतर करने के लिए क्या कार्ययोजना आपके पास है।

क्या केंद्र ने राज्य से सवाल किया, रिपोर्ट मांगी

राज्यसभा में महाराष्ट्र से राज्यसभा सदस्य इमरान प्रतापगढ़ी ने कहा कि मध्य प्रदेश के इंदौर में दूषित पानी पीने से 30 से ज्यादा लोगों की मौत हो चुकी है। इसलिए वे विभागीय मंत्री से पूछना चाहते हैं कि इन मौतों का जिम्मेदार किसको माना जा रहा है? क्या इसमें सिर्फ राज्य सरकार की जिम्मेदारी है? क्या जल शक्ति मंत्रालय ने इसमें संज्ञान लेते हुए राज्य सरकार से सवाल किया? क्या इस मामले में राज्य सरकार ने कोई रिपोर्ट प्रस्तुत की? इसकी जानकारी दी जाए।

सांसद डॉ. सैयद नासिर हुसैन ने भी सवाल पूछे थे

इससे पहले कर्नाटक से राज्यसभा सांसद और कांग्रेस नेता डॉ. सैयद नासिर हुसैन ने राज्यसभा में इंदौर के स्वच्छता और जल आपूर्ति सिस्टम को लेकर सरकार से सीधे सवाल पूछे थे।

इंदौर में दूषित पानी से अब 32 लोगों की मौत

गौरतलब है कि इंदौर में भागीरथपुरा में दूषित पानी पीने से मौतों का सिलसिला जारी है। आज भी एक व्यक्ति की मौत अस्पताल में इलाज के दौरान हो गई है। इंदौर में दूषित पानी से मौत का आंकड़ा अब 32 तक पहुंच गया है।

राज्यसभा के लिए भाजपा नेताओं रामप्रकाश वंशकार और डॉ. अभिजीत देशममुख की दावेदारी

अप्रैल में मध्यप्रदेश से खाली होने वाली है 3 सीट

भोपाल। मध्यप्रदेश भाजपा में राज्यसभा के लिए आगामी अप्रैल माह में रिक्त होने वाली 3 सीट के लिए नेताओं ने दावेदारी शुरू कर दी है। इसके लिए दावेदारों के पत्र में उनके समाज ने पार्टी के राष्ट्रीय अध्यक्ष से लेकर प्रदेश अध्यक्ष, मुख्यमंत्री एवं प्रदेश संगठन महामंत्री को पत्र भी लिखा।

मप्र से राज्सभा के तीन सदस्यों कांग्रेस से दिग्विजय सिंह, भाजपा से केन्द्रीय मंत्री जार्ज कुरियन एवं प्रदेश महामंत्री डॉ सुमेर सिंह सोलंकी का कार्यकाल समाप्त हो रहा है। इसके लिए भाजपा नेताओं ने अपनी अपनी दावेदारी शुरु कर दी है।

बसोर वशंकार समाज ने पार्टी के राष्ट्रीय अध्यक्ष से लेकर प्रगदेश अध्यक्ष एवं मुख्यमंत्री को पत्र लिख कर राज्यसभा के लिए अनुसूचित जाति मोर्चा के प्रदेश उपाण्यक्ष एवं कार्यालय प्रभारी रह चुके रामप्रकाश वंशकार को टिकट दिए जाने की मांग की है। जिसमें वंशकार के द्वारा पिछले 30 वर्षो से पार्टी संगठन में किए गए कामों के बारे में बताया गया है वंशकार समाज ने अपने पत्र में लिखा है देश की आजादी के बाद से अनुसूचित जाति की सभी जातियों के लोगों को अवसर दिया गया है लेकिन उनके समाज से अभी तक न तो किसी को विधायक बनाया है और न ही सासंद। इसलिए समाज पार्टी मांग कर रह है कि नेता रमप्रकाश वंशकार को राज्यसभा भेजा जाए।

इसी तरह भाजपा के एक और नेता डॉ. अभिजीत देशमुख भी राज्यसभा के लिए दावेदारी कर रहे हैं। वह वर्तमान में भाजपा चिकित्सा प्राकेष्ठ के प्रदेश संयोजक होने के साथ ही आरोग्य भरती के जिला संयोजक है। देशममुख संघ के करीबी हे। इस नाते उनकी दावेदारी भी मजबूत मानी जा रही है। अगर राज्यसभा के लिए संघ की बात पर पार्टी टिकट देता है तो देशमुख को टिक्ट मिलना आसान हो जाएगा।

समाधान योजना के प्रथम चरण में 05 लाख 26 हजार से अधिक उपभोक्तादओं ने लिया सौ फीसदी तक सरचार्ज में छूट का लाभ

दूसरा चरण शुरू, 28 फरवरी तक एकमुश्तक जमा करने पर सरचार्ज में मिलेगी 90 प्रतिशत छूट

भोपाल। मध्य प्रदेश सरकार की समाधान योजना 2025-26 के प्रथम चरण में 31 जनवरी 2026 तक 5 लाख 25 हजार से अधिक बकायादार उपभोक्तगओं ने सौ फीसदी तक सरचार्ज में छूट का लाभ उठाया है। 01 फरवरी से द्वितीय चरण की शुरूआत हो चुकी है जो कि 28 फरवरी तक चलेगा। मध्यस क्षेत्र विद्युत वितरण कंपनी ने कहा है कि पिछले साल 3 नवंबर से शुरू हुई समाधान योजना 2025-26 में शामिल होकर लाखों बकायादार उपभोक्ता ओं ने सौ फीसदी तक छूट का लाभ लिया। कंपनी ने उपभोक्ता2ओं से अपील की है कि तीन माह से अधिक के बकायादार उपभोक्ताभ योजना के प्रथम चरण में शामिल नहीं हो पाए वे अब द्वितीय चरण में शामिल होकर अपना बकाया बिल एकमुश्ति जमा करके 90 फीसदी तक सरचार्ज माफी का लाभ उठा सकते हैं।

मध्य प्रदेश सरकार की समाधान योजना 2025-26 के प्रथम चरण में मध्यत क्षेत्र विद्युत वितरण कंपनी के 5 लाख 26 हजार 412 बकायादार उपभोक्तोओं ने अपना पंजीयन कराकर लाभ लिया है। मध्यज क्षेत्र विद्युत वितरण कंपनी के खाते में 533 करोड़ 14 लाख से अधिक की मूल राशि जमा हुई है, जबकि 263 करोड़ 84 लाख रूपए का सरचार्ज माफ किया गया है।

मध्य प्रदेश सरकार की समाधान योजना 2025-26 के लागू होने से ऐसे अनेक उपभोक्ता हैं जो बकाया बिल जमा कर रहे हैं और एकमुश्त0 बकाया राशि जमा करने पर अधिकतम छूट का लाभ ले रहे हैं। यह योजना उन बकायादार उपभोक्ताओं के लिए वरदान बनी है जो सरचार्ज के कारण मूलधन राशि जमा नहीं कर पा रहे थे। अब उन्हें समाधान योजना के द्वितीय चरण में सरचार्ज में 50 से लेकर 90 प्रतिशत तक छूट के साथ एकमुश्तय अथवा किस्तों में भुगतान करने का विकल्प मिल रहा है।

समाधान योजना 2025-26

॰ एक नजर में

समाधान योजना 2025-26 का उद्देश्य 3 माह से अधिक अवधि के उपभोक्ताओं को बकाया विलंबित भुगतान के सरचार्ज पर छूट प्रदान करना है। यह योजना जल्दी आएं, एकमुश्त भुगतान कर ज्यादा लाभ पाएं के सिद्धांत पर आधारित है। इस योजना में द्वितीय और अंतिम चरण 01 फरवरी से शुरू हो चुका है जो कि 28 फरवरी 2026 तक चलेगा। दूसरे चरण में एक मुश्तच भुगतान करने पर 70 से 90 फीसदी तथा किस्तोंा में भुगतान करने पर 50 से 60 फ़ीसदी तक सरचार्ज माफ किया जा रहा है। समाधान योजना 2025-26 का लाभ उठाने के लिए उपभोक्ताओं को म.प्र. मध्या क्षेत्र विद्युत वितरण कंपनी भोपाल हेतु portal.mpcz.in पर पंजीयन कराना होगा।

मंदसौर पुलिस की अवैध मादक पदार्थों के विरूद्ध बड़ी कार्रवाई

भोपाल । प्रदेश में नशे के अवैध कारोबार के विरुद्ध मध्यप्रदेश पुलिस द्वारा लगातार सख्त एवं प्रभावी कार्यवाही की जा रही है। इसी क्रम में मंदसौर जिले की थाना सिटी कोतवाली पुलिस ने लगभग 1 करोड़ 50 लाख रूपए से अधिक की एमडी ड्रग ?स के साथ दो आरोपियों को गिरफ्तार किया है।

यह कार्यवाही पुलिस अधीक्षक मंदसौर श्री विनोद कुमार मीना के मार्गदर्शन में अतिरिक्त पुलिस अधीक्षक मंदसौर श्री टी.एस. सिंह बघेल एवं नगर पुलिस अधीक्षक मंदसौर श्री जितेन्द्र सिंह भास्कर के निर्देशन में तथा थाना प्रभारी कोतवाली श्री पुष्पेन्द्र सिंह राठौर के नेतृत्व में की गई।

01 फरवरी को थाना कोतवाली को मुखबिर से सूचना प्राप्त हुई कि देवलजी, जिला प्रतापगढ़ (राजस्थान) निवासी गुलशेर खान पठान एमडी ड्रग्स नंदकिशोर उर्फ नंदु को बेचने मंदसौर आ रहा है। सूचना पर थाना कोतवाली पुलिस ने मुखबिर के बताए स्?थान पर कार्रवाई करते हुए गुलशेर खान पठान एवं उसके साथ मौजूद नंदकिशोर उर्फ नंदु को धर दबोचा। तलाशी के दौरान दोनों आरोपियों के कब्जे से 01 किलो 500 ग्राम अवैध एमडी ड्रग्स, जिसकी अंतरराष्ट्रीय बाजार में अनुमानित कीमत 1 करोड़ 50 लाख है, बरामद की गई। इसके अतिरिक्त 7,000 कीमत का अवैध डोडाचूरा तथा घटना में प्रयुक्त दो मोटरसाइकिल भी जब्त की गईं।

जामवाल ही संभालेंगे प्रदेश भाजपा संगठन की कमान

संघ नए प्रदेश संगठन महामंत्री को लेकर पड़ोसी राज्यों के नताओं में कर रहा तलाश

भोपाल । मध्यप्रदेश भाजपा संगठन की पिछले चार वर्षो से कमान संभाल रहे हितानंद को संगठन महामंत्री के पद से हटाने के बाद अब अगले प्रदेश संगठन महामंत्री के नाम को लेकर राजनीतिक विशलेषक कयास लगा रहें है। हालांकि संघ इस बारें में कोई विचार नही कर रहा है। इसके पीछे जो कारण बताए जा रहे हे। वह भी काफी चौकानें वाले है।

हिताननंद को प्रदेश सह बोदि्धक प्रमुख बनाए जाने के साथ ही प्रदेश संगठन महामंत्री का काम क्षेत्रीय संगठन महामंत्री अजय जामवाल को दे दिया गया है। लेकिन जामवाल इस जवाबदारी को कितने दिन संभालेंगे यह भी चर्चा का विषय बना हुअ है। माना जा रहा है कि संघ ने अगले प्रदेश संगठन महामंत्री के नाम को लेकर नाम तय कर लिया है लेकिन अभी घोषणा नही की जाएगी। इसके पीछे जो कारण बताए जा रहे है वह यह है कि अगर अजय जामवाल इस पद का दायित्व पूर्ण रूप से संभालने के लिए तैयार हो जाते है तो संघ उन्हें ही पूर्ण दायित्व सौप सकता है।

- संघ नया प्रयोग करने के प्रयास में

इसके अलावा संघ यह भी सोच कर चल रहा है कि अगर प्रदेश में संगठन महामंत्री के पद की जरूरत नही हुई तो फिर इस पद पर किसी को नही लाया जाएगा। इसके पीछे जो कारण बताए जा रहे है वह यह है कि पिछले करीब चार-पांच वर्षो से राजस्थान में भी गठन महामंत्री का पद खाली है और ऐसे में भाजपा ने दो वर्ष पूर्व सत्ता में वापसी की हे। ऐसे में माना जा रहा है कि यदि संघ को लगाता है कि मध्यप्रदेश में भी भाजपा को प्रदेश संगठन महामंत्री के बगैर चलाया जा सकता है। तो फिर नए व्यक्ति को इस पद पर लाने से कोई फायदा नहीं होगा।

- यह भी एक बजह

मध्यप्रदेश में विधानसभा और लोकसभा चुनाव के समय टिक्ट वितरण को लेकर काफी सवाल उठे थे तब भी प्रदेश संगठन द्वारा अपनों को उपकृत करने को लेकर आरोप लगाए गए थे हालांकि प्रदेश में भाजपा की ऐतिहासिक जीत ने इन सब मामलें पर विराम लगा दिया था । उसी समय से प्रदेश संगठन महामंत्री को बदलने की कवायद प्रारंभ हो गई थी। संघ अब प्रदेश संगठन महामंत्री के पद पर प्रदेश के बाहर के नेता को इस पद पर आसीन करने को लेकरा विचार कर रहा है। अब देखना यह है कि अगर प्रदेश में नए संगठन महामंत्री के पद पर किसी को नियुक्त किया जाता है तो फिर वह किस प्रदेश से होगा । माना यह भी जा रहा है कि प्रदेश संगठन महामंत्री के पद पर उत्तरप्रदेश,बिहार या फिर महाराष्ट, जैसे बडे राज्यों से संघ के किसी नेता को यहां दायित्व दिया जा सकता है।

महिने के अंत तक सभी जिलों की कार्यकारिणी का हो जाएगा गठन

मप्र कांग्रेस में जिला कार्यकारिणी का गठन शुरू

भोपाल। मिशन-2028 की तैयारियों में जुटी मप्र कांग्रेस कमेटी ने लंबे इंतजार के बाद जिला कार्यकारिणी का गठन शुरू कर दिया है। पार्टी दो दिन में चार जिलों-सागर, छिदवाड़ा, मऊगंज व झाबुआ की कार्यकारिणी घोषित कर चुकी है। आने वाले दिनों में चरणबद्ध तरीके से अन्य जिलों की कार्यकारिणी घोषित की जाएगी। कोशिश है कि फरवरी अंत तक सभी 71 जिलों की कार्यकारिणी घोषित कर दी जाए। हालांकि यह किसी चुनौती से कम नहीं है। वरिष्ठ कांग्रेस नेताओं का कहना है कि अधिकतर जिला कार्यकारिणी के नाम फाइनल हो गए हैं। उनकी औपचारिक घोषणा होना बाकी है। कुछ जिलों की कार्यकारिणी के नामों पर मंथन चल रहा है। कार्यकारिणी के साथ ही पार्टी करीब 250 ब्लॉक अध्यक्षों की नियुक्ति की तैयारी में है। अब तक 800 से ज्यादा ब्लॉक अध्यक्षों की नियुक्तियां की जा चुकी हैं। बता दें कि मप्र में जिला कांग्रेस अध्यक्षों की घोषणा अगस्त में हुई थी, लेकिन जिलाध्यक्ष बने पांच माह बीत जाने के बाद भी जिला कार्यकारिणी की घोषणा नहीं किए जाने से स्थानीय नेताओं में असंतोष पैदा होने लगा है। विधानसभा नेता प्रतिपक्ष उमंग सिंघार ने भी संगठन के गठन में देरी को लेकर भोपाल में मीडिया से चर्चा में कहा था कि जितनी जल्दी संगठन मजबूत ढांचे में बदलेगा, उतनी ही बेहतर चुनावी तैयारी होगी। हम जितनी जल्दी संगठन बनाएंगे, उतनी ही मजबूती से चुनाव की तैयारी कर पाएंगे। इसकेतीन दिन बाद शुक्रवार को पीसीसी ने तीन जिला कार्यकारिणी और 18 जिला संगठन महासचिवों की घोषणा कर दी। मध्य प्रदेश कांग्रेस के संगठन महासचिव डॉ. संजय कामले का कहना है कि संगठन के गठन की प्रक्रिया तेजी से जारी है। जिला, ब्लॉक, पंचायत एवं वार्ड स्तर पर नियुक्तियां की जा रही है। हमारी कोशिश है कि जल्द से जल्द संगठन के गठन का काम पूरा कर लिया जाए, ताकि पूरी ताकत से आगामी विधानसभा चुनाव की तैयारियों में जुटा जा सके।

शिक्षक वर्ग-3 की भर्ती परीक्षा का परिणाम जारी नहीं होने से अभ्यर्थी परेशान

भोपाल। मध्य प्रदेश कर्मचारी चयन मंडल (ईएसबी) द्वारा आयोजित प्राथमिक शिक्षक(वर्ग-3) की चयन परीक्षा-2025 और आबकारी आरक्षक भर्ती-2024 के परिणाम घोषित नहीं होने से हजारों अभ्यर्थी परेशान हो रहे हैं। वर्ग-3 की परीक्षा को चार माह से अधिक समय बीत जाने के बावजूद परिणाम जारी न होने से अभ्यर्थियों में निराशा बढ़ रही है। प्राथमिक शिक्षक चयन परीक्षा-2025 का आयोजन नौ से 13 अक्टूबर 2025 के बीच किया गया था। इस परीक्षा के माध्यम से 13,129 पदों पर भर्ती होनी है, जिसके लिए कुल 1,10,745 अभ्यर्थियों ने आवेदन किया था। अभ्यर्थी अमन शर्मा का कहना है कि परिणाम में हो रही देरी से पूरी नियुक्ति प्रक्रिया प्रभावित होगी। काउंसलिंग, दस्तावेज सत्यापन और अंतिम नियुक्ति में अनावश्यक विलंब की आशंका बढ़ गई है। उधर, ईएसबी ने माध्यमिक व प्राथमिक शिक्षक पात्रता परीक्षा की जुलाई-अगस्त में होगी। वर्ग-3 के अभ्यर्थी सोमवार को अपनी मांग को लेकर भोपाल में प्रदर्शन करेंगे।

आरक्षक भर्ती का परिणाम जारी

अभ्यर्थी दीपक खजूरिया ने कहा कहना है कि प्राथमिक शिक्षक परीक्षा के बाद आयोजित पुलिस आरक्षक भर्ती-2025 के पहले चरण के परिणाम 25 जनवरी को घोषित कर दिए गए। पुलिस आरक्षक भर्ती परीक्षा 30 अक्टूबर से 15 दिसंबर 2025 के बीच आयोजित हुई थी। ऐसे में अभ्यर्थियों का सवाल है कि जब बाद में हुई परीक्षा का परिणाम जारी किया जा सकता है, तो पहले आयोजित प्राथमिक शिक्षक भर्ती का रिजल्ट जारी किया जाए।

इंग्लैंड ने दूसरे टी20 क्रिकेट मैच में श्रीलंका को 6 विकेट से हराया

कोलंबो। हैरी ब्रूक की आक्रामक बल्लेबाजी से इंग्लैंड ने यहु दूसरे टी20 क्रिकेट मैच में भी मेजबान श्रीलंका को हराकर तीन मैचों की सीरीज में 2-0 की अजेय बढ़त हासिल कर ली है। बर्षा बाधित इस मैच में मेहमान टीम इंग्लैंड ने डकवर्थ लुइस नियम के तहत 6 विकेट से जीत हासिल की। वहीं पहले मैच में भी श्रीलंकाई टीम 11 रन से हार गयी थी। दूसरे मैच में पहले बल्लेबाजी करते हुए श्रीलंका ने 5 विकेट के नुकसान पर 189 रन बनाये। वहीं दूसरी पारी में बारिश के कारण इंग्लैंड को 17 ओवर में 168 रन का संशोधित लक्ष्य मिला।जिसे इंग्लैंड टीम ने टॉम बैंटन के अर्धशतक और कप्तान हैरी ब्रूक की आक्रामक पारी से 16.4 ओवर में ही 4 विकेट पर 173 रन बनाकर हासिल कर लिया।

लक्ष्य का पीछा करते हुए इंग्लैंड की टीम ने एक समय 7.2 ओवर में ही 60 रनों के अंदर 2 विकेट खो दिये थे। बारिश के कारण इंग्लैंड को जीत के लिए 17 ओवर में 168 रन का संशोधित लक्ष्य मिला। इसके बाद बैंटन ने 33 गेंदों में 54 रन जबकि जोस बटलर ने 39 रन बनाए। ब्रूक ने केवल 12 गेंदों में 36 रन बना दिये। वहीं सैम करन 20 रन बनाकर आउट नहीं हुए।

वहीं इससे पहले श्रीलंका की ओर से ओपनर पथुम निसांका और कामिल मिशरा श्रीलंका को अच्छी शुरुआत दिलाई और टीम का स्कोर 11 ओवर में दो विकेट पर 106 रन पहुंच गया। वहीं पवन रत्नायके ने सबसे ज्यादा 40 रन बनाए। निसांका ने 22 गेंदों में 34 रन जबकि कुसल मेंडिस ने 17 गेंदों पर 32 रन बनाये। इंग्लैंड के लिए जोफ्रा आर्चर ने दो विकेट लिए जबकि विल जैक्स, लियाम डॉसन और आदिल रशीद को एक-एक विकेट मिला।

भारतीय टीम समय पर स्टेडियम पहुंचेगी, मैच रैफरी के आधिकारिक फैसले का इंतजार करेगी

सूर्यकुमार टॉस के लिए उतरेंगे

मुम्बई । पाकिस्तान के भारत के खिलाफ टी20 विश्वकप क्रिकेट मुकाबला नहीं खेलने की घोषणा के बाद भी भारतीय टीम इस मैच के लिए तय कार्यक्रम के अनुसार श्रीलंका जाएगी। वहीं अंतरराष्ट्रीय क्रिकेट परिषद (आईसीसी) ने पाक से अपने फैसले पर फिर विचार करने को कहा है पर अगर पाक ऐसा नहीं करता तो उसे नुकसान होना तय है। इसका कारण है कि भारतीय टीम पाक के खिलाफ इस मैच के लिए स्टेडियम पहुंचेगी। भारतीय कप्तान सूर्यकुमार यादव टॉस के लिए कोलंबो के मैदान पर भी जाएंगे। वहीं पाक के नहीं उतरने से भारतीय टीम को विजयी मानते हुए दो अंक मिल जाएंगे।

पाकिस्तान क्रिकेट बोर्ड (पीसीबी) ने मैच के बहिष्कार को लेकर अपनी सरकार के फैसले का समर्थन किया है। वहीं भारतीय टीम आईसीसी के नियमों का पालन करते हुए श्रीलंका जाएगीअभ्यास करेगी, प्रेस कॉन्फ्रेंस करेगी, समय पर स्टेडियम पहुंचेगी और मैच रेफरी के आधिकारिक तौर पर मैच रद्द करने का इंतजार करेगी।

आईसीसी के नियमों के अनुसार वॉकओवर तभी दिया जाता है जब कोई टीम टॉस के लिए मैदान पर नहीं पहुंचती। ऐसे में भारतीय कप्तान सूर्यकुमार के टॉस के लिए आने की उम्मीद है। वहीं अगर उस समय पाकिस्तान के कप्तान सलमान अली आगा नहीं आते हैं, तो मैच रेफरी भारत को वॉकओवर देगा और भारत को दो अंक मिल जाएंगे. वहीं आईसीसी ने पाकिस्तान के इस फैसले पर नाराजगी जताय है और उसने सवाल उठाते हुए चेतावनी दी है कि इससे पाक पर सख्त कार्रवाई हो सकती है। आईसीसी ने कहा, 'उम्मीद है पीसीबी अपने देश में क्रिकेट पर पड़ने वाले बड़े और लंबे समय के असर पर विचार करेगा, क्योंकि इस फैसले का प्रभाव वैश्विक क्रिकेट पर पड़ेगा।' आईसीसी ने साथ ही कहा कि ये फैसल पाक खिलाड़ियों और प्रशंसकों के लिए नुकसानदेह साबित होगा।

पाकिस्तान के खिलाफ कड़ी कार्रवाई कर सकती है आईसीसी

दुबई । पाकिस्तान सरकार और क्रिकेट बोर्ड (पीसीबी) ने अपनी अकड़ में भारत के खिलाफ टी20 विश्वकप मैच के बहिष्कार की घोषणा की है। ये घोषणा उसके पतन का कारण भी बन सकती हैं। इससे पहले से ही आर्थिक संकटों में फंसा पीसीबी और अधिक उसमें डूब सकता है। वहीं इस मामले में अंतरराष्ट्रीय क्रिकेट परिषद (आईसीसी) भी उसके खिलाफ प्रतिबंध सहित कई और कठोर कदम उठा सकती है। आईसीसी ने पीसीबी के फैसले पर कड़ी नाराजगी जताते हुए कहा है कि अगर वो टी20 वर्ल्ड कप में तय कार्यक्रम के मुताबिक नहीं खेला तो उसके खिलाफ कड़े कदम उठाए जाएंगे। अब देखना होगा कि आईसीसी उसके खिलाफ क्या कार्रवाई कर सकता है। इस मामले में आईसीसी पाक टीम को पूरे टूर्नामेंट के लिए प्रतिबंधित कर सकता है। वहीं पीसीबी को मिलने वाला राजस्व रोका जा सकता है। पीसीबी से प्रसारकों को राजस्व नुकसान की भरपाई करने को कहा जा सकता है। इसके अलावा द्विपक्षीय सीरीज पर रोक लगायी जा सकती है। विश्व टेस्ट चैम्पियनशिप (डब्ल्यूटीसी) अंक और आईसीसी रैंकिंग भी घटाई जा सकती है। इसके अलावा पीएसएल में विदेशी खिलाड़ी के खेलने पर प्रतिबंध लगाया जा सकता है।

पाकिस्तान के आईसीसी टूर्नामेंट में खेलने पर प्रतिबंध लगाया जा सकता है। इसके अलावा उसे दी जाने वाली सहायता भी रोकी जा सकती है। भारत-पाक टी20 मैच के लिए विज्ञापन की दर 25 लाख से 40 लाख रुपये प्रति 10 सेकेंड के बीच होती है। इससे विज्ञापन राजस्व नुकसान 200 करोड़ रुपये से अधिक हो सकता है हो पीसीबी से भरने को कहा जाएगा। पाकिस्तान को सबसे अधिक राजस्व पीएसएल से मिलता पर आईसीसी उसमें विदेशी खिलाड़ियों के भाग लेने पर रोक लगा सकती है।

पाक को भारी पड़ेगा भारत से नहीं खेलना, कड़े कदम उठा सकता है श्रीलंकाई बोर्ड

कोलंबो । पाकिस्तान सरकार का टी20 विश्वकप क्रिकेट में भारतीय टीम के खिलाफ मैच का बहिष्कार करने का अपना फैसला भारी पड़ने जा रहा है। भारत और पाक के बीच ये मैच 15 फरवरी को कोलंबो में होना है पर पाक सरकार के इंकार के बाद अंतरराष्ट्रीय क्रिकेट परिषद (आईसीसी) और श्रीलंकाई बोर्ड की मुश्कलें बढ़ गयी हैं जिसने इस मैच के लिए सभी इंतजाम पूरे कर लिए हैं। पाकिस्तान क्रिकेट बोर्ड (पीसीबी) अपनी सरकार के फैसले का समर्थन करते हुए कहा कि उसकी टीम भारत के खिलाफ मैच में नहीं उतरेगी। पीसीबी के इस फैसले पर आईसीसी ने उसे चेतावनी देते हुए विचार करने को कहा है। इस पूरे मामले में अब श्रीलंका क्रिकेट बोर्ड भी कड़े कदम उठा सकता है।

इसका कारण है कि भारत-पाक के मुकाबले से मोटी कमाई होती है। ऐसे में अगर 15 फरवरी को यह मुकाबला नहीं हुआ तो श्रीलंका का पर्यटन कारोबार भी प्रभावित होगा। वहीं एक रिपोर्ट के अनुसार श्रीलंकाई क्रिकेट बोर्ड इस पूरे मामले पर नजर रखे हुए है। वह आईसीसी को इस मैच के नहीं होने पर पर्यटन कारोबार को होने वाले नुकसान के बारे में बता सकता है। श्रीलंका क्रिकेट बोर्ड के अधिकारी भारत-पकिस्तान के तय मैच के नहीं होने पर आर्थिक नुकसान और व्यवस्थाओं से आने वावी परिशानियों के आंकलन का प्रयास कर रहे हैं।

भारत और पाक के मैच को लेकर लोगों में जबरदस्त उत्साह रहता है। प्रशंसक मुकाबला देखने के लिए मोटी रकम खर्च करने भी तैयार रहते हैं। इस मैच को देखने के लिए हजारों दर्शक, मीडिया कर्मी और प्रायोजक आते है। जिससे एक ही दिन में काफी अच्छी कमाई हो जाती है। ऐसे में आयोजनकर्ताओं को भारी लाभ होता है। जिस जिस स्थल पर ये मुकाबला होना होता है, उसके आस-पास के इलाकों की भी कमाई बढ़ जाती है। वहीं अगर ये मैच नहीं होता है तो इसका सीधा प्रभाव श्रीलंका पर पड़ेगा। भारत-पाकिस्तान मैच को लेकर कोलंबो के होटलों में पहले से ही भारी संख्या में बुकिंग हो चुकी है और तकरीन सभी कमरे लगभग भर गए हैं पर अब जब मैच को लेकर संशय होने से बड़ी संख्या में बुकिंग रद्द हो सकती है। इसमें विमान कंपनियों को भी नुकसान हो सकता है, क्योंकि इस मैच को लेकर आशंकाएं हावी होने से अब टिकट बुक नहीं होंगे। इसके अलावा टूर ऑपरेटर और स्थानीय कारोबारी भी अब संभावित नुकसान को लेकर परेशान हैं।

टी20 विश्वकप के लिए फिट हुए तिलक

मुंबई। भारतीय क्रिकेट टीम के लिए एक अच्छी खबर है। बल्लेबाज तिलक वर्मा टी20 विश्वकप के लिए फिट हो गये है। तिलक को भारतीय क्रिकेट बोर्ड (बीसीसीआई) के सेंटर ऑफ एक्सीलेंस ने खेलने की अनुमति दे दी है। ऐसे में अब वह टी20 विश्व कप से पहले दो अभ्यास मैच खेलकर मुकाबले के लिए लय हासिल करेंगे। तक की कुछ समय पहले ही सर्ज़री हुई थी और इसी का वह न्यूजीलैंड के खिलाफ सीरीज से भी बाहर थे। भारतीय टीम को 2026 टी20 विश्व कप के पहले मैच में 7 फरवरी को मुंबई के वानखेड़े स्टेडियम में यूएसए से खेलना है। तिलक के न्यूज़ीलैंड के खिलाफ टी20 सीरीज से बाहर होने पर भारतीय टीम ने उनकी जगह पर ईशान किशन को शामिल किया था। ईशान ने सीरीज में जबरदस्त प्रदर्शन किया था। ऐसे में तिलक की वापसी के बाद उन्हें पारी की शुरुआत के लिए भेजा जा सकता है। से में भारत ने लगभग सभी मैचों में नंबर तीन पर इशान किशन को खिलाया। वहीं ऑलराउंडर वॉशिंगटन सुंदर के भी विश्वकप तक फिट होने की उम्मीद है। भारतीय टीम को 2026 टी20 विश्व कप के लिए ग्रुप ए में है और उसका पहला मुकाबला 7 फरवरी को मुंबई में अमेरिका से होगा।

अभिषेक टी20 विश्कप में सबसे अधिक रन बनाएंगे - पोंटिंग

सिडनी । ऑस्ट्रेलियाई क्रिकेट टीम के पूर्व कप्तान रिकी पोंटिंग ने भारतीय टीम के युवा सलामी बल्लेबाज अभिषेक शर्मा की जमकर प्रशंसा करते हुए कहा है कि वह सात फरवरी से शुरु होने जा रहे टी20 विश्वकप में सबसे अधिक रन बनाने वाले बल्लेबाज बनेंगे। विश्वकप संयुक्त रु से भारत और श्रीलंका में खेला जाएगा। टूर्नामेंट में कई दिग्गज बल्लेबाजों के होते हुए भी पूर्व ऑस्ट्रेलियाई कप्तान का मानना है कि अभिषेक रनों के मामले में सबसे आगे रहेंगे इस पूर्व कप्तान ने अभिषेक की प्रशंसा करते हुए कहा है कि वह अच्छी लय में है और उसे घरेलू हालातों का लाभ मिलेगा। ऐसे में उसे आईसीसी टूर्नामेंट्स का अनुभव न होने पर भी नुकसान नहीं होगा। वह पहली बार कोई आईसीसी टूर्नामेंट खेलने के कारण निडर होकर उतरेगा। ऐसे में अनुभव की कमी उसके लिए फायदेमंद ही साबित होगी। साथ ही कहा कि उसे इस टूर्नामेंट के सर्वश्रेष्ठ खिलाड़ी का अवार्ड भी मिल सकता है। पोंटिंग ने आगे कहा, अगर वह रन बनाता है तो भारतीय टीम को हराना बेहद कठिन हो जाएगा। और अगर वह नहीं चलता, तो भी भारतीय टीम को कम नहीं आंक सकते।

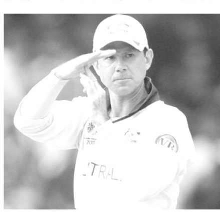

अभिषेक साल 2018 में भारत की अंडर-19 विश्व कप जीतने वाली टीम में शामिल रहे हैं पर टी20 वर्ल्ड कप 2026 सीनियर टीम के साथ उसका पहला विश्वकप होगा।

पोंटिंग ने कहा, मैं उसका पहला आईपीएल कोच रहा था। उसने 17 साल की उम्र में मेरे साथ दिल्ली कैपिटल्स के लिए डेब्यू किया था। मुझे आज भी याद है, पहली ही गेंद पर उसने से चौका या छक्का मारा था। पोंटिंग ने यह भी खुलासा किया कि वह अभिषेक को दिल्ली से ट्रेड करने के फैसले के खिलाफ थे। मैंने प्रबंधन से कई बार कहा था कि उसे मत जाने दो, यहां एक सुपरस्टार बन रहा है। और आज वही हो रहा है।अभिषेक ने हाल में न्यूजीलैंड के खिलाफ टी20 सीरीज में शानदार प्रदर्शन किया है। उन्होंने 4 मैचों में 152 रन बनाए। सीरीज के तीसरे मुकाबले में अभिषेक ने सिर्फ 14 गेंदों में अर्धशतक लगाया था। जो भारत की ओर से टी20 अंतरराष्ट्रीय में दूसरा सबसे तेज़ अर्धशतक है। इससे पहले केवल युवराज के नाम ही 12 गेंदों में ये रिकार्ड है।ऐसे में भारतीय टीम को विश्वकप में अभिषेक से अच्छे प्रदर्शन की उम्मीद रहेगी। ।भारत को ग्रुप में पाकिस्तान, अमेरिका, नामीबिया और नीदरलैंड्स के साथ रखा गया है। भारत अपने अभियान की शुरुआत 7 फरवरी को अमेरिका के खिलाफ करेगा।

सचिन ने ऑस्ट्रेलियन विजेता अल्काराज को बधाई दी

मुम्बई। महान बल्लेबाज सचिन तेंदुलकर क्रिकेट के अलावा अन्य खेलों में भी रुचि लेते हैं और समय-समय पर उनके स्टार खिलाड़ियों की भी प्रशंसा करते रहे हैं। इसी कड़ी में अब सचिन ने अपना पहला ऑस्ट्रेलियन ओपन खिताब जीतने वाले स्पेन के कार्लोस अल्काराज को बधाई दी है। तेंदुलकर ने पूरे ग्रैंड स्लैम टूर्नामेंट में अल्काराज के संयमित खेल को धैर्य की तारीफ की। तेंदुलकर ने साशेल मीडिया में लिखा, इस टूर्नामेंट में सबसे अधिक ध्यान देने योग्य बात ये थी कि अल्काराज ने अभी भी अपना धैर्य नहीं खोया। वह लंबी रैलियों में भी शांत रहे जिससे उनके विरोध खिलाड़ी पर दबाव बना रहा। उन्होंने समझदारी से अपने अवसर तलाशे। जिस तरह से उन्होंने कोर्ट में फुर्ती दिखायी उसकी हम सभी प्रशंसा करते हैं। बधाई हो अल्काराज, वहीं उपविजेता रहे नोवाक जोकोविच ने भी अपनी ओर से अच्छा प्रयास किया था।

अल्काराज फाइनल में जीत के साथ ही करियर ग्रैंड स्लैम पूरा करने वाले सबसे कम उम्र के खिलाड़ी भी बने हैं। बन गए। 22 साल के अल्काराज ने फाइनल में जोकोविच को हराकर अपना सातवां बड़ा खिताब जीता है।

भारत में मिले अनुभवों का लाभ टी20 विश्वकप में मिलेगा - सैंटनर

तिरुवनंतपुरम। न्यूजीलैंड क्रिकेट टीम के कप्तान मिचेल सैंटनर ने कहा कि उनकी टीम का लक्ष्य टी20 विश्व कप में जीत के इरादे से उतरना होगा। इसके लिए उनकी टीम पांच मैचों की टी20 सीरीज में मिले अनुभवों का लाभ उठाएगी। सैंटनर के अनुसार उनकी टीम भारत में अपने पिछले अनुभवों और विभिन्न हालातोंसे तालमेल बिठाने की क्षमता के आधार पर अपना सर्वश्रेष्ठ प्रदर्शन देने का प्रयास करेगी । कीवी टीम को विश्कप में अफगानिस्तान, यूएई, दक्षिण अफ्रीका और कनाडा के साथ ग्रुप बी में रखा गया है। वह ग्रुप चरण के तीन मैच चेन्नई में और एक मैच अहमदाबाद में खेलेगा। इनमें से उसके दो मैच सुबह 11 बजे शुरू होंगे, जबकि अन्य मैच दोपहर तीन बजे और शाम सात बजे शुरू होंगे। सैंटनर ने कहा, मुझे लगता है कि हमारे कुछ खिलाड़ी ऐसे हैं जिन्होंने हाल में आईपीएल में या अपने करियर के दौरान चेन्नई में मैच खेले हैं। जिसका लाभ उन्हें मिलेगा मुझे लगता है कि पिछले कुछ साल में

यह देखा गया है कि चेन्नई की पिच काफी अच्छी है।

सैंटनर ने कहा कि न्यूजीलैंड के पास इस चुनौती का सामना करने के लिए अनुभवी खिलाड़ी हैं। उन्होंने कहा, दिन का खेल थोड़ा अलग होने वाला है। खिलाड़ियों को अपने रुटीन में बदलाव करना होगा। उन्हें सुबह जल्दी उठकर अभ्यास करना होगा। हम लाल मिट्टी की पिच पर एक मैच खेलने के लिए अहमदाबाद जाएंगे और फिर हम काली मिट्टी की पिच पर खेलने के लिए चेन्नई जाएंगे। इसलिए यह मैदान कुछ अलग होगा। सैंटनर ने कहा, मुझे लगता है कि हमारी टीम को अलग-अलग तरह के हालातों के अनुसार अपने को ढालना होगा। चेन्नई में हम तीन मैच खेलेंगे और वहां की पिच अहमदाबाद की की पिच की तुलना में अलग रहेगी जिसके अनुसार हमें ढ़लना होगा। सैंटनर ने कहा कि उनकी टीम को भले ही भारत में खेली गयी सीरीज में हार का सामना करना पड़ा है पर विश्व कप में उसे लाभ मिलेगा क्योंकि उनके खिलाड़ियों को काफी कुछ सीखने को मिला है !

भारतीय बोर्ड भी तब पाक के खिलाफ मैच से हट सकता था

नई दिल्ली। पाकिस्तान ने बांग्लादेश के समर्थन में टी20 विश्व कप 2026 में भारत के खिलाफ 15 फरवरी को कोलंबो में होने वाले मैच में खेलने से इंकार कर दिया है। वहीं भारत के पास भी पहलगाम आतंकी हमले के बाद पाकिस्तान के खिलाफ एशिया कप मुकाबले से हटने का अवसर था पर भारत सरकार ने ऐसा नहीं किया।तब देशभर में पाकिस्तान के खिलाफ माहौल था और कहा जा रहा था कि भारत को ये मुकाबला नहीं खेलना चाहिए पर सरकार ने इसके बाद भी एशिया कप में पाकिस्तान के खिलाफ खेलने का फैसला लिया था। भारतीय सरकार ने तब बीसीसीआई को पाकिस्तान के खिलाफ खेलने की मंजूरी कई कारणों से दी थी। तब अगर भारत पाकिस्तान के खिलाफ खेलने से मना करता तो उसपर कई प्रकार के प्रतिबंध लग सकते थे। इससे आईपीएल पर भी प्रभाव पड़ सकता था क्योंकि विदेशी खिलाड़ियों को अनुमति मिलने में परेशानी आती। इससे भारतीय बोर्ड को भी आर्थिक नुकसान होता। वहीं आईसीसी दूसरी टीमों को भी भारत में द्विपक्षीय सीरीज खेलने से रोक सकता था। इससे भारतीय बोर्ड को नुकसान होता जिससे देखते हुए भारत सरकार ने बीसीसीआई को पाकिस्तान के खिलाफ खेलने की मंजूरी दी थी। हालांकि भारतीय टीम ने पाकिस्तान का क्रिकेट मैदान पर बायकाट किया था। कप्तान सूर्यकुमार यादव ने सबसे पहले पाकिस्तानी कप्तान से टॉस के दौरान हाथ नहीं मिलाए। वहीं मैच खत्म होने के बाद भारतीय खिलाड़ी सीधा अपने ड्रेसिंग रूम में चले गए।

टी20 विश्वकप मैच के लिए तय समय पर श्रीलंका पहुंचेगी भारतीय टीम - बीसीसीआई

पाकिस्तान के मैच से हटने के बाद भी कार्यकम में नहीं किया बदलाव

मुम्बई । भारतीय क्रिकेट बोर्ड (बीसीसीआई) ने कहा है कि टीम टी20 विश्व कप 2026 के लिए तय समय पर श्रीलंका जाएगी हालांकि पाकिस्तान ने उसके खिलाफ ग्रुप स्तर के मैच में खेलने से इंकार कर दिया है। बीसीसीआई के अनुसार पाकिस्तान ने 15 फरवरी को होने वाले विश्वकप मैच में बिना किसी ठोस करणों से खेलने से इंकार किया है पर इसके बाद भी हमारे कार्यक्रम में कोई बदलाव नहीं हुआ है। भारतीय टीम अंतरराष्ट्रीय क्रिकेट परिषद (आईसीसी) नियमों के तहत ही सभी जरूरी औपचारिकताएं पूरी करेगी। भारत-पाक के बीच मुकाबला 15 फरवरी 2026 को कोलंबो के आर. प्रेमदासा स्टेडियम में होना था पर पाक क्रिकेट बोर्ड (पीसीबी) ने कहा है कि वह इसमें अपनी टीम नहीं उतारेगा।

पाकिस्तान सरकार ने सोशल मीडिया में एक आधिकारिक बयान जारी कर कहा कि टीम विश्व कप 2026 में भाग लेगी पर ग्रुप स्तर पर भारत के खिलाफ कोई मैच नहीं खेलेगी। पाक सरकार ने भारतीय टीम के खिलाफ मैच से हटने का कोई कारण नहीं बताया है। इससे कार्यक्रम पर संशय बना हुआ है। पाक के मैच से बाहर होने के बाद भी भारतीय टीम अपने तय कार्यक्रम में कोई बदलाव नहीं करते हुए तय समय पर श्रीलंका पहुंचेगी। टीम अपने नियमित अभ्यास सत्र के बाद प्री-मैच प्रेस कॉन्फ्रेंस में हिस्सा लेंगे और मैच वाले दिन निर्धारित समय पर स्टेडियम में भी पहुंचेगी। वहीं पाक टीम के नहीं पहुंचने के बाद आईसीसी के नियमों के तहत मैच रेफरी फैसला देंगे। इसमें भारतीय टीम को मैच अंक मिलेंगे जबकि पाक के अंक कटेंगे।

आईसीसी ने भी हालांकि अभी ये नहीं बताया है कि अगर कोई टीम विश्व कप मैच खेलने नहीं आती है तो उसके खिलाफ क्या कदम उठाये जाएंगे। पाक को विश्वकप में अपने पहले मुकाबले में 7 फरवरी को पहला मैच नीदरलैंड्स जबकि 10 फरवरी को अमेरिका वह 18 फरवरी को नामीबिया से खेलना है। ये सभी मैच कोलंबो के सिंहलीज स्पोर्ट्स क्लब मैदान में खेले जाने हैं। पीसीबी ने अभी ये नहीं बताया है कि अगर उनकी टीम सेमीफाइनल में पहुंचती है तो तब भी क्या वह भारत के सामने नहीं उतरेगी? भारतङ्कपाक मुकाबले से आईसीसी और प्रसारणकर्ताओं को सबस अधिक राजस्व मिलता है। ऐसे में इस मैच के नहीं होने से आईसीसी को भी काफी नुकसान होगा। ऐसे में अब देखना होगा कि आईसीसी इस मामले में क्या फैसला करती है।

आईसीसी से बात करने के बाद ही अपनी प्रतिक्रिया देगा बीसीसीआई - राजीव शुक्ला

मुम्बई । भारतीय क्रिकेट बोर्ड (बीसीसीआई) उपाध्यक्ष राजीव शुक्ला ने कहा है कि पाकिस्तान के टी20 विश्ककप में भारत के खिलाफ मुकाबले से हटने के मामले में अंतरराष्ट्रीय क्रिकेट परिषद (आईसीसी) से बात करने के बाद ही बोर्ड अपनी प्रतिक्रिया देगा। पाक सरकार के टी20 विश्वकप से हटने की घोषणा के बाद से ही पूर्व क्रिकेटरों ने इस इसपर बयान दिये हैं पर बीसीसीआई ने अभी कोई बयान नहीं दिया है।

भारत और पाकिस्तान के बीच टी20 विश्व कप 2026 का बहुप्रतीक्षित मुकाबला 15 फरवरी को कोलंबो के आर प्रेमदासा स्टेडियम में खेला जाना है। तटस्थ स्थल होने के बाद भी पाक मुकाबले में नहीं खेलना चाहता है जिससे बांग्लादेश के मुद्दे पर विरोध दर्ज करा सके। इससे पहले आईसीसी ने बांग्लादेश को हटाकर स्कॉटलैंड को टूर्नामेंट में शामिल किया है। बांग्लादेश सुरक्षा कारणों की वजह से भारत में कोई मैच नहीं खेलना चाहता था, आईसीसी के समझाने के बावजूद जब बांग्लादेश भारत में खेलने को तैयार नहीं हुआ तो आईसीसी ने उसे बाहर कर दिया। आईसीसी के इस फैसले पर ही अब पाकिस्तान अपनी नाराजगी दिखा रहा है। शुक्ला ने कहा कि बीसीसीआई पाकिस्तान के भारत के खिलाफ विश्व कप 2026 के ग्रुप-स्तर मैच के बहिष्कार के मामले पर आईसीसी से बात करने के बाद ही अपनी प्रतिक्रिया देगा।

शुक्ला ने कहा, आईसीसी ने एक बड़ा बयान जारी किया है, उन्होंने खेल भावना के बारे में बात की है। हम आईसीसी से पूरी तरह सहमत हैं। इसीलिए उससे बात करने के बाद ही हम अपना जवाब देंगे ।

टी20 विश्वकप में सैमसन की जगह ईशान को शामिल करें = गावस्कर

मुम्बई। भारतीय क्रिकेट टीम के पूर्व कप्तान सुनील गावस्कर ने युवा विकेट कीपर बल्लेबाज ईशान किशन की जमकर प्रशंसा करते हुए कहा है कि उसे टी20 विश्वकप में शामिल किया जाना चाहिये। गावस्कर ने कहा कि विश्वकप जैसे टूर्नामेंट में कोई जोखिम नहीं लेते हुए उसी खिलाड़ी को रखा जाना चाहिये जो फार्म में हो। ऐसे में खराब फॉर्म से गुजर रहे रहे संजू सैमसन की जगह पर ईशान को रखा जाना चाहिये। गावस्कर ने ये बात इसलिए कही क्योंकि न्यूजीलैंड के खिलाफ पांच मैचों की टी20 सीरीज में सैमसन का प्रदर्शन बेहद खराब रहा और वह पांच पारियों में केवल 46 रन ही बना पाये। वहीं दूसरी ओर दूसरी ओर ईशान किशन ने चार मैचों में 215 रन बनाकर अपने

जिले में शीघ्र प्रारंभ होगी मुख्यमंत्री सुगम परिवहन सेवा

प्रबंध निदेशक मनीष सिंह ने बस ऑपरेटर्स के साथ की चर्चा

पद्मेश न्यूज। बालाघाट। मुख्यमंत्री सुगम परिवहन सेवा को बालाघाट जिले में प्रभावी रूप से लागू करने की दिशा में 02 फरवरी को कलेक्ट्रेट कार्यालय बालाघाट में महत्वपूर्ण बैठक आयोजित की गई। इस बैठक में परिवहन विभाग मध्य प्रदेश के सचिव एवं मध्य प्रदेश सुगम परिवहन सेवा निगम के प्रबंध निदेशक मनीष सिंह ने जिले के बस ऑपरेटर्स से विस्तारपूर्वक चर्चा कर इस महत्वाकांक्षी योजना की जानकारी दी। बैठक में कलेक्टर मृणाल मीना, पुलिस अधीक्षक आदित्य मिश्रा, प्रभारी जिला परिवहन अधिकारी एवं बस आपरेटर्स उपस्थित थे।

क्या है मुख्यमंत्री सुगम परिवहन सेवा

मुख्यमंत्री सुगम परिवहन सेवा मध्य प्रदेश शासन की एक महत्वाकांक्षी योजना है, जिसका मुख्य उद्देश्य प्रदेश के ग्रामीण एवं दूरस्थ क्षेत्रों को जिला मुख्यालयों और शहरी क्षेत्रों से बेहतर परिवहन सुविधा के माध्यम से जोड़ना है। इस योजना के अंतर्गत यात्रियों को सुरक्षित, सुगम, नियमित और किफायती बस परिवहन सेवा उपलब्ध कराई जाएगी। इस सेवा के तहत आधुनिक बसों का संचालन किया जाएगा, जिनमें जीपीएस ट्रैकिंग, ऑनलाइन टिकट बुकिंग, निर्धारित समय-

सारिणी, स्वच्छता और सुरक्षा जैसी सुविधाएं शामिल होंगी। इससे ग्रामीण क्षेत्रों के नागरिकों को शिक्षा, स्वास्थ्य, रोजगार एवं अन्य आवश्यक सेवाओं तक पहुंचने में सुविधा होगी। सुगम परिवहन सेवा की बसों का रंग तय कर लिया गया है एवं इस सेवा का लोगो भी तय किया जा रहा है।

बस ऑपरेटर्स की होगी महत्वपूर्ण भूमिका

सचिव मनीष सिंह ने बैठक में बस ऑपरेटर्स को बताया कि मुख्यमंत्री सुगम परिवहन सेवा में निजी बस संचालकों की भागीदारी अत्यंत महत्वपूर्ण होगी। उन्होंने बताया कि इस योजना के तहत बस ऑपरेटर्स को संगठित रूप से जोड़ा जाएगा और उन्हें तकनीकी एवं प्रशासनिक सहयोग प्रदान किया जाएगा। उन्होंने बस ऑपरेटर्स को यह भी समझाया कि इस सेवा से उन्हें नियमित यात्रियों का लाभ मिलेगा, संचालन अधिक व्यवस्थित होगा तथा शासन स्तर से आवश्यक सहयोग एवं प्रोत्साहन भी प्राप्त होगा।

जबलपुर संभाग में 08 माह में होगी लागू

श्री सिंह ने जानकारी दी कि यह सेवा जबलपुर संभाग के सभी जिलों में अगले 08 महीनों के भीतर चरणबद्ध तरीके से प्रारंभ कर दी जाएगी। बालाघाट जिले में भी इस सेवा को प्राथमिकता के आधार पर लागू किया जाएगा ताकि जिले के ग्रामीण क्षेत्रों को बेहतर परिवहन सुविधा मिल सके।

बस स्टैंड के लिए भूमि चिन्हांकन के निर्देश

बैठक के दौरान सचिव श्री सिंह ने निर्देश दिए कि इस सेवा के सुचारू संचालन हेतु जिला मुख्यालय बालाघाट में आधुनिक सुविधाओं से युक्त बस स्टैंड के निर्माण के लिए लगभग 10 एकड़ भूमि चिन्हित की जाए। उन्होंने कहा कि सुव्यवस्थित बस स्टैंड, यात्री सुविधाएं और बेहतर प्रबंधन इस योजना की सफलता के लिए अत्यंत आवश्यक हैं।

नागरिकों को मिलेगा सीधा लाभ

कलेक्टर मृणाल मीना ने कहा कि मुख्यमंत्री सुगम परिवहन सेवा से जिले के नागरिकों को आवागमन की बेहतर सुविधा प्राप्त होगी। इससे ग्रामीण क्षेत्रों का शहरी क्षेत्रों से संपर्क मजबूत होगा और आमजन को सुरक्षित तथा समयबद्ध परिवहन सेवा उपलब्ध हो सकेगी। बैठक में उपस्थित बस ऑपरेटर्स ने योजना का स्वागत करते हुए इसके क्रियान्वयन में पूर्ण सहयोग का आश्वासन दिया। प्रशासन द्वारा इस सेवा को जल्द से जल्द प्रारंभ करने हेतु आवश्यक तैयारियां प्रारंभ कर दी गई हैं।

सेवा, स्वच्छता और जागरूकता का जीवंत उदाहरण बना एनएसएस का विशेष शिविर

पद्मेश न्यूज। बालाघाट। शासकीय महाविद्यालय लामता की राष्ट्रीय सेवा योजना इकाई द्वारा ग्राम चांगोंटोला में मेरा युवा भारत डिजिटल साक्षरता, युवा स्वास्थ्य, जन स्वास्थ्य एवं व्यक्तिगत स्वच्छता के उद्देश्य से सात दिवसीय विशेष आवासीय शिविर का आयोजन किया जा रहा है। शिविर के पंचम दिवस दिनांक 01 फरवरी 2026 को ग्राम चांगोंटोला के वार्ड क्रमांक 7 एवं 8 में नालियों की सफाई कर स्वच्छता अभियान चलाया गया।

इसके पश्चात नशा मुक्ति विषय पर नुक्कड़ नाटक का आयोजन किया गया तथा बाल संरक्षण, नारी सशक्तिकरण, साइबर अपराध और नशा मुक्ति को लेकर जागरूकता रैली निकाली गई। रैली को पूरे ग्राम में भ्रमण कराया गया और नारों के माध्यम से ग्रामीणों को जागरूक किया गया। दोपहर के बौद्धिक सत्र में मुख्य अतिथि विधायक मधु भगत द्वारा समस्त स्वयंसेवकों को आशीर्वचन देते हुए बधाई दी गई। उन्होंने कार्यक्रम अधिकारी डॉ डूलेश्वरी टेम्भरे के कार्यों की सराहना करते हुए कहा कि राष्ट्रीय सेवा योजना के माध्यम से समाज को जागरूक करने का प्रयास अत्यंत सराहनीय है।

थाना प्रभारी शशांक राणा द्वारा नशा मुक्ति, बाल संरक्षण, महिला सुरक्षा एवं साइबर अपराध विषयों पर विस्तारपूर्वक जानकारी दी गई। सांस्कृतिक संध्या में ग्राम सरपंच प्रमोद ठाकरे, जनभागीदारी अध्यक्ष विनोद बोथरा, पूर्व सरपंच मोहम्मद अहमद शाह कादरी सहित ग्राम पंचायत चांगोंटोला के जनप्रतिनिधि एवं गणमान्य नागरिक उपस्थित रहे। महाविद्यालय परिवार से डॉक्टर ढालसिंह गौतम, डॉक्टर कृष्ण सिंह एवं गौतम मैडम की भी उपस्थिति रही। कार्यक्रम का संचालन राष्ट्रीय सेवा योजना की कार्यक्रम अधिकारी डॉ डूलेश्वरी टेम्भरे के मार्गदर्शन में शिविर प्रभारी निरंजन रहंगडाले, शिविर नायक हरिंद्र तथा वरिष्ठ स्वयंसेवकों द्वारा किया गया।

फिल्म डायरेक्टर रोहित शेट्टी के घर पर फायरिंग मामले में पुणे से 5 लोग हिरासत में

पुणे। बॉलीवुड के मशहूर फिल्म डायरेक्टर रोहित शेट्टी के जुहू स्थित घर के बाहर रविवार देर रात हुई फायरिंग के मामले में पुलिस ने पुणे से पांच लोगों को हिरासत में लिया है। पुणे पुलिस ने इन आरोपियों को पुणे के धायरी, वारजे और कर्वे नगर इलाकों से गिरफ्तार किया और मुंबई पुलिस को सौंप दिया। हिरासत में लिए गए आरोपियों के नाम सिद्धार्थ दीपक येनपुरे, समर्थ शिवशंकर पोमाजी, स्वप्निल बंडू सकट, अमन आनंद मरोठे और आदित्य ज्ञानेश्वर गायके हैं। पुलिस सूत्रों के मुताबिक, शुरुआती जानकारी से पता चला है कि हिरासत में लिए गए सभी पांच लोग देश के एक कुख्यात अपराधी गैंग से जुड़े हैं। पुणे पुलिस ने खुफिया जानकारी के आधार पर यह कार्रवाई की, क्योंकि इन चारों का बैकग्राउंड, संपर्क और गतिविधियां संदिग्ध थीं। पूछताछ के दौरान पता चला कि इन आरोपियों के मुंबई के आपराधिक गैंग से संबंध हैं। पुलिस ने गंभीर शक जताया है कि एनसीपी नेता बाबा सिद्दीकी की हत्या में शामिल गैंग का संबंध बॉलीवुड डायरेक्टर रोहित शेट्टी के घर पर हुए हमले से है। जानकारी सामने आई है कि पुणे पुलिस द्वारा हिरासत में लिए गए चारों लोग उसी गैंग के सदस्य हैं जिसने बाबा सिद्दीकी हत्याकांड में सक्रिय भूमिका निभाई थी। इस संबंध में, पुलिस उपायुक्त संभाजी कदम ने कहा, मुंबई पुलिस ने हमें कुछ संदिग्धों के नाम दिए थे। इन नामों के आधार पर, वारजे पुलिस की अलग-अलग टीमों ने सभी पांच संदिग्धों को हिरासत में लिया। वे पुणे के वडगांव, धायरी, कर्वे नगर और वारजे इलाकों के रहने वाले हैं, और उन्हें मुंबई क्राइम ब्रांच को सौंप दिया गया है। मुंबई पुलिस की टीम आगे की जांच कर रही है।

एसआईआर पर सीईसी से मुलाकात के बाद बोलीं ममता बनर्जी

चुनाव आयोग बीजेपी का आईटी सेल...

नई दिल्ली। पश्चिम बंगाल की मुख्यमंत्री ममता बनर्जी चुनाव आयोग के ऑफिस में मुख्य चुनाव आयुक्त ज्ञानेश कुमार से मुलाकात की है। इसके बाद उन्होंने बयान जारी कर चुनाव आयोग पर गंभीर आरोप लगाए हैं। टीएमसी के मीडिया बयान के अनुसार, एक 15 सदस्यीय प्रतिनिधिमंडल चुनाव आयोग के मुख्यालय में गया। इस प्रतिनिधिमंडल में ममता बनर्जी, टीएमसी के राष्ट्रीय महासचिव अभिषेक बनर्जी, पार्टी सांसद कल्यान बनर्जी और एसआईआर प्रक्रिया से प्रभावित 12 परिवारों के सदस्य शामिल थे।

ममता बनर्जी के साथ सीईसी से मिलने पहुंचे प्रतिनिधिमंडल में अभिषेक बनर्जी समेत स्ङ्क्र से प्रभावित 12 परिवारों के सदस्य भी शामिल थे। ममता के साथ सीईसी से मिलने जो 12 जो लोग पहुंचे थे, उनमें पांच ऐसे मतदाता हैं, जिन्हें मृत घोषित कर। उनका नाम वोटर लिस्ट से हटा दिया गया है। इन लोगों में

पांच ऐसे परिवार के सदस्य हैं, जिनकी एसआईआर नोटिस मिलने के बाद मौत हो गई थी। इसके अलावा 3 ऐसे परिवारों के सदस्य भी मौजूद हैं जिनके घर के बीएलओ की कथित तौर पर काम के दबाव के कारण जान चली गई।

मैं बहुत दुखी हूं...

सीईसी से मुलाकात के बाद ममता बनर्जी ने कहा कि मैं बहुत दुखी हूं। मैं दिल्ली की राजनीति में लंबे वक्त से सक्रिय हूं। मैं चार बार मंत्री और सात बार सांसद रह चुकी हूं। मैंने आज तक ऐसा अहंकारी और झूठा चुनाव आयुक्त नहीं देखा। मैंने उनसे कहा कि मैं आपकी कुर्सी का सम्मान करती हूं, क्योंकि कोई भी कुर्सी हमेशा के लिए नहीं रहती। एक दिन तो आपको जाना ही होगा। बंगाल को क्यों निशाना बनाया जा रहा है? चुनाव लोकतंत्र का त्योहार होते हैं, लेकिन आपने 98 लाख लोगों के नाम हटा दिए और उन्हें अपना बचाव करने का मौका नहीं दिया...।

एसआईआर प्रक्रिया पक्षपातपूर्ण

टीएमसी का आरोप है कि पश्चिम बंगाल में चल रही एसआईआर प्रक्रिया पक्षपातपूर्ण, मनमानी, भेदभावपूर्ण और राजनीतिक रूप से प्रेरित है, जिसके कारण मतदाताओं के अधिकार छीने जा रहे हैं। इसी को लेकर मुख्यमंत्री और अभिषेक बनर्जी ने इन प्रभावित परिवारों को साथ लेकर चुनाव आयोग पहुंचकर अपनी गंभीर चिंताओं को दर्ज करा रहे हैं।

विद्यार्थियों को रमन विज्ञान केंद्र नागपुर का करवाया भ्रमण

पद्मेश न्यूज। वारासिवनी/खैरलांजी। खैरलांजी विकासखंड अंतर्गत स्थित पीएम श्री शासकीय उच्चतर माध्यमिक विद्यालय भेंडारा से १ फ रवरी २०२६ को एक्सपोजर विजिट के लिए नागपुर ले जाया गया। जिसमें छात्र छात्राओं को रमन विज्ञान केंद्र नागपुर का भ्रमण करवाया गया। भ्रमण के लिए रविवार की सुबह बसों के द्वारा शाला के छात्र छात्राएं विद्यालय से नागपुर के लिए रवाना हुए। जहाँ सहयोगी स्टाफ द्वारा रमन विज्ञान केंद्र नागपुर पहुंचकर सभी को भ्रमण करवाया गया। जहां छात्रों को तारामंडल, सौरमंडल तथा जंगल सफ ारी पर आधारित ३ डी फि ल्म के शो दिखाए गए। जिससे छात्रों को इन विषयों को सरलता से अध्ययन करने में सहायता मिली। वहीं साइंस सेंटर में भौतिकी, भूगर्भ विज्ञान, जीव विज्ञान, पर्यावरण संवर्धन, जल संरक्षण तथा भौतिकी आधारित प्रेक्षण व गतिविधि मॉडल छात्रों को देखने को मिले। जिससे छात्रों को विज्ञान को दैनिक जीवन

से जोड़कर समझने में सहायता होगी। इसके अतिरिक्त सभी छात्र छात्रायें एवं स्टाफ वहां आयोजित साइंस एक्सपो में भी सम्मिलित हुए। जहां वॉटर प्यूरिफिकेशन, माइनिंग स्टोंस, आर्टिफि शियल सैटेलाइट, कोल हैंडलिंग प्लांट, मानव अंग प्रतिदर्श, ड्रोन टेक्नोलॉजी, वेस्ट मैनेजमेंट, मिट्टी के प्रकार आदि विषयों पर मॉडल का अवलोकन किया। रमन केन्द्र के विशेषज्ञों द्वारा छात्रों को बताया कि सूर्य इतना विशाल है कि इसमें १३ लाख पृथ्वी समा सकती है एवं वह वर्तमान में अपनी युवावस्था में है। इसकी अवधि को लगभग ५ लाख वर्ष हो चुके हैं। सूर्य ऊर्जा का सबसे बड़ा स्त्रोत है। इसकी ऊर्जा उत्पन्न होने का कारण हाइड्रोजन का हीलियम में नाभिकीय संलयन की प्रक्रिया होना बताया गया है। सूर्य में प्रतिदिन लगभग १६ लाख हाइड्रोजन परमाणु नाभिकीय संलयन की प्रक्रिया कर हीलियम में परिवर्तित होते है एवं उसका तापमान इतना अधिक है कि कोई भी उसके नजदीक नही पहुंच सकता। संस्था के प्राचार्य आर के नगपुरे ने बताया कि शैक्षणिक भ्रमण का उद्देश्य विद्यार्थियों को कुछ नया सीखने मिले। उनकें विषय के प्रति अभिरुचि उत्पन्न हो और भविष्य में नवाचार कर सके। रमन विज्ञान केंद्र विज्ञान से संबंधित अनेक जानकारियों का ऐसा केंद्र है, जहां विद्यार्थी मॉडल और चलचित्र के माध्यम से अनेक अनेक कठिन जानकारियों को आसानी से समझ सकते है एवं उनमें विज्ञान के प्रति नया दृष्टिकोण जागृत होता है। इस दौरान अनिल कावड़े, आशीष पारधी, राहुल नगपुरे एवं समस्त स्टाफ के सहयोग से विद्यार्थियों को सफ लतापूर्वक शैक्षणिक भ्रमण कराया गया।

परीक्षा केन्द्रों तक प्रश्नपत्र पहुचानें और बॉक्स खुलने की जवाबदेही दी गई

पद्मेश न्यूज। बालाघाट। माध्यमिक शिक्षा मंडल मध्यप्रदेश भोपाल की कक्षा 10वीं की बोर्ड परीक्षा 10 फरवरी से एवं कक्षा 12वीं की बोर्ड परीक्षा 13 फरवरी से प्रारंभ होने वाली है। कलेक्टर श्री मृणाल मीना के मार्गदर्शन में बालाघाट जिले में इन परीक्षाओं के व्यवस्थित संचालन के लिए सभी आवश्यक तैयारियॉ की जा रही है। इसी कडी में 02 फरवरी को जिला पंचायत सभाकक्ष में कलेक्टर प्रतिनिधियों को प्रशिक्षण दिया गया और बताया गया कि उन्हें परीक्षा के दौरान क्या कार्य करने है और कौन से दायित्वों का निर्वहन करना है।

प्रशिक्षण में जिला शिक्षा अधिकारी श्री ऐ के उपाध्याय ने बताया कि कलेक्टर प्रतिनिधियों को एप के माध्यम से संबंधित थाना/केन्द्र पर उपस्थित होकर मंडल के निर्देशानुसार थाने

से प्रश्न पत्र निकलवाने, परीक्षा केंद्र तक सुरक्षित पहुंचाने एवं अन्य आवश्यक कार्यवाही का पर्यवेक्षण करना है। परीक्षा केंद्र पर सभी शिक्षकों एवं कर्मचारियों के मोबाइल फोन बंद कराकर सील किए जाएंगे और किसी के पास फोन शेष नहीं रहेगा। प्रश्न-पत्रों के बॉक्स खोलने के पूर्व बॉक्सों की छ तरफ का वीडियो बनाकर माध्यमिक शिक्षा मंडल, भोपाल को नामांकित व्यक्ति को वॉट्सएप पर प्रतिदिन सुबह 8ः30 के पहले भेजना होगा।

प्रशिक्षण में बताया गया कि परीक्षा केंद्र पर प्रश्नपत्रों के बॉक्स खुलने के उपरांत यह सुनिश्चित करना है कि किसी भी पैकेट को सुबह 8 बजकर 30 मिनट तक नहीं खोला जाए और पर्यवेक्षकों को सुबह 8 बजकर 45 के पूर्व पैकेट उपलब्ध नहीं कराये जायेंगे। प्रतिदिन परीक्षा केंद्र पर सुबह 10 बजे तक उपस्थित रहकर परीक्षा को सुचारु रूप से प्रांरम्भ होने के बाद ही एप्प से लागआउट होने के बाद परीक्षा केंद्र छोडेंगे।

शासन एवं मंडल द्वारा जारी निर्देशों का पालन करने और नकल रोकने के लिए निरीक्षण दल बनाए गए हैं, जो प्रतिदिन कम से कम चार परीक्षा केंद्रों का निरीक्षण करेंगे और नकल प्रकरण पाये जाने पर जिला कलेक्टर एवं सचिव को अवगत कराएंगे। इन निर्देशों का उद्देश्य परीक्षा प्रक्रिया में पारदर्शिता और सुरक्षा सुनिश्चित करना है।

शंकराचार्यअविमुक्तेश्वरानंद सरस्वती ने प्रशांत सिंह के इस्तीफा वापस लेने पर कसा तंज

अयोध्या जीएसटी अफसर ने थूककर चाटा

वाराणसी। शंकराचार्य अविमुक्तेश्वरानंद सरस्वती ने अयोध्या के जीसीटी डिप्टी कमिश्नर प्रशांत सिंह इस्तीफा वापस लेने पर तंज कसा। उन्होंने हंसते हुए कहा- बरेली मजिस्ट्रेट के इस्तीफा देने के बाद जो त्याग पत्र दिलवाया गया था। वो वापस हो चुका है। आदमी थूक कर चाट चुका है। हमने तभी कहा था कि ये जो त्याग पत्र दिया गया है वो चार दिन में वापस होगा। और वही हुआ। दरअसल, जीएसटी डिप्टी कमिश्नर प्रशांत कुमार सिंह 27 जनवरी को सीएम योगी के सपोर्ट में इस्तीफा दे दिया था, लेकिन 4 दिन बाद ही यूटर्न लेते हुए अपना फैसला वापस ले लिया था। अफसर ने कहा था- मेरे ऊपर कोई दबाव नहीं है। फिलहाल मैं अपने दफ्तर में काम कर रहा हूं।

अविमुक्तेश्वरानंद ने पशुधन मंत्री धर्मपाल सिंह के बयान पर भी पटलवार किया। कहा- मंत्री आका शब्द का इस्तेमाल कर रहे हैं। आका अरबी शब्द है। उन्हें पता नहीं कि शंकराचार्य सर्वोच्च पद है। उसके ऊपर कोई नहीं हो सकता है। तुम्हारे आका हो सकते हैं। तुम मंत्री हो, तुम्हारे आका मुख्यमंत्री हैं। मुख्यमंत्री के आका राज्यपाल और केंद्र में मंत्री हैं। तुम्हारी मुसलमानी भाषा बता रही है कि सबकुछ मुगलिया हो चुका है।

मंत्री मुझ पर आरोप लगाकर जनता को गुमराह कर रहे

मंत्री ओम प्रकाश राजभर और धर्मपाल सिंह सैनी के बयानों पर शंकराचार्य भडक़ गए। कहा- सरकार की ओर से कहा जा रहा है कि यूपी से केवल भैंस, बकरे और सूअर का मांस निर्यात होता है,

गौमांस का नहीं। जबकि, यूपी से सूअर के मांस का निर्यात होता ही नहीं है। फिर यह दावा किस आधार पर किया जा रहा है। हम चाहते हैं कि पहले यह स्पष्ट किया जाए कि सूअर के मांस के निर्यात की बात कितनी सत्य है। यदि यह झूठ है, तो फिर आगे चर्चा का कोई अर्थ नहीं रह जाता।

भैंस के मांस की आड़ में गौमांस निर्यात का आरोप

शंकराचार्य अविमुक्तेश्वरानंद ने आरोप लगाया कि भैंस के मांस के नाम पर लगातार गौमांस विदेशों में भेजा जा रहा है। उन्होंने नोएडा और भोपाल की घटनाओं का हवाला देते हुए कहा- शुरुआती तौर पर मांस को भैंस का बताया गया, लेकिन लैब टेस्ट में वह गाय का मांस निकला। जब हर बार जांच में भैंस का मांस गाय का निकल जाता है, तो सरकार के दावों पर भरोसा कैसे किया जाए?

बूचडख़ानों की संख्या पर उठाए सवाल

शंकराचार्य ने योगी सरकार के उस दावे पर भी सवाल खड़े किए, जिसमें अवैध बूचडख़ानों को बंद करने की बात कही जाती है। इस मुद्दे पर उन्होंने कहा- मुख्यमंत्री के कार्यभार संभालने के समय प्रदेश में लगभग 40 प्रसंस्कृत मांस निर्यात करने वाले बूचडख़ाने थे, जो अब 9 सालों में बढक़र 70 से अधिक हो गए हैं। उन्होंने पूछा कि यह बढ़ोतरी किसके कार्यकाल में हुई? यदि अवैध बूचडख़ाने बंद किए गए, तो इनकी संख्या कैसे बढ़ गई?

फ्यूल स्विच में आई खराबी... विमान की उड़ान पर लगी रोक

नई दिल्ली। एअर इंडिया के बोइंग 787 ड्रीमलाइनर के फ्यूल स्विच में खराबी की आशंका के मद्देनजर विमान को उड़ान भरने से रोक दिया गया। विमान के पायलटों ने ईंधन नियंत्रण स्विच में संभावित खराबी की सूचना दी थी। इस मामले पर एयर इंडिया के प्रवक्ता ने कहा कि हमें इस बात की जानकारी है कि हमारे एक पायलट ने बोइंग 787 ड्रीमलाइनर विमान के फ्यूल स्विच में संभावित खराबी की सूचना दी है। यह प्रारंभिक सूचना प्राप्त होने के बाद हमने उक्त विमान को उड़ान भरने से रोक दिया है।

एअर इंडिया ने कहा कि पायलट की चिंताओं की प्राथमिकता के आधार पर जांच कराने के लिए निर्माता कंपनी से संपर्क कर रहे हैं। इस मामले की जानकारी विमानन नियामक, डीजीसीए को दे दी गई है। डीजीसीए के निर्देश के बाद एअर इंडिया ने अपने बेड़े के सभी बोइंग 787 विमानों के ईंधन नियंत्रण स्विच की जांच की थी और कोई समस्या नहीं पाई थी।

विमान की जांच की मांग हुई तेज

सेफ्टी मैटर्स फाउंडेशन के मुताबिक एअर इंडिया की उड़ान एआई132 के चालक दल ने बताया कि बोइंग ड्रीमलाइनर के बाएं इंजन के फ्यूल स्विच को चालू करते समय यह रन की स्थिति में लॉक होने की जगह कट ऑफ होने की ओर बढने लगा। इसकी वजह से उड़ान के दौरान अनजाने में इंजन बंद होने की संभावना बन सकती है। गौरतलब है कि एअर इंडिया के इस विमान ने रविवार रात नौ बजकर उन्नीस मिनट पर लंदन के हीथ्रो एयरपोर्ट से उड़ान भरी। विमान सोमवार सुबह 11 बजकर 54 मिनट पर बंगलूरू में उतरा। फ्यूल स्विच लॉकिंग सिस्टम विमान के इंजन को ईंधन की सप्लाई को नियंत्रित करता है। अगर इसमें गड़बड़ी हो जाए तो इंजन बंद होने या ईंधन की आपूर्ति रुकने का जोखिम हो सकता है। इसलिए डीजीसीए ने इसे गंभीरता से लिया है। डीजीसीए ने सभी एयरलाइनों से कहा है कि वे अपने बोइंग 787 और 737 बेड़े के सभी विमानों की तकनीकी जांच करें और रिपोर्ट सौंपें। अगर किसी विमान में खराबी पाई जाती है तो उसे तुरंत सुधारना होगा, तब तक वह विमान उड़ान के लिए नहीं चलाया जा सकेगा।

अहमदाबाद विमान हादसे से फ्यूल स्विच का कनेक्शन

12 जून को अहमदाबाद में एअर इंडिया के विमान हादसे की जांच कर रही एएआईबी ने अपने प्रारंभिक रिपोर्ट में बताया कि हादसे वाले बोइंग ड्रीमलाइनर विमान के दोनों इंजन टेकऑफ के कुछ ही सेकंड बाद बंद हो गए क्योंकि ईंधन की आपूर्ति रुक गई थी। एअर इंडिया विमान के ब्लैक बॉक्स की जांच में पता चला कि उड़ान के अंतिम क्षणों में, कॉकपिट वॉयस रिकॉर्डर से पता चला कि एक पायलट को दूसरे से यह पूछा कि उसने ईंधन स्विच को बंद क्यों किया? इस पर दूसरे पायलट ने जवाब दिया कि उसने ऐसा नहीं किया। जांच में पता चला कि उड़ान भरने के तुरंत बाद ईंधन स्विच कटऑफ में बदल गए थे, जिससे विमान के इंजनों में ईंधन की आपूर्ति रुक गई। रिपोर्ट के बाद बोइंग के विमानों को ईंधन स्विच को लेकर सवाल उठे और आशंका जताई गई कि तकनीकी खराबी की वजह से ईंधन स्विच बंद हुए।

दक्षिण सतपुड़ा
राजनीति | समाज | देशकाल
और गांव कनेक्शन की खबरें

पद्मेश न्यूज़
शहर | समाज | गांव

बालाघाट एक्सप्रेस

/padmeshmedia /padmeshmedia epaper.balaghatexpress.in E-mail: balaghatexpress@gmail.com

न्यूज गैलरी

भौरगड़ में खेत बंटवारे को लेकर सगे भाइयों में मारपीट

पद्मेश न्यूज। बालाघाट। जिले के खैरलांजी थाना क्षेत्र अंतर्गत ग्राम भोरगढ़ में खेत की जमीन के पारिवारिक बंटवारे को लेकर दो सगे भाइयों के बीच विवाद हो गया। विवाद इतना बढ़ गया कि दोनों पक्षों ने एक-दूसरे के खिलाफ मारपीट, धमकी और तोड़फोड़ के आरोप लगाते हुए थाने में शिकायत दर्ज कराई। पुलिस ने दोनों की रिपोर्ट पर मामला दर्ज कर जांच शुरू कर दी है।

प्राप्त जानकारी के अनुसार वीरेंद्र भंडारकर 47 वर्ष जो खेती-किसानी का कार्य करते हैं, और उनके छोटे भाई विक्रांत भंडारकर, जो फोर व्हीलर स्पेयर पार्ट्स का व्यवसाय करते हैं, दोनो भाई के बीच पारिवारिक खेत के बंटवारे को लेकर लंबे समय से मतभेद चल रहे थे। 31 जनवरी को दोपहर करीब 12 बजे दोनों भाई अपनी मां उषा भंडारकर एवं अन्य परिजनों के साथ खेत पर बंटवारे की चर्चा के लिए पहुंचे थे।बताया जा रहा है कि वीरेंद्र भंडारकर ने खेत को चार हिस्सों में बांटने का प्रस्ताव रखा, जिसमें प्रत्येक हिस्से में लगभग डेढ़ एकड़ जमीन आने की बात कही गई। इसी बात को लेकर छोटा भाई विक्रांत भंडारकर नाराज हो गया और बड़े भाई पर जमीन हड़पने का आरोप लगाने लगा। आरोप है कि इस दौरान विक्रांत ने गाली-गलौज करते हुए ईंट-पत्थर फेंके, हालांकि इससे किसी को चोट नहीं आई। समझाइश के बावजूद वह नहीं माना और गुस्से में आकर वीरेंद्र की कार में पत्थर मारकर तोड़फोड़ कर दी।

वहीं, विक्रांत भंडारकर ने अपने बड़े भाई वीरेंद्र पर आरोप लगाया है कि बातचीत के दौरान उनसे रेतघाट के नाम पर एक लाख रुपये की मांग की गई। राशि देने से इनकार करने पर गाली-गलौज कर कथित रूप से कॉलर पकड़कर हाथ-मुक्कों से मारपीट की गई तथा झूठे केस में फंसाने की धमकी दी गई, जिससे उन्हें चोटें आईं।

दूसरी ओर, वीरेंद्र भंडारकर ने भी अपने छोटे भाई पर आए दिन जान से मारने की धमकी देने और सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म फेसबुक पर आपत्तिजनक टिप्पणियां कर उनकी सामाजिक प्रतिष्ठा को नुकसान पहुंचाने का आरोप लगाया है। वह एक सामाजिक कार्यकर्ता हैं और लगातार की जा रही टिप्पणियों से उनकी छवि धूमिल हो रही है।

खैरलांजी पुलिस ने दोनों भाइयों की शिकायत के आधार पर भारतीय न्याय संहिता की संबंधित धाराओं में मारपीट, धमकी और तोड़फोड़ का अपराध दर्ज कर लिया है।

चौदह बरस बाद प्रसन्नजीत पाकिस्तान के कोट लखपत जेल लाहौर में बिताकर रिहा

कैसे पहुंचा पाकिस्तानः प्रसन्नजीत रंगारी का पाकिस्तान पहुंचना अनसुलझी गुत्थी!! परिवार ने मृत मान लिया था 2021 में पाकिस्तान की जेल में होने की खबर मिली

सिटी रिपोर्टर।
पद्मेश न्यूज। बालाघाट।

वारासिवनी क्षेत्र का एक युवक, जो बीते सात वर्षों से निर्दोष होते हुए भी पाकिस्तान की कोट लखपत जेल लाहौर में बंद था, आखिरकार पाकिस्तान से आजाद हो गया है। 31 जनवरी को पाकिस्तान ने सात भारतीय नागरिकों की रिहाई की गई, जिसमें वारासिवनी निवासी युवक प्रसन्नजीत रंगारी भी शामिल है। इस खबर के सामने आते ही उसके परिवार में खुशी और भावुकता का माहौल बन गया है। प्रसन्नजीत रंगारी को लेने के लिए मंगलवार शाम करीब 8:30 बजे उसके परिजन एक प्रशासनिक कर्मचारी के साथ रवाना होंगे। लंबे संघर्ष और इंतजार के बाद अब परिवार को अपने बेटे और भाई से मिलने का अवसर मिल रहा है। प्रसन्नजीत की बहन ने बताया कि उन्होंने अपने भाई की रिहाई के लिए बीते कई वर्षों तक लगातार प्रशासन और सरकार के समक्ष आवेदन व ज्ञापन सौंपे। हर स्तर पर प्रयास किए गए ताकि उनके भाई को न्याय मिल सके। बहन का यह संघर्ष अब सफल हो पाया है। उन्होंने भावुक होकर बताया कि 1 फरवरी की दोपहर को उनकी अपने भाई से वीडियो कॉल के माध्यम से बातचीत हुई। बातचीत के दौरान प्रसन्नजीत ने अपनी बहन को पहचान लिया, हालांकि उसने यह भी कहा कि इतने वर्षों के बाद उसकी बहन की आवाज में बदलाव आ गया है। बातचीत के दौरान उसने जल्द से जल्द भारत लौटकर परिवार से मिलने की इच्छा जताई।

31 जनवरी को पाकिस्तान की जेलों से सात भारतीय कैदियों को रिहा किया गया। इनमें से छह कैदी पंजाब राज्य के हैं, जबकि एक कैदी बालाघाट जिले का निवासी है। इस युवक का नाम प्रसन्नजीत रंगारी है, जो बीते चौदह वर्षों से पाकिस्तान की जेल में सुनील अड़े के नाम से बंद था। अब आखिरकार वह भी रिहा हो चुका है और अपने वतन लौटने की प्रक्रिया में है। वर्ष 2021 में प्रसन्नजीत के पाकिस्तान की जेल में बंद होने की पुष्टि होने के बाद से ही उनकी बहन संघमित्रा अपने भाई की रिहाई और भारत वापसी के लिए लगातार प्रयास कर रही थीं। उन्होंने प्रशासनिक दफ्तरों से लेकर जनप्रतिनिधियों तक कई बार गुहार लगाई, ज्ञापन सौंपे और हर संभव प्रयास किए। यह संघर्ष आसान नहीं था, लेकिन बहन का भरोसा और प्रयास अंततः रंग लाया। संघमित्रा ने बताया कि बीते वर्षों में वह कई बार अलग-अलग सरकारी कार्यालयों के चक्कर काटती रहीं और नेताओं के दरवाजे खटखटाती रहीं। बीते साल उन्होंने अपने भाई के नाम एक भावुक चिट्ठी भी लिखी थी, जिसमें उसकी सुरक्षित वापसी की कामना की थी। अब, इतने वर्षों के बाद, वह अपने भाई को अपनी मां से मिलवा सकेंगी, यह उनके लिए सबसे बड़ी खुशी है। उन्हें इस बात का गहरा अफसोस भी है कि वह अपने पिता के जीवित रहते भाई को भारत नहीं ला सकीं। 1 फरवरी, रविवार को दोपहर करीब 1 बजे उनके घर फोन की घंटी बजती है और उसी के साथ परिवार में खुशियों का माहौल बन जाता है। प्रसन्नजीत की रिहाई की सूचना उन्हें खैरलांजी पुलिस थाना से मिली। इसके बाद अमृतसर के एक थाने से लगातार फोन आने लगे और प्रसन्नजीत को जल्द भारत लाने की प्रक्रिया के बारे में जानकारी दी जाने लगी। सात साल बाद जब संघमित्रा ने अपने भाई की आवाज सुनी, तो वह भावुक हो उठीं। लंबे समय के बाद प्रसन्नजीत अपनी बहन की आवाज पहचान नहीं पाए। जब बहन ने कहा भाई तुम घर आ जाओ तो प्रसन्नजीत ने जवाब दिया मेरे पास टिकट नहीं है, तुम ही मुझे लेने आओ। अब प्रसन्नजीत को लेने के लिए उनके जीजा राजेश अमृतसर जाने वाले हैं। लेकिन परिवार की आर्थिक स्थिति कमजोर होने और पर्याप्त शिक्षा न होने के कारण अकेले इतनी दूर जाना उनके लिए मुश्किल था। ऐसे में परिवार ने हर तरफ मदद की गुहार लगाई, ताकि प्रसन्नजीत को कम से कम अमृतसर से सुरक्षित घर लाया जा सके। परिवार की इस परेशानी को देखते हुए जिला प्रशासन और कलेक्टर बालाघाट आगे आए। प्रशासन द्वारा एक प्रशासनिक कर्मचारी के साथ आर्थिक सहायता प्रदान की गई है, ताकि प्रसन्नजीत की सुरक्षित वापसी सुनिश्चित की जा सके।

इस प्रकार पहुच गया था प्रसन्नजीत पाकिस्तान

खैरलांजी निवासी प्रसन्नजीत रंगारी वर्ष 2011-12 में अचानक घर से लापता हो गया था। परिजनों की तमाम कोशिशों के बावजूद उसका कोई सुराग नहीं मिला और समय के साथ परिवार ने उसे मृत मान लिया। इसी बीच दिसंबर 2021 में आए एक फोन कॉल ने सबको चौंका दिया प्रसन्नजीत पाकिस्तान की जेल में बंद था। 1 अक्टूबर 2019 को प्रसन्नजीत को पाकिस्तान के बाटापुर क्षेत्र से हिरासत में लिया गया था। उस समय उस पर कोई ठोस आरोप तय नहीं थे। वह सुनील अड़े नाम से बंद था, लेकिन अब वह पाकिस्तान की कैद से रिहा हो चुका है। प्रसन्नजीत पढ़ाई में मेधावी था। उसके पिता लोपचंद रंगारी ने कर्ज लेकर जबलपुर के गुरु रामदास खालसा इंस्टिट्यूट ऑफ टेक्नोलॉजी से उसे बी. फार्मेसी की पढ़ाई करवाई। वर्ष 2011 में उसने एमपी स्टेट फार्मेसी काउंसिल में पंजीयन भी कराया। आगे की पढ़ाई की तैयारी के दौरान मानसिक स्थिति बिगड़ने के कारण उसे पढ़ाई छोड़कर घर लौटना पड़ा, जिसके बाद वह दोबारा लापता हो गया।

आज प्रसन्नजीत को लेने रवाना होंगे परिजन

प्रसन्नजीत की बहन संघमित्रा खोबरागड़े ने बताया कि आर्थिक तंगी के कारण पूरा परिवार उसे लेने नहीं जा पा रहा है। जिला प्रशासन और कलेक्टर मृणाल मीना ने आर्थिक सहायता प्रदान की है। साथ ही एक प्रशासनिक कर्मचारी को भी उनके साथ भेजा गया है। मंगलवार शाम करीब 8:30 बजे तिरोड़ी से प्रसन्नजीत के जीजा राजेश खोबरागड़े और एक प्रशासनिक कर्मचारी उसे लेने के लिए रवाना होंगे।

मलाजखंड के खुर्सीपार गांव में हुआ दर्दनाक हादसा

तेज रफ्तार कार की टक्कर से युवक की मौत, हेलमेट उतारना पड़ा भारी

पद्मेश न्यूज। बालाघाट। जिले के मलाजखंड थाना अंतर्गत बिरसा रोड पर स्थित ग्राम खुर्सीपार में कार की जबरदस्त ठोकर से गंभीर रूप से घायल मोटरसाइकिल सवार एक युवक की मौत हो गई। मृतक रंजीत पिता सुखराम भलवे 21 वर्ष बिरसा थाने के ग्राम मानेगांव निवासी है। 1 जनवरी को 10:30 बजे करीब यह सड़क दुर्घटना उस समय हुई जब यह युवक मोटरसाइकिल में अपने घर मानेगांव से बालाघाट जाने के लिए निकला था। जिला अस्पताल पुलिस ने इस युवक का शव पोस्टमार्टम करवा कर उसके परिजनों को सौंप दिया है। प्राप्त जानकारी के अनुसार रंजीत भलवे तीन भाइयों में सबसे छोटा था। जिसकी चार बहने हैं। चार बहने और एक भाई की शादी हो चुकी है। बताया गया है कि रंजीत भलवे मलाजखंड कॉलेज में बी ए प्रथम वर्ष की पढ़ाई कर रहा था। पढ़ाई करने के साथ ही वह मेहंदी लगाने का भी काम करता था। जिसके परिवार के अन्य भाई भी मेहंदी लगाने का धंधा करते हैं ।1 जनवरी को 10:00 बजे करीब रंजीत भलवे मोटरसाइकिल में अपने घर से बालाघाट जाने के लिए निकला था ।तभी बिरसा से मलाजखंड की ओर आते समय ग्राम खुर्सीपार गोंडवाना पेट्रोल पंप के ठीक सामने बिरसा की ओर से तेज रफ्तार से आ रही कार ने रंजीत भलवे की मोटरसाइकिल को पीछे से ठोस मार दी। कार की जबरदस्त रंजीत भलवे कार के साथ ही घसीटते चला गया और रोड किनारे फेंका गया जो सिर में चोट लगने गंभीर रूप से घायल और बेहोश हो गया था। रंजीत भलवे की मोटरसाइकिल को ठोस करने के बाद कार भी अनियंत्रित होकर के रोड किनारे उतर गई। इस जबरदस्त सड़क दुर्घटना को देख गुस्सा लोगों ने कार चालक को पकड़ लिए और गंभीर रूप से घायल रंजीत भलवे को तुरंत 108 एंबुलेंस से बिरसा के अस्पताल में भर्ती किए थे। खबर मिलते ही उसके परिवार के लोग भी पहुंच चुके थे। बिरसा अस्पताल से प्राथमिक उपचार के बाद रंजीत भलवे को हायर सेंटर रेफर किया गया था। परिवार के लोगों ने उसे बालाघाट नगर के सरदार पटेल हॉस्पिटल गायखुरी में भर्ती किए थे। जहां से बेहतर उपचार हेतु उसे गोंदिया के एक निजी अस्पताल ले जास्कर भर्ती किया गया था। किंतु रंजीत भलवे के स्वास्थ्य में सुधार नहीं हो पाया। 2 फरवरी को 4 बजे रंजीत भलवे को उसके परिवार के लोग जिला अस्पताल बालाघाट ला रहे थे। किंतु जिला अस्पताल में चिकित्सक ने रंजीत भलवे को मृत घोषित कर दिए। रंजीत भलवे की गोंदिया से जिला अस्पताल लाते समय रास्ते में ही मौत हो चुकी थी। जिला अस्पताल पुलिस ने पंचनामा कार्यवाही

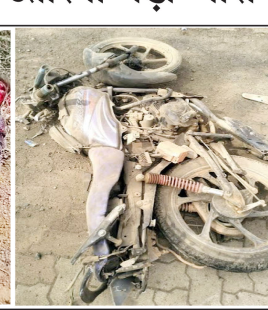

पश्चात रंजीत भलवे का शव पोस्टमार्टम करवा कर उसके परिजनों को सौंप दिया है और धारा 194 भारतीय नागरिक सुरक्षा संहिता के तहत मर्ग कायम कर मर्ग डायरी अग्रिम कार्यवाही हेतु घटनास्थल से संबंधित पुलिस थाना मलाजखंड भिजवा दी है। बताया जा रहा है कि रंजीत भलवे जब घर से निकला था तब वह हेलमेट पहना हुआ था किंतु घर से निकलने की कुछ ही दूर बाद उसने हेलमेट सिर से उतार लिया था। इसके बाद ही ग्राम खुर्सीपार के गोंडवाना पेट्रोल पंप के पास रंजीत भलवे को पीछे से तेज रफ्तार से आ रही कार ने चपेट में ले लिया और सिर में चोट लगने वह गम्भीर रूप से घायल हो गया था। यदि रंजीत भलवे हेलमेट नहीं उतरता तो संभवत उसकी मौत नहीं होती। इस सड़क दुर्घटना को गोंडवाना पेट्रोल पंप में लगे सीसीटीवी ने अपने केमरे में कैद किया है। मलाजखंड पुलिस ने प्रारंभिक कार्रवाई करते हुए कार ष्टत्र 04 क्क्ष 7200 को अभिरक्षा में लेकर थाना परिसर में खड़ा करवा दिए है। यह कार विमल जैन रायपुर निवासी की है जो मुक्की ताज सफारी होटल का संचालक बताया जा रहा है। इस सड़क दुर्घटना की आगे जांच मलाजखंड पूरी द्वारा की

पैसा ठीक होने के बाद देना
शादी से पहले एवं शादी के बाद
उम्र की अधिकता से कमजोर सेक्स, शीघ्रपतन, स्वप्नदोष, लिंग का छोटापन, टेडापन, निःसंतान, शुक्राणुओं की कमी, शुगर से आयी कमजोरी आदि सभी सेक्स समस्याओं का शर्तिया ईलाज किया जाता है।
पता-जगजीवन आयुर्वेदिक दवाखाना
गुरूनानक पेट्रोल पंप के सामने समाजवाड़ी रोड, बालाघाट, मो. 9243880464

स्वत्वाधिकारी, मुद्रक एवं प्रकाशक उमेश बागरेचा द्वारा पद्मेश पब्लिकेशन, वार्ड नं.9, गुजरी चौक, बालाघाट (म.प्र.) से मुद्रित कराकर दैनिक बालाघाट एक्सप्रेस कार्यालय, काली पुतली चौक, बालाघाट(म.प्र.) से प्रकाशित, **प्रधान संपादक : उमेश बागरेचा**, मो.नं. :9425138710,
स्थानीय संपादक : डॉ. विपिन बिहारी शांडिल्य, ई-मेल- balaghatexpress@gmail.com पंजीयन क्रं. MPHIN/2009/32311, न्यायालयीन क्षेत्राधिकार बालाघाट